RNI NO-UPHIN/2023/84340

सबसे तेज प्रयागराज

सब पर नजर, सटीक खबर

नगर संस्करण | sabsetejprj2023@gmail.com | शनिवार , 27 जून 2026 | वर्ष: 04, अंक: 99 पृष्ठ: 08, मूल्य: 2 रु. | प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

नशे से मुक्ति के लिए रूथलेस अप्रोच के साथ आगे बढ़ना पड़ेगा: शाह

राज्य सरकारों और ड्रग कानून प्रवर्तन एजेंसियों के 108 प्रतिनिधियों ने भाग लिया

नई दिल्ली/एजेंसी
केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को कहा कि नशे के खिलाफ लड़ाई में अगले तीन साल बेहद महत्वपूर्ण है। सरकार ने नशा मुक्त भारत के लिए रोडमैप तैयार कर लिया है। अगले तीन सालों के लिए हमें नशे से मुक्ती के लिए रूथलेस अप्रोच के साथ आगे बढ़ना होगा। शाह ने राज्यों के पुलिस प्रमुखों और सचिवों के साथ बैठक में सामूहिक और संगठित प्रतिक्रिया तथा आधुनिक खुफिया सूचना आधारित कार्रवाई, प्रौद्योगिकी आधारित रणनीति तथा पूरे नेटवर्क को लक्ष्य बनाकर अभियान चलाने की आवश्यकता पर जोर दिया। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने आज नई दिल्ली में नार्को-कोऑर्डिनेशन सेंटर (एनसीओआरडी) की 10वीं शीर्ष स्तरीय बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में हाइब्रिड मोड में 44 केन्द्रीय मंत्रालयों और विभागों के प्रमुख हितधारकों के साथ-साथ राज्य सरकारों और ड्रग कानून प्रवर्तन एजेंसियों के 108 प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

इस दौरान गृह मंत्री ने मादक पदार्थ नियंत्रण पर विजन डॉक्यूमेंट (2026-2029) जारी किया। साथ ही शाह ने एनसीबी वार्षिक रिपोर्ट - 2025 जारी की और जम्मू एवं गुवाहाटी में नवनिर्मित एनसीबी आंचलिक कार्यालयों का उद्घाटन किया। अपने संबोधन में शाह ने कहा कि देश की आंतरिक सुरक्षा, अर्थतंत्र सुरक्षा और युवा पीढ़ी के भविष्य के लिए नशे के कारोबार पर संपूर्ण विजय जरुरी है। भारत नशे के कारोबार से जुड़े डेथ ट्रायंगल (म्यांमार, थाईलैंड और लाओस) और डेथ क्रिसन (अफगानिस्तान, ईरान और पाकिस्तान) के बीच स्थित है। इसके अलावा ड्रोन आधारित ड्रॉप्स, समुद्री मार्गों से कंटेनराइज कारगो, डार्क नेट, क्रिप्टो पेमेंट और ऑर्डर टू डिलीवरी मॉडल पार्सलों का उपयोग जैसे तरीकों से ड्रग के कारोबारियों के खिलाफ हमारी लड़ाई कठिन हो गई है।

नशे के कारोबार के खिलाफ हमारी लड़ाई समान्य नहीं होनी चाहिए: शाह

गृह मंत्री ने कहा कि नशे के कारोबार के खिलाफ हमारी लड़ाई समान्य नहीं होनी चाहिए। नार्को अपराधी आज टेक्नोलॉजी से सक्षम हैं। वह नेटवर्क आधारित बन चुके हैं और मल्टी डोमेन अपराध के रूप में भी आज हमारे सामने खड़े हैं। ये सभी चीजें ये लड़ाई को और कठिन बनाती है। इसी संदर्भ में उन्होंने रूथलेस अप्रोच की बात कही। आगे इसपर स्थिति स्पष्ट करते हुए उन्होंने कहा कि हमें नशे के व्यापार करने वालों के प्रति रूथलेस एप्रोच रखना है और ड्रग के शिकार बने लोगों के प्रति संवेदनशील एप्रोच रखना है। उनको अंगुली पकड़ कर हमें सही रास्ते पर ले जाने का काम करना होगा। गृह मंत्री ने बताया कि सरकार ने वर्ष 2026-29 के लिए मादक पदार्थों के विरुद्ध कार्ययोजना (रोडमैप) तैयार की है। यह चार प्रमुख स्तंभों पर आधारित है।

नागरिकों की भागीदारी सुनिश्चित करने पर बल दिया गया

पहला स्तंभ प्रवर्तन, खुफिया जानकारी और अभियान है। दूसरा अग्रदूत रसायनों (प्रीकर्सर) और सिंथेटिक ड्रग्स पर नियंत्रण है। तीसरा मांग में कमी और नुकसान की रोकथाम और चौथा स्तंभ क्षमता निर्माण, समन्वय और निगरानी है। उन्होंने कहा कि यह रोडमैप समग्र सरकार और समग्र समाज दृष्टिकोण पर आधारित है। इसमें प्रत्येक नागरिक की भागीदारी सुनिश्चित करने पर बल दिया गया है। इसके लिए केंद्र और राज्य सरकारों के सभी विभागों के सचिवों की महत्वपूर्ण भूमिका होगी, ताकि नागरिकों को इस अभियान से जोड़कर इसके उद्देश्यों को सफल बनाया जा सके।

भारत-अमेरिका ट्रेड डील के 'बहुत करीब': पीयूष गोयल

नई दिल्ली। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने गुरुवार को लंदन में में कहा कि अमेरिका के साथ ट्रेड डील तब तक लागू नहीं होगी, जब तक भारत को प्रतिस्पर्धी देशों के मुकाबले टैरिफ लाभ नहीं मिलता। हालांकि, गोयल ने यह कहा कि भारत और अमेरिका ट्रेड डील 'बहुत करीब' है, लेकिन भारत अपने प्रतिद्वंद्वियों के मुकाबले टैरिफ में बढ़त मिले बिना इस पर साइन नहीं करेगा। गोयल ने लंदन में आयोजित इंडिया ग्लोबल फोरम (आईजीएफ) यूके-इंडिया वीक को संबोधित करते हुए कहा कि अमेरिका के साथ ट्रेड डील पर आगे बढ़ने से पहले भारत इस पर स्पष्टता चाहता है कि मैन्युफैक्चरिंग के मामले में वह प्रतिस्पर्धा करने वाली दूसरी अर्थव्यवस्थाओं के मुकाबले अपनी बढ़त को कैसे बनाए रखेगा। उन्होंने कहा, "हमें यह पक्का करना है कि हमें उन देशों के मुकाबले कॉम्पिटिटिव फायदा मिले जो विकास के उसी चरण में हैं या जिनकी कॉस्ट स्ट्रक्चर भारत जैसी ही है। चाहे वह वियतनाम, थाईलैंड, फिलीपींस, इंडोनेशिया, मलेशिया, चीन हो, या बांग्लादेश, श्रीलंका और हमारे सभी पड़ोसी देश हों।"

हमें अपने पड़ोसियों के मुकाबले कम टैरिफ दिया जाए: भारत

इस बीच भारत-अमेरिका के बीच द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर यूएस-इंडिया स्ट्रैटेजिक पार्टनरशिप फोरम के प्रेसिडेंट और सीईओ मुकेश आघी कहते हैं, "ये मामला तकनीकी नहीं है। मुझे लगता है कि भारत का रुख यह रहा है कि 'हमें प्रेफरेंशियल टैरिफ चाहिए, यानी हमें अपने पड़ोसियों के मुकाबले कम टैरिफ दिया जाए क्योंकि इससे हम ज्यादा कॉम्पिटिटिव (प्रतिस्पर्धी) बन जाते हैं। उन्होंने कहा कि बात 10 फीसदी या 20 फीसदी की नहीं है, बल्कि असल बात पड़ोसियों से कम टैरिफ पाने की भी है। यह एक राजनीतिक मुद्दा भी बन गया है, क्योंकि अभी भारत पर टैरिफ 12.5 फीसदी है और पाकिस्तान पर 10 फीसदी। भारत का कोई भी राजनीतिक दल या नेता इसे स्वीकार नहीं करेगा, क्योंकि इससे मूल रूप से उन्हें चुनाव में हार का सामना करना पड़ सकता है। यूएस-इंडिया स्ट्रैटेजिक पार्टनरशिप फोरम के प्रेसिडेंट और सीईओ मुकेश आघी ने आगे कहा कि इसलिए, इस मसले को सुलझाना होगा। उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि यहीं पर ट्रंप प्रशासन विचार-विमर्श करेगा।

'बगावत नहीं यह गद्दारी है', 50 करोड़ में बिके सांसद: शिवसेना-यूबीटी में टूट पर भड़के राउत

मुंबई/एजेंसी
शिवसेना-यूबीटी में बड़ी हलचल मची है। पार्टी के छह सांसद एकनाथ शिंदे गुट में शामिल हो गए हैं। इस पर सांसद संजय राउत ने बहुत तीखा हमला बोला है। राउत ने कहा कि देश के लिए लड़ने वाले भगत सिंह बागी थे। वीर सावरकर, राजगुरु, सुखदेव और अशफाकउल्ला खान बागी थे। वे गद्दार नहीं थे। राउत ने पूछा कि क्या कोई 50 करोड़ रुपये के लिए बागी बनता है? उन्होंने साफ कहा कि इन लोगों ने पार्टी और जनता को धोखा दिया है। इसलिए ये गद्दार हैं।

आदित्य ठाकरे संभालेंगे कमान, उद्धव करेंगे दौरा
पार्टी में टूट के बाद भी संजय राउत का हौसला बुलंद है। उन्होंने कहा कि शिवसेना (यूबीटी) आज भी मजबूत है। अब युवाओं को आगे आना चाहिए। राउत ने कहा कि आदित्य ठाकरे के पास नेतृत्व करने की पूरी क्षमता है। वह आगे आकर पार्टी की कमान संभालेंगे। हम सब इसका स्वागत करेंगे। बागी सांसदों को घेरने के लिए उद्धव ठाकरे खुद मैदान में उतर रहे हैं। वह उन सभी छह सांसदों के क्षेत्रों का दौरा करेंगे। राउत ने कहा कि सांसद पैसों और सत्ता के लिए बिक गए। लेकिन पार्टी के असली कार्यकर्ता आज भी उद्धव ठाकरे के साथ हैं।
राउत ने चुनौती दी कि सुरक्षा मिलने से हौसला नहीं बढ़ता, जनता के बीच आकर दिखाएं। संजय राउत ने भाजपा और शिंदे गुट पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि नेता सिर्फ पैसे और जांच एजेंसियों के डर से भाग रहे हैं।

4 1

नशा मुक्त समाज के निर्माण हेतु सामूहिक संकल्प आवश्यक- अजितेश मिश्रा

जिला कारागार कौशाम्बी में आयोजित हुआ विधिक साक्षरता एवं जागरूकता शिविर

सबसे तेज प्रयागराज
कौशांबी। शुक्रवार को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण जनपद न्यायालय कौशाम्बी के तत्वाधान में जिला कारागार जनपद कौशाम्बी में नशीली दवाओं के दुरुपयोग और अवैध तस्करी के खिलाफ 26 जून अंतर्राष्ट्रीय दिवस के अवसर पर साक्षरता एवं जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया।
इस अवसर पर जेल अधीक्षक अजितेश मिश्रा के द्वारा जेल में मौजूद बंदियों को नशीले पदार्थों के दुष्प्रभावों तथा इनके अवैध व्यापार से होने वाली सामाजिक, आर्थिक एवं स्वास्थ्य संबंधी हानियों के प्रति जागरूक किया गया। तथा यह भी कहा गया कि अगर आपको कोई नशे का सेवन करने के लिए कहे तो आप तुरंत वहां से हट कर अपने आप को किसी अन्य कार्य जैसे पढ़ाई, खेलकूद, घर का कार्य, पानी पीना आदि कर लेना चाहिए जिससे आपकी नशा करने की लत भी छूट जाएगी और आप कार्य भी पूरा हो जाएगा। प्रशासन ने बंदियों से अपील की कि यदि कहीं भी नशीले पदार्थों के अवैध कारोबार या तस्करी की जानकारी मिले तो इसकी सूचना तत्काल संबंधित विभाग या पुलिस को दें, ताकि समाज को नशामुक्त बनाने की दिशा में प्रभावी कार्रवाई की जा सके। चीफ लीगल एंड डिफेंस काउंसिल अमित मिश्रा ने कहा कि नशा व्यक्ति, परिवार और समाज–तीनों के लिए घातक है। युवाओं को नशे से दूर रखते हुए शिक्षा, खेल, कौशल विकास और सकारात्मक गतिविधियों से जोड़ना समय की आवश्यकता है। सभी बंदियों से नशा मुक्त समाज के निर्माण में सक्रिय सहयोग देने का आह्वान किया गया। और कहा कि नशे पर अत्यधिक खर्च होने से आर्थिक स्थिति

खराब होती है, कर्ज बढ़ सकता है और रोजगार प्रभावित हो सकता है।
शिक्षा एवं करियर पर असर झ विद्यार्थियों की पढ़ाई प्रभावित होती है, जबकि नौकरीपेशा लोगों की कार्यक्षमता घटती है और नौकरी जाने का खतरा बढ़ जाता है।
नशे की लत चोरी, हिंसा, सड़क दुर्घटनाओं और अन्य अपराधों की संभावना बढ़ा सकती है।
व्यक्ति का समाज में सम्मान कम होता है और सामाजिक संबंध कमजोर पड़ जाते हैं।
नशे की लत की वजह से युवाओं की प्रतिभा, शिक्षा, करियर और जीवन के लक्ष्यों को गंभीर रूप से नुकसान पहुँचा सकती है।
पी एल वी अमरदीप दिवाकर ने अपनी बात रखते हुए कहा कि नियमित नशे के सेवन की वजह से आपके स्वास्थ्य पर इसका बुरा दुष्प्रभाव पड़ सकता है जैसे झ हृदय, फेफड़े, लीवर, किडनी और मस्तिष्क को गंभीर नुकसान हो सकता है। मानसिक रोग, अवसाद और चिंता जैसी समस्याएँ भी बढ़ती हैं। याददाश्त कमजोर होना, निर्णय लेने की क्षमता घटना, चिड़चिड़ापन, तनाव और आत्महत्या का जोखिम बढ़ सकता है।
साथ ही पारिवारिक समस्याएँ जैसे परिवार में विवाद, घरेलू हिंसा, विश्वास की कमी और रिश्तों में टूटन आ सकती है। और परिवार को समस्याओं का सामना भी करना पड़ सकता है।
इसलिए नशा जीवन नहीं, विनाश का रास्ता है, स्वस्थ और सफल जीवन के लिए नशे से दूर रहें तथा दूसरों को भी इसके प्रति जागरूक करें।
इस अवसर पर उपस्थित सभी बंदियों को नशीले पदार्थों के सेवन से दूर रहने तथा नशा मुक्त भारत बनाने की शपथ भी दिलवाई गई।
कार्यक्रम का संचालन पी एल वी अमरदीप दिवाकर ने तथा धन्यवाद ज्ञापन पी एल वी निलेश कुमार ने दिया।
इस अवसर पर जेल अधीक्षक कौशाम्बी अजितेश मिश्रा, चीफ लीगल एंड डिफेंस काउंसिल अमित मिश्रा, जेलर राजेश राय, डिप्टी जेलर चंद्रावती, कुंती दोहरे सदानंद सिंह एवं पैरा लीगल वालंटियर अमरदीप दिवाकर एवं निलेश कुमार सहित समस्त बंदी मौजूद रहे।

करारी पुलिस द्वारा पीड़िता को सकुशल बरामद करते हुये अभियुक्त को किया गिरफ्तार

सबसे तेज प्रयागराज
कौशांबी। दो दिन पहले थाना करारी पर वादिनी द्वारा सूचना दी गयी कि मेरी पुत्री को आरोपी फैजान बहला फुसला कर भगा ले गया है । प्राप्त तहरीर के आधार पर थाना करारी में तत्काल सुसंगत धाराओं मे अभियोग पंजीकृत किया गया था । पीड़िता को सकुशल बरामद कर लिया गया है । उपरोक्त क्रम में शुक्रवार को थाना करारी पुलिस टीम द्वारा कार्यवाही करते हुए सर्विलांस/सीडीआर की मदद से मुखबिर खास की सूचना के आधार पर मुकदमा उपरोक्त से सम्बन्धित वांछित अभियुक्त फैजान कुजडा पुत्र लाला निवासी मोहल्ला किंग नगर कस्बा व थाना करारी जनपद कौशाम्बी को गिरफ्तार किया गया है ।

एण्टीरोमियो टीम द्वारा महिलाओं बालिकाओं को किया गया जागरूक

सबसे तेज प्रयागराज
फतेहपुर । एसपी अभिमन्यु मांगलिक के निर्देशन में उत्तर प्रदेश शासन द्वारा संचालित अभियान 'मिशन शक्ति अभियान के फेज-5.0 के द्वितीय चरण' के तहत महिला सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलंबन सुनिश्चित करने व महिलाओं की सुरक्षा के प्रभावी क्रियान्वयन के उद्देश्य से जनपद के सभी थानों द्वारा महिला सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलंबन के उद्देश्य से जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया गया तथा ग्राम चौपाल लगाकर समस्याओं के त्वरित एवं विधिपूर्ण निस्तारण हेतु ग्रामीणों से संवाद कर जागरुक किया गया ।
शुक्रवार को अभियान के अंतर्गत सभी थानों की मिशन शक्ति / एंटीरोमियो टीमों द्वारा बाजारों, सार्वजनिक स्थलों पर जाकर बालिकाओं, महिलाओं एवं आमजन को मिशन शक्ति 5.0 अभियान के द्वितीय चरण के तहत जानकारी दी गई, साथ ही महिलाओं के प्रति अपराधों की रोकथाम व उनके अधिकारों की रक्षा एवं आत्मरक्षा के उपायों के संबंध में विस्तार से जानकारी प्रदान की गई । कार्यक्रमों के दौरान प्रतिभागियों को महिला हेल्पलाइन 1090, आपातकालीन सेवा 112, चिकित्सा सहायता 108, बाल सहायता नंबर 1098, साइबर हेल्पलाइन 1930 तथा cybercrime.gov.in पोर्टल की जानकारी देकर इन सेवाओं के उपयोग के लिए प्रेरित किया गया ।

कौशांबी : कोखराज टोल प्लाजा पर एलपीजी गैस टैंकर में लगी आग, एक की मौत, दर्जनों झुलसे

दर्जनों बाइक चार पहिया गाड़ी टोल प्लाजा के तीन जनरेटर सहित एक करोड़ की संपत्ति जलकर खाक

सबसे तेज प्रयागराज
कौशाम्बी। कोखराज बाईपास स्थित टोल प्लाजा पर शुक्रवार करीब 6:30 बजे एलपीजी गैस से भरा टैंकर डिवाइडर से टकराने के बाद आग का गोला बन गया। हादसे में टोल प्लाजा पर तैनात 7 कर्मचारी सहित दर्जनों लोग झुलस गए। आग की ऊंची लपटों से टोल के 3 बूथ जनरेटर दर्जनों बाइक कई चार पहिया गाड़ी पूरी तरह जलकर राख हो गए।
प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार,कानपुर की ओर से बनारस कोलकाता की ओर जा रहा गैस टैंकर अचानक अनियंत्रित होकर टोल की लेन-3 के डिवाइडर से टकरा गया। टक्कर से गैस का रिसाव शुरू हुआ और कुछ ही सेकंड में टैंकर ने भीषण आग पकड़ ली। आग फैलते ही टोल पर अफरा-तफरी मच गई। चीख-पुकार के बीच कर्मचारी जान बचाकर भागे। टैंकर में आग लग जाने के बाद टैंकर के चालक ने भी कूद कर जान बचाई है सूचना पर कोखराज मंझनपुर व भरवारी से दमकल की 5 गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। सीओ सिराथू और थाना प्रभारी कोखराज पुलिस फोर्स के साथ मौके पर पहुंचे। करीब दो घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद बिकराल आग पर काबू पाया जा सका। इस दौरान राष्ट्रीय राजमार्ग 19 पर दोनों ओर 5 किमी लंबा जाम लग गया सभी झुलसे घायलों को पहले नजदीकी सीएचसी ले जाया गया,जहां से 4 गंभीर हालत वाले कर्मियों को जिला अस्पताल मंझनपुर रेफर कर दिया गया। कुछ घायलों की हालत ज्यादा गंभीर होने पर स्वरूप रानी नेहरू चिकित्सालय प्रयागराज रेफर कर दिया गया है।
घायलों में राजेश उम्र 32 वर्ष वा सोनू उम्र 28 वर्ष वा अरविंद उम्र 35 वर्ष वा पिंटू उम्र 30 वर्ष वा मुकेश उम्र 29 वर्ष वा रामबाबू उम्र 40 वर्ष वा जितेंद्र उम्र 26 वर्ष सभी कोखराज क्षेत्र के निवासी वा हीरामणि सिंह उम्र 29वर्ष पुत्र विरेंद्र बहादुर सिंह निवासी राजापुर कुंवर मऊ सलोन नसीराबाद रायबरेली वा आलोक सिंह उम्र 27 वर्ष पुत्र अर्जुन सिंह निवासी पूरे भदोरियन थाना सलोन जनपद रायबरेली वा अतुल कुमार मिश्रा उम्र 30 वर्ष पुत्र रामायण मिश्रा निवासी वार्ड नंबर 15 नियर हैंड पंप गोरेहटा भरासियन टोला रीवा मध्य प्रदेश वा कृष्णपाल मौर्य उम्र 23 वर्ष पुत्र पुष्पराज मौर्य निवासी में रोड बासी ललितपुर वा अनिल पुत्र रामकुमार सिंह निवासी जराऊं बिझऊनियापुर थाना हंडिया जनपद प्रयागराज इन सभी घायलों को स्वरूप रानी नेहरू अस्पताल प्रयागराज रेफर कर दिया गया है जिसमें हीरामणि सिंह आलोक सिंह और अनिल इनकी हालत गंभीर है बताया जाता है कि टैंकर खलासी के जल जाने से उसकी दर्दनाक मौत हो गई हालांकि टैंकर खलासी का नाम पता नहीं मिल सका है उसकी मौत की पुष्टि नहीं हुई है।
सीओ सिराथू ने बताया कि टैंकर चालक मौके से फरार है। टैंकर को कब्जे में लेकर चालक की तलाश की जा रही है। प्रथम दृष्टया चालक को झपकी आने से हादसा होना माना जा रहा है। गनीमत रही कि टैंकर में ब्लास्ट नहीं हुआ,वरना जान-माल का भारी नुकसान हो सकता था।मौके पर सीओ सिराथू सतेंद्र तिवारी व प्रभारी निरीक्षक कोखराज चन्द्र भूषण मौर्य की पुलिस टीम राहत व बचाव में लगी रही फिलहाल टोल प्लाजा पर यातायात बहाल कर दिया गया है। आग से टोल को लाखों के नुकसान का अनुमान है।
वहीं घटना की जानकारी मिलते ही कप्तान सत्यनारायण कोखराज टोल प्लाजा पर पहुंचकर घटनास्थल का निरीक्षण किया।

नए आपराधिक कानूनों के प्रति जागरूकता अभियान चलाकर महिलाओं एवं बालिकाओं को किया जागरूक

सबसे तेज प्रयागराज
कौशांबी। पुलिस अधीक्षक सत्यनारायण के निर्देशन, अपर पुलिस अधीक्षक कौशाम्बी के पर्यवेक्षण तथा संबंधित क्षेत्राधिकारियों एवं थाना प्रभारियों के कुशल नेतृत्व में शुक्रवार को जनपद के विभिन्न थाना क्षेत्रों में मिशन शक्ति अभियान फेज-5.0, साइबर जागरूकता अभियान एवं नए आपराधिक कानूनों के प्रति जागरूकता अभियान चलाया गया।
अभियान के दौरान महिलाओं एवं बालिकाओं को नए आपराधिक कानूनों, साइबर अपराधों से बचाव के उपाय, ऑनलाइन धोखाधड़ी से सतर्क रहने के तरीके तथा महिला सुरक्षा एवं सशक्तिकरण से

संबंधित शासन द्वारा संचालित योजनाओं एवं सेवाओं की विस्तृत जानकारी दी गई।
साथ ही महिला हेल्प डेस्क, एंटी रोमियो टीम तथा विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों के बारे में भी जागरूक किया गया।
जागरूकता अभियान के दौरान महिलाओं एवं बालिकाओं को 112 (पुलिस आपातकालीन सेवा), 1076 (मुख्यमंत्री हेल्पलाइन), 1090 (वीमेन पावर हेल्पलाइन), 181 (महिला हेल्पलाइन), 1098 (चाइल्ड हेल्पलाइन), 102 (स्वास्थ्य सेवा), 1930 (साइबर अपराध हेल्पलाइन) सहित संबंधित थानों के सीयूजी नंबरों की जानकारी देकर आवश्यकता पड़ने पर तत्काल सहायता प्राप्त करने हेतु प्रेरित किया गया।
जनपद कौशाम्बी पुलिस महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान एवं सशक्तिकरण के लिए निरंतर जनजागरूकता अभियान संचालित कर रही है तथा आमजन से किसी भी आपात स्थिति अथवा अपराध की सूचना तत्काल संबंधित हेल्पलाइन अथवा निकटतम पुलिस थाना को देने की अपील करती है।

नंबर प्लेट पर कालिख पोतने और तेज रफ्तार पर परिवहन विभाग ने कार्रवाई करते हुए 12 डंपरों के चालान काटे

संजीव विश्वकर्मा
सबसे तेज प्रयागराज
बिजनौर में परिवहन विभाग ने उत्तर प्रदेश-उत्तराखंड सीमा पर रेहड़ क्षेत्र में बड़ी कार्रवाई की। विभाग की टीम ने चेकिंग अभियान चलाकर 12 डंपरों के चालान काटे। यह कार्रवाई नंबर प्लेट पर कालिख पोतने और तेज रफ्तार से वाहन चलाने की शिकायतों के बाद की गई।
सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी (एआरटीओ) महेश शर्मा को लगातार शिकायतें मिल रही थीं। इन शिकायतों मेंबताया गया था कि रेहड़ बॉर्डर की ओर खनन के डंपर तेज गति से चलते हैं। साथ ही,

वे अपनी नंबर प्लेट पर कालिख पोतकर या बिना नंबर प्लेट लगाए वाहनों का संचालन करते हैं। नंबर प्लेट पर कालिख पोतने या उनके न होने से दुर्घटना की स्थिति में वाहनों का नंबर ट्रेस करना मुश्किल हो जाता है। इसी समस्या को देखते हुए एआरटीओ शर्मा ने पीटीओ मुन्ना लाल को रेहड़ क्षेत्र में बिना नंबर प्लेट वाले वाहनों के खिलाफ कार्रवाई करने का निर्देश दिया था।निर्देश के बाद परिवहन विभाग की टीम ने डंपरों को सावधानी पूर्वक रोका।
इस दौरान कई डंपर चालक अपने वाहनों को बॉर्डर के दूसरी तरफ छिपाने का प्रयास करने लगे, लेकिन टीम ने सतर्कता बरतते हुए उन्हें रोक लिया। इस अभियान के तहत कुल 12 डंपरों के चालान किए गए। विभाग ने चालकों को हाई सिक्योरिटी रजिस्ट्रेशन प्लेट (HSRP) लगवाने के लिए जागरूक करने का प्रयास भी किया।

मारपीट करने वाला तमंचा के साथ गिरफ्तार

सबसे तेज प्रयागराज
फतेहपुर। पुलिस अधीक्षक फतेहपुर अभिमन्यु मांगलिक के निर्देशन में वांछित/वारण्टियों की गिरफ्तारी व अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में शुक्रवार को वांछित अभियुक्तों की गिरफ्तारी के क्रम में थाना ललौली पुलिस टीम द्वारा मारपीट से संबंधित अभियुक्त पप्पू उर्फ रामप्रकाश पुत्र श्रीपाल उर्फ जगनन्दन निषाद निवासी ग्राम शंकरपुर, थाना ललौली, जनपद फतेहपुर, उम्र करीब 43 वर्ष को गिरफ्तार किया गया। तलाशी के दौरान अभियुक्त के कब्जे से एक अदद नाजायज तमंचा .315 बोर एवं दो अदद जिन्दा कारतूस .315 बोर बरामद हुए।

घर में मिला महिला का सड़ा-गला शव तेज बदबू आने पर लोगों को हुआ शक अकेले रहती थी

सबसे तेज प्रयागराज
बिजनौर! शेरकोट थाना क्षेत्र में एक मकान से 35 वर्षीय महिला का सड़ा-गला शव बरामद होने से हड़कंप मच गया। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

यह घटना शेरकोट थाना क्षेत्र के मोहल्ला हकीमान की है। स्थानीय लोगों को एक बंद मकान से तेज दुर्गंध आने पर शक हुआ, जिसके बाद उन्होंने पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर घर का दरवाजा तोड़ा। घर के अंदर बिस्तर पर औंधे मुंह पड़ी महिला का शव मिला, जो काफी हद तक सड़-गल चुका था। इससे अनुमान लगाया जा रहा है कि महिला की मौत कई दिन पहले हुई थी। मृतका की पहचान 35 वर्षीय आसिमा जहां पत्नी स्वर्गीय नईम के रूप में हुई है।
बताया जा रहा है कि आसिमा जहां घर में अकेली रहती थीं। उनके पति नईम का निधन लगभग नौ महीने पहले हो गया था। कई दिनों से महिला दिखाई नहीं दे रही थी, जिसके कारण पड़ोसियों को संदेह हुआ। घटना की जानकारी मिलते ही शेरकोट थाना पुलिस के साथ फोरेंसिक टीम भी मौके पर पहुंची। टीम ने घटनास्थल से आवश्यक साक्ष्य एकत्र किए।
पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है ताकि मौत के सही कारणों का पता चल सके। फिलहाल, पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए मामले की गहन जांच कर रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही महिला की मौत के कारणों का स्पष्ट खुलासा हो पाएगा।

मोहर्रम का जुलूस शांतिपूर्ण संपन्न हजरत इमाम हुसैन और कर्बला के शहीदों की कुबार्नी की याद में निकाला

सबसे तेज प्रयागराज
बिजनौर। शुक्रवार को मोहर्रम का जुलूस शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ। यह जुलूस हजरत इमाम हुसैन और कर्बला के शहीदों की कुबार्नी की याद में निकाला गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में अकीदतमंदों ने भाग लिया और शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की। सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे।
मोहर्रम की दसवीं तारीख पर बिजनौर जिले के विभिन्न क्षेत्रोंमें जुलूस निकाले गए। इनमें हजारों की संख्या में समुदाय के लोग शामिल हुए। बिजनौर शहर के अलावा नहटौर, नूरपुर, चांदपुर, किरतपुर, शेरकोट और धामपुर स्योहारा सहित कई स्थानों पर जुलूस शांतिपूर्वक संपन्न

हुए। जिसमें बड़ी संख्या में लोग 'या हुसैन, या हुसैन' के नारे लगाते हुए और मातम करते हुए आगे बढ़े।
यह जुलूस कर्बला पहुंचकर समाप्त हुआ। इस दौरान सुरक्षा व्यवस्था के पुख्ता इंतजाम किए गए थे। किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए जिले भर में बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात रहा।
इस मौके पर सारिक जैदी ने बताया, 'आज का दिन योमे आशूर है, जो मोहम्मद साहब के नवासे हजरत इमाम हुसैन की शहादत का दिन है। कर्बला में उन्होंने 72 साथियों के साथ सच्चाई के लिए लड़ते हुए अपनी शहादत दी थी।इसी याद में बुखारा से अंजुमन जुलूस निकाल रही है। इस अवसर पर सभी 'लब्बैक या हुसैन' के नारे लगा रहे हैं।'
उन्होंने यह भी बताया कि मजलिस को मौलाना ताहिर साहब ने खिताब किया और जुलूस परंपरागत रास्तों से होते हुए कर्बला में समाप्त होगा।

मोहर्रम पर्व : एसपी द्वारा कस्बा मूरतगंज एवं महगांव में भ्रमण कर सुरक्षा व्यवस्था का लिया जायजा

सबसे तेज प्रयागराज
कौशांबी। शुक्रवार को मोहर्रम पर्व के दृष्टिगत जनपद में निकल रहे ताजिया एवं अन्य जुलूसों को शांतिपूर्ण, सौहार्दपूर्ण एवं सकुशल वातावरण में संपन्न कराए जाने हेतु व्यापक पुलिस व्यवस्था सुनिश्चित की गई है।

इसी क्रम में पुलिस अधीक्षक सत्यनारायण द्वारा कस्बा मूरतगंज एवं कस्बा महगांव में भ्रमण कर मोहर्रम जुलूस का निरीक्षण किया गया। इस दौरान उन्होंने सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लेते हुए ड्यूटी पर तैनात पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों को सतर्कता एवं संवेदनशीलता के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करने के निर्देश दिए।
एसपी ने अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्देशित किया कि जुलूस मार्ग पर सतत निगरानी बनाए रखें, अराजक तत्वों पर कड़ी नजर रखें तथा किसी भी स्थिति में कानून एवं शांति व्यवस्था प्रभावित न होने दें। साथ ही आमजन से भी आपसी भाईचारा, सौहार्द एवं शांति बनाए रखते हुए पर्व को सकुशल संपन्न कराने में पुलिस प्रशासन का सहयोग करने की अपील की।
जनपद कौशाम्बी पुलिस मोहर्रम पर्व को सकुशल एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने हेतु पूरी तरह सतर्क एवं प्रतिबद्ध है।

लाइसेंसी बंदूक से बेटे की हत्या, बहू को गोली मारने वाला आरोपी गिरफ्तार

बिंदकी पुलिस ने हत्या के आरोपी को दबोचा, आलाकत्ल समेत कारतूस बरामद

हनुमान प्रसाद शुक्ल
फतेहपुर। बिंदकी थाना पुलिस ने हत्या के मामले में वांछित चल रहे आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपी की निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त लाइसेंसी डीबीबीएल (DBBL) बंदूक, दो खोखा कारतूस तथा एक जिंदा 12 बोर कारतूस भी बरामद किया है।
पुलिस के अनुसार, जाफरगंज थाना क्षेत्र के टरुआपुर निवासी प्रदीप कुमार ने 24 जून को बिंदकी थाने में तहरीर देकर बताया था कि सीतापुर गांव निवासी रामविलाश उर्फ रामखेलावन ने घरेलू विवाद के दौरान अपनी लाइसेंसी बंदूक से उसके बहनोई अवनीश और बहन प्रियंका को गोली मार दी थी। दोनों को गंभीर हालत में अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने अवनीश को मृत घोषित कर दिया, जबकि प्रियंका का उपचार जारी है। इस मामले में थाना बिंदकी में बीएनएस की धारा 103(1), 109 एवं 61(2) के तहत मुकदमा दर्ज किया गया।
पुलिस अधीक्षक अभिमन्यु मांगलिक के निर्देशन में चलाए जा रहे अभियान के तहत अपर पुलिस अधीक्षक के मार्गदर्शन

एवं क्षेत्राधिकारी बिंदकी के पर्यवेक्षण में शुक्रवार को मुखबिर की सूचना पर बिंदकी बस स्टैंड से आरोपी रामविलाश उर्फ रामखेलावन (65) निवासी सीतापुर को गिरफ्तार कर लिया गया। विवेचना के दौरान घटना में प्रयुक्त हथियार की बरामदगी के आधार पर मुकदमे में आर्म्स एक्ट की धारा 30 भी बढ़ाई गई है।
पूछताछ में आरोपी ने पुलिस को बताया कि बेटे अवनीश और बहू के साथ उसका लंबे समय से पारिवारिक विवाद चल रहा था। कुछ दिन पहले उसकी पत्नी का पैर फ्रैक्चर हो गया था, लेकिन बेटे-बहू ने देखभाल और इलाज में सहयोग नहीं किया। 24 जून को इसी बात को लेकर हुए विवाद के दौरान गुस्से में उसने अपनी लाइसेंसी बंदूक से दोनों पर फायर कर दिया। बाद में उसे पता चला कि इलाज के दौरान बेटे की मौत हो गई। घटना के बाद वह बंदूक घर में छिपाकर साइकिल से फरार हो गया था और गिरफ्तारी से बचने के लिए रिश्तेदार के यहां जा रहा था, तभी पुलिस ने उसे पकड़ लिया। गिरफ्तारी करने वाली टीम में प्रभारी निरीक्षक दिनेश कुमार मिश्र, कांस्टेबल राम कुमार, रिजर्व कांस्टेबल शिवशंकर झा, महिला रिजर्व कांस्टेबल प्रियांशी एवं महिला रिजर्व कांस्टेबल दीपिका पटेल शामिल रहीं।

लोकतंत्र सेनानियों ने कांग्रेस की जड़ उखाड़ने का काम किया: एके शर्मा

राम मंदिर दान चोरी मामला अक्षम्य अपराध : एके शर्मा

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। आपातकाल को लेकर भाजपा काशी क्षेत्र के तत्वाधान में संविधान हत्या दिवस पर संगोष्ठी का आयोजन शुक्रवार को जिला पंचायत सभागार में किया गया। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि प्रदेश के नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री एके शर्मा ने कहा कि जिन लोकतंत्र सेनानियों के कारण हमारा संविधान लोकतंत्र बचा है उनको प्रणाम है। उनका योगदान पीढ़ियों तक याद रखा जाएगा। जब हमारे संविधान लोकतंत्र पर खतरा आया था तो हमारे ही लोग उसके विरोध में खड़े हुए। कांग्रेस ने संविधान की हत्या की। लोगों को रात में उनके घर से पुलिस ने उठा लिया था। जेल में यातनाएं दी गई। जबरदस्ती नसबंदी की गई। आम नागरिकों का उत्पीड़न हुआ और कांग्रेस के खिलाफ जनता में रोष उत्पन्न हुआ। विश्व के इतिहास में ऐसे कम उदाहरण मिलते हैं कि अपने ही देश की सरकार अपने ही देश की जनता का इतना उत्पीड़न कर सकती हैं। 1947 से 75 तक के कांग्रेस शासनकाल में देश की बबार्दी हुई। देश की न्यायपालिका व तत्कालीन जस्टिस जगमोहन सिन्हा को नमन है बहादुरी को सलाम है कि उन्होंने इंदिरा गांधी के चुनाव को रद्द कर दिया था। प्रयाग त्याग बलिदान पुण्य और प्रतापी लोगों की धरती रही है। कांग्रेसी जिस संविधान को लेकर चलते हैं उनमें पन्ने नहीं सिर्फ ऊपर नीचे दफ्तियां होती हैं। कांग्रेस के शासनकाल में न जाने कितनी बार गर्वनर बर्खास्त किये गये। संविधान की हत्या करने वाले आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से संविधान बचाने का सवाल पूछते हैं। पीएम मोदी ने देश हित में संविधान संशोधन किया। सबसे बड़े संविधान के हत्यारे कांग्रेस के लोग हैं हमें ये बात नहीं भूलना। 1975 से 1980 तक राजनैतिक संक्रमण का काल था। इलाहाबाद विश्वविद्यालय में 1980 में प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के आगमन पर छात्रों ने जबरदस्त विरोध किया था। प्रधानमंत्री बनने के बाद भी उनकी स्वीकरोक्ति देश में नहीं थी। देश के दिमाग में ये बैठ गया था ये संविधान के हत्यारे हैं। उस समय देश ने एक मजबूत विपक्ष की आवश्यकता महसूस की और फिर उत्पत्ति हुई भारतीय जनता पार्टी की। जहां जहां भी भाजपा की सरकार है और रही हैं वहां कभी

संवैधानिक व्यवस्था से छेड़छाड़ नहीं हुई। सिर्फ 46 साल की यात्रा में हम आज विश्व की सबसे बड़ी पार्टी हैं। आजादी की लड़ाई में चंद्र शेखर आजाद, सुभाष चंद्र बोस, भगत सिंह जैसे तमाम लोगों ने बलिदान दिया लेकिन कॉन्ग्रेस ने इसका श्रेय लेने का प्रयास किया। 2024 के लोकसभा चुनाव में संविधान के हत्यारे कॉन्ग्रेस, सपा के लोगों ने आरक्षण व संविधान खत्म करने का झूठ फैलाया और अब फिर आने वाले चुनाव में ये फिर वही षडयंत्र करेंगे जिससे हमें सावधान रहना है। लोकतंत्र सेनानियों ने कांग्रेस की जड़ उखाड़ने का काम किया।

जल निकासी के उचित निर्देश दिये गये। राम मंदिर दान चोरी मामला अक्षम्य मामला

मीडिया से औपचारिक बातचीत में कैबिनेट मंत्री एके शर्मा ने कहा कि बारिश में जल निकासी के लिए अधिकारियों को उचित निर्देश दिये गये हैं। महाकुंभ व माघमेला में जो अच्छे काम हुए हैं उन्हें हमें मेंटेन करके चलना है।

राम मंदिर दान चोरी मामले पर सवाल पूछे जाने पर एके शर्मा ने कहा कि श्री राम मंदिर हम सभी भारतीयों की आस्था से जुड़ा एक धाम है। प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री और हम सब सनातन के लोग राम को मानने वाले लोग हैं। मंदिर के प्रसाद को लोग जमीन पे भी नहीं गिरने देते। ऐसे में यदि मंदिर का कोई भी नुकसान कोई व्यक्ति करता है तो उसका अपराध अक्षम्य है और उसे सजा मिलनी चाहिए और मिलकर रहेगी।

लोकतंत्र सेनानियों का हुआ सम्मान

कार्यक्रम में कैबिनेट मंत्री एके शर्मा ने भाजपा काशी क्षेत्र के 7 जिलों (प्रयागराज महानगर, गंगापार, यमुनापार, कौशांबी, सुल्तानपुर, अमेठी व प्रतापगढ़) से आये 40 लोकतंत्र सेनानियों का अंग वस्त्र पहनाकर व स्मृति पत्र देकर उनका सम्मान किया। भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष लोकतंत्र सेनानी नरेंद्र देव पांडेय, पूर्व विधायक लोकतंत्र सेनानी तेजभान सिंह, सुशील शुक्ला, राम बाबू केसरवानी, दिनेश चंद्र शुक्ला आदि लोकतंत्र सेनानी सम्मानित हुए। कार्यक्रम का संचालन भाजपा काशी क्षेत्र उपाध्यक्ष अवधेश चंद्र गुप्ता व अमरनाथ यादव ने किया। कार्यक्रम संयोजक विपुल मित्तल रहे।

महानगर अध्यक्ष संजय गुप्ता, गंगापार अध्यक्ष निर्मला पासवान, यमुनापार अध्यक्ष राजेश शुक्ल, प्रतापगढ़ अध्यक्ष आशीष श्रीवास्तव, कौशांबी अध्यक्ष धर्मराज मौर्य, महापौर गणेश केसरवानी, एमएलसी सुरेंद्र चौधरी, विधायक गुरु प्रसाद मौर्य ने कैबिनेट मंत्री का स्वागत अभिनंदन किया। प्रभा शंकर पांडेय, डॉ शैलेश पांडेय, अनुज कुशवाहा, आनंद सोनकर, रमेश पासी, विक्रम भदौरिया, विजय श्रीवास्तव, सचिन जायसवाल, दीप द्विवेदी, जिला सह मीडिया प्रभारी महानगर विवेक मिश्रा, जिला मीडिया प्रभारी गंगानगर उमेश तिवारी, पवन श्रीवास्तव, शुभम सिंह, सुजीत कुशवाहा, मोहित गुप्ता, प्रवीण भारती, विश्वास श्रीवास्तव आदि उपस्थित रहे।

सोराव कस्बे एवं आस पास गांव में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया मोहर्रम

मोहम्मद रिजवान सैफ खान

सबसे तेज प्रयागराज

सोरांव। कस्बे में शुक्रवार को बड़े ही धूम धाम से मोहर्रम मनाया गया आपको बता दें कि पैगम्बर मोहम्मद साहब के नवासे हजरत इमाम हुसैन और उनके 72 साथियों के शहादत की याद में मनाया जाता है मोहर्रम का त्यौहार जहां सोरांव कस्बे में ताज़िया के साथ जुलूस निकाला गया नौहा पढ़ते हुए मातम करते हुए लोग कर्बला की तरफ बढ़ते रहे जहां शाम लगभग 7 बजे फातिहा पढ़ कर जुलूस को समाप्त किया गया इसी तरह आस पास गांवों शिवगढ़ बाजार,कृपाल पुर,पसियापुर स्थित अन्य गांव में भी मोहर्रम मनाया गया इस सुरक्षा व्यवस्था के मद्दे नजर सोरांव थाना प्रभारी केशव वर्मा मय फोर्स मुस्तैद रहे सोरांव ग्राम प्रधान शाहिद अली,निजाम उद्दीन शेख शेरा,रईस नेता,सलमान शेख,फैजान खान कफील खान अरमान एडवोकेट,अंजुम प्रधान, हाफिज इलियास,मुर्शिद अहमद,सहित सैकड़ों की संख्याएं में लोग उपस्थित रहे।

जार्जटाउन पुलिस ने 25 हजार का इनामी गैंगस्टर बदमाश पकड़ा

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। जार्जटाउन थाने की पुलिस ने 25 हजार रुपए के इनामी गैंगस्टर बदमाश को गिरफ्तार करने में कामयाबी हासिल की है। पुलिस ने बताया कि जार्ज टाउन थाने में धारा 2/3(1) उ0प्र0 गिरोहबन्द व समाज विरोधी क्रियाकलाप निवारण अधिनियम 1986 से सम्बन्धित वांछित अभियुक्त अम्बरीश त्रिपाठी है। यह ग्राम ककरा दुबावल थाना सरायइनायत जनपद प्रयागराज का निवासी है। इसको मुखबिर की सूचना पर ग्राम ककरा दुबावल थाना क्षेत्र सरायइनायत से गिरफ्तार किया गया। थाने में लिखापढ़ी करने के बाद इसे जेल भेज दिया गया।

ट्रेन की चपेट में आने से युवक की दर्दनाक मौत

सबसे तेज प्रयागराज

कौशाम्बी। संदीपन घाट थाना क्षेत्र अंतर्गत पैगम्बरपुर मलहरा गांव के पास शुक्रवार को रेलवे लाइन पर अंडरपास ओवरब्रिज के ऊपर एक दर्दनाक हादसे में एक युवक की ट्रेन की चपेट में आने से मौके पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही क्षेत्र में सनसनी फैल गई और बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर जुट गए।

जानकारी केअनुसार मृतक युवक की पहचान विनोद कुमार पटेल उर्फ ननकु उम्र 26 वर्ष पुत्र सुखलाल निवासी पिपरी नगर पंचायत चरवा थाना चरवा के रूप में हुई है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार,युवक ट्रेन की चपेट में आ गया,जिससे उसकी घटनास्थल पर ही दर्दनाक मौत हो गई। हादसे की जानकारी ग्रामीणों ने तत्काल डायल-112 पुलिस को दी। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और इसके बाद संदीपन घाट थाना पुलिस को घटना की जानकारी दी गई।मौके पर पहुंची संदीपन घाट थाना पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भरने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है मृतक की शादी अभी नही हुई हैं दो भाई है। दोनो भाईयो की अभी शादी नहीं हुई है। ये मृतक छोटा है बड़े भाई का नाम प्रमोद है मौत के बाद परिवार में कोहराम मचा हुआ है।

भैंस व मोटर तार चोरी करने वाले बदमाशों के साथ पुलिस मुठभेड़, एक बदमाश घायल

2 शातिर गिरफ्तार, तमंचा, कारतूस, मोटर का कॉपर तार, बाइक, ताला व मोटर तोडने वाले औजार बरामद

हनुमान प्रसाद शुक्ल

बुलंदशहर। अरनिया थाने की पुलिस व स्वाट टीम देहात की बीती रात क्यौली किनुआ अंडरपास के पास शातिर बदमाशों से मुठभेड़ हो गई। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में एक बदमाश घायल हो गया। प्राथमिक उपचार के बाद अपने साथी समेत पुलिस के हत्थे चढ़ गए।

पुलिस के अनुसार, बीती रात संदिग्ध व्यक्ति, वाहनों की चैकिंग कर रही थी तभी एक संदिग्ध बाइक पर सवार दो व्यक्ति आते दिखाई दिये। रूकने का इशारा किया गया, पर दोनों नही रुके। पुलिस टीम देखकर बाइक को तेजी से मोड़कर वापस चंडौस की तरफ भागने लगे। पुलिस टीम द्वारा बदमाशों का पीछा किया करने पर बम्बे की पटरी के पास कच्चे रास्ते पर बदमाशों की बाइक अनियंत्रित होकर फिसल गई। पुलिस से घिरता देख बदमाशों द्वारा पुलिस टीम पर जान से मारने की नियत से फायरिंग की गयी, पुलिस टीम द्वारा की गयी आत्मरक्षार्थ जवाबी फायरिंग में एक बदमाश पैर में गोली लगने से घायल हो गया। उसको एक अन्य साथी सहित गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार, घायल बदमाश की पहचान तालिब निवासी ग्राम शेरपुर बांगर थाना अनूपशहर जनपद बुलंदशहर और जबरशेर निवासी ग्राम शेरपुर बांगर थाना अनूपशहर जनपद बुलंदशहर के रुप में हुई।बदमाशों के कब्जे से अवैध तमंचा,कारतूस, मोटर का कॉपर तार, घटना में प्रयुक्त बाइक, ताला व मोटर तोडने वाले औजार बरामद हुए हैं। पुलिस ने बताया कि दोनों बदमाश शातिर किस्म के अपराधी हैं। 16 अप्रैल को थाना अरनिया क्षेत्रान्तर्गत 4 भैंस चोरी करने की घटना की गई थी। इस संबंध में थाना अरनिया में धारा 303(2) बीएनएस पंजीकृत है। इसके अतिरिक्त 24 जून को थाना जहांगीराबाद क्षेत्र में दो मोटरों से कॉपर तार चोरी करने की घटना की गई थी। इस संबंध में थाना जहांगीराबाद में धारा 305 बीएनएस पंजीकृत है। अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु पुलिस द्वारा लगातार प्रयास किए जा रहे थे। बीती रात दोनों शातिर पुलिस के हत्थे चढ़ गए। पुलिस ने बताया कि दोनों बदमाश शातिर अपराधी हैं। इनके खिलाफ कई थानों में गंभीर धाराओं में कई मुकदमे दर्ज हैं।

बहरिया के नेवादा गांव में सांप्रदायिक माहौल बिगड़ने की कोशिश

मुहर्रम के जुलूस के दौरान मंदिर का चबूतरा और दीवार को क्षतिग्रस्त करने का आरोप

दोपहर से ही गर्म हो गया था माहौल

बहरिया। दुर्गा पूजा समिति ग्राम चौरा नेवादा के पदाधिकारी एवं सदस्यों ने पुलिस को तहरीर देकर आरोप लगाया है कि सोची समझी साजिश के तहत देवी चौरा का चबूतरा और दीवार क्षतिग्रस्त कर सांप्रदायिक माहौल बिगड़ने की साजिश रची गई थी। समिति के पंकज श्रीवास्तव, रामराज तिवारी, मुकेश शुक्ला आदि लोगों ने बताया कि बृहस्पतिवार की दोपहर में ही हिंदुओं के घर के सामने हरे और काले झंडे गाढ़ दिए गए थे। जिससे दिन से ही माहौल गर्म हो गया था। जिसकी सूचना पुलिस को दी गई थी। समिति ने देवी चौराहा की दीवाल व पिलर क्षतिग्रस्त करने और सांप्रदायिक माहौल खराब करने का आरोप लगाते हुए 20 लोगों के खिलाफ तहरीर दी है।

कौन है बिहार का अकीमुल हक और प्रतापगढ़ का मोहम्मद आरिफ बहरिया। ग्रामीणों ने बताया कि बिहार से एक मुस्लिम युवक अकीमुल हक और प्रतापगढ़ का मो आरिफ गांव वालों का सुख चैन छीन लिया है। वे मुख्यमंत्री को गाली देते हैं और यहां के मुस्लिम लड़कों को बरगलाते है। गांव में उन दोनों के आने से गांव का माहौल खराब हो रहा है। नतीजा सामने है। पहले दोनों वर्गों के लोग मिलजुल कर रहते थे।

बहरिया के नेवादा गांव में मुहर्रम के जुलूस के दौरान डीजे देवी चौरा मंदिर के चबूतरे पर चढ़ गया था। क्षतिग्रस्त हिस्से का मरमतीकारण करा दिया गया है। डीजे जान बूझकर या लापरवाही से चढ़ा इसकी जांच की जा रही है। माहौल शांतिपूर्ण है।

विवेक यादव, एसीपी फूलपुर

सबसे तेज प्रयागराज

बहरिया। थाना क्षेत्र के नेवादा गांव में देर रात मुहर्रम के जुलूस के दौरान डीजे से देवी चौरा मंदिर का चबूतरा और दीवार को क्षतिग्रस्त कर सांप्रदायिक माहौल खराब करने की कोशिश की गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने डीजे को अपने कब्जे में लेते हुए मौके से आधा दर्जन लोगों को गिरफ्तार किया है। तनाव को देखते हुए बड़ी संख्या में पुलिस और पीएसी के जवान गांव में तैनात कर दिए गए हैं। इधर दुर्गा पूजा समिति ग्राम चौरा मंदिर नेवादा के पदाधिकारी और सदस्यों ने पुलिस को तहरीर देकर सोची समझी साजिश के तहत मंदिर का चबूतरा और दीवार तोड़कर दंगा भड़काने का आरोप लगाया है। समिति ने 20 लोगों के खिलाफ तहरीर दी है। बहरिया थाना क्षेत्र के नेवादा गांव के बीचों बीच देवी चौरा का मंदिर बना है। बृहस्पतिवार की रात करीब 12 बजे 9वीं मुहर्रम का जुलूस डीजे के साथ निकल रहा था। जुलूस जब डीजे के साथ देवी चौरा मंदिर के पास पहुंचा तो आरोप है कि जुलूस में शामिल कुछ खुराफातियों के इशारे पर डीजे को चबूतरे पर चढ़वा दिया गया। देवी चौरा के चबूतरे पर डीजे के चढ़ जाने के कारण चबूतरा और उसे लगी रेलिंग की दीवार क्षतिग्रस्त हो गई। चबूतरा और दीवार क्षतिग्रस्त होने से लोगों में भारी आक्रोश फैल गया। सूचना थानाध्यक्ष बहरिया मानवेंद्र सिंह को हुई तो वह सिपाहियों के साथ तत्काल मौके पर पहुंचकर स्थिति को संभाला और डीजे सहित आधा दर्जन लोगों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस की निगरानी में रातों-रात क्षतिग्रस्त चबूतरे और दीवार की मरम्मत कराई गई।

एसपी ने भ्रमण कर लिया जायजा, दिए निर्देश

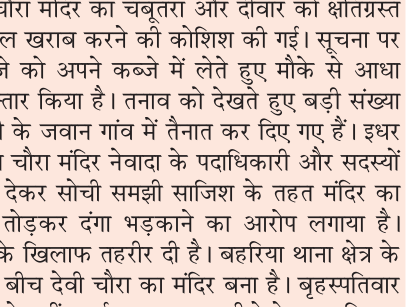

सबसे तेज प्रयागराज

फतेहपुर। पुलिस अधीक्षक अभिमन्यु मांगलिक द्वारा मोहर्रम पर्व के दृष्टिगत जनपद में शांति, सुरक्षा एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से थाना कोतवाली क्षेत्र के संवेदनशील स्थलों एवं प्रस्तावित जुलूस मार्गों का भ्रमण कर सुरक्षा व्यवस्थाओं का स्थलीय निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान पुलिस अधीक्षक द्वारा ड्यूटी पर तैनात पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों की उपस्थिति एवं तैनाती का जायजा लेते हुए उन्हें पूर्ण सतर्कता, अनुशासन एवं मुस्तैदी के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करने हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। कहा गया कि समस्त अधिकारी एवं कर्मचारी निरंतर भ्रमणशील रहकर असामाजिक एवं अराजक तत्वों पर कड़ी निगरानी रखें तथा किसी भी प्रकार की अवांछनीय गतिविधि, अफवाह अथवा कानून-व्यवस्था प्रभावित करने वाले प्रयास की सूचना प्राप्त होने पर तत्काल प्रभावी एवं विधिक कार्यवाही सुनिश्चित करें।

पुलिस अधीक्षक ने संबंधित अधिकारियों को संवेदनशील स्थलों पर विशेष सतर्कता बरतने, पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती सुनिश्चित करने तथा आमजन से संवाद स्थापित कर सौहार्दपूर्ण वातावरण बनाए रखने हेतु भी निर्देशित किया।

प्रयागराज जंक्शन पर चोरी के मोबाइल के साथ शातिर चोर गिरफ्तार, जीआरपी ने भेजा जेल

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। जीआरपी प्रयागराज ने रेलवे स्टेशन प्रयागराज जंक्शन पर अभियान चलाते हुए चोरी के एक मोबाइल फोन के साथ एक शातिर अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से करीब 20 हजार रुपये कीमत का वन प्लस कंपनी का चोरी का मोबाइल बरामद हुआ है।

पुलिस के अनुसार, पुलिस महानिदेशक रेलवे, पुलिस महानिरीक्षक रेलवे एवं पुलिस अधीक्षक रेलवे प्रयागराज के निर्देश पर रेलवे स्टेशनों और ट्रेनों में बढ़ रही चोरी, छिनैती और अन्य आपराधिक घटनाओं की रोकथाम के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में क्षेत्राधिकारी रेलवे अरुण कुमार पाठक के पर्यवेक्षण तथा प्रभारी निरीक्षक जीआरपी प्रयागराज अकलेश कुमार सिंह के नेतृत्व में गठित टीम ने गुरुवार को प्रयागराज जंक्शन के प्लेटफॉर्म संख्या-1 स्थित रेलवे कॉलोनी गेट के पास से आरोपी को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार अभियुक्त की पहचान हसन (23 वर्ष) पुत्र मंजूर, निवासी ग्राम जसरा नई बाजार, थाना घूरपुर, जनपद प्रयागराज के रूप में हुई है। उसके पास से मुकदमा अपराध संख्या 164/2026, धारा 305(सी)/317(2) बीएनएस से संबंधित चोरी का वन प्लस मोबाइल फोन बरामद किया गया। पूछताछ में सामने आया कि आरोपी चलती ट्रेनों के गेट पर खड़े यात्रियों के मोबाइल पर डंडा मारकर गिरा देता था या फिर यात्रियों के मोबाइल एवं सामान चोरी कर फरार हो जाता था। चोरी का सामान बेचकर वह अपने खर्च पूरे करता था। पुलिस के अनुसार, आरोपी की काफी समय से तलाश की जा रही थी। गिरफ्तारी के बाद आरोपी के विरुद्ध आवश्यक विधिक कार्रवाई करते हुए उसे न्यायालय में पेश किया गया। गिरफ्तारी करने वाली टीम में प्रभारी निरीक्षक अकलेश कुमार सिंह, उपनिरीक्षक एवं चौकी प्रभारी लालगोपालगंज अरविन्द कुमार यादव, हेड कांस्टेबल कुन्दन सिंह, कांस्टेबल दिनेश कुमार पाल तथा कांस्टेबल सतीश कुमार शामिल रहे।

अन्नम प्रसादम सेवा के छह वर्ष पूर्ण होने पर श्रृंगवेरपुर धाम पहुंचे ऊर्जा एवं नगर विकास मंत्री ए.के. शर्मा,का हुआ भव्य स्वागत

सबसे तेज प्रयागराज

लालगोपालगंज, प्रयागराज। जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी शांडिल्य महाराज द्वारा संचालित अन्नम प्रसादम सेवा के छह वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में शुक्रवार को श्रृंगवेरपुर धाम गेस्ट हाउस में भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश सरकार के ऊर्जा एवं नगर विकास मंत्री ए.के. शर्मा का श्रृंगवेरपुर धाम आगमन पर जोरदार एवं गर्मजोशी से स्वागत किया गया। मंत्री ए.के. शर्मा के आगमन से पहले ही नगर पंचायत प्रशासन, विद्युत विभाग तैयारियों में जुट गए थे। सुबह से ही कार्यक्रम स्थल एवं आसपास के क्षेत्र में विशेष साफ-सफाई अभियान चलाया गया। श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए पेयजल, प्रकाश व्यवस्था, सुरक्षा और यातायात प्रबंधन की व्यापक व्यवस्था की गई।

नगर पंचायत के सैकड़ों सफाई कर्मी पूरे दिन व्यवस्था को अंतिम रूप देने में लगे रहे। वहीं विद्युत विभाग के अवर अभियंता प्रदीप पटेल, व नरेंद्र प्रताप अधिशासी अभियंता सहित विभागीय अधिकारियों ने विद्युत आपूर्ति और प्रकाश व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के लिए लगातार निगरानी की।

रात्रि लगभग आठ बजे ऊर्जा एवं नगर विकास मंत्री ए.के. शर्मा का काफिला लखनऊ-प्रयागराज राष्ट्रीय राजमार्ग स्थित श्रृंगवेरपुर धाम गेस्ट हाउस पहुंचा, जहां स्थानीय जनप्रतिनिधियों, प्रशासनिक अधिकारियों और श्रद्धालुओं ने पुष्पवर्षा एवं माल्यार्पण कर उनका भव्य स्वागत किया। कार्यक्रम में पहुंचने के बाद मंत्री ने सबसे पहले जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी शांडिल्य महाराज का

आशीर्वाद प्राप्त किया। इसके उपरांत उन्होंने अन्नम प्रसादम सेवा में भाग लेते हुए श्रद्धालुओं के बीच प्रसाद वितरित किया। अपने संबोधन में मंत्री ने कहा कि निस्वार्थ भाव से संचालित अन्नम प्रसादम जैसी सेवा भारतीय संस्कृति की महान परंपरा का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि भूखे और जरूरतमंद लोगों को भोजन कराना सबसे बड़ा पुण्य कार्य है तथा ऐसे सेवा कार्य समाज में समरसता और मानवता का संदेश देते हैं। इस अवसर पर श्रृंगवेरपुर धाम के अमित द्विवेदी ने धाम के ऐतिहासिक, धार्मिक एवं पौराणिक महत्व पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए कहा कि भगवान श्रीराम और निषादराज की पावन स्थली होने के कारण श्रृंगवेरपुर धाम का विशेष महत्व है। उन्होंने प्रदेश सरकार द्वारा धाम में कराए जा रहे विकास कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में तीर्थस्थल का तेजी से विकास हो रहा है, जिससे देश-विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध हो रही हैं और धार्मिक पर्यटन को भी नई पहचान मिल रही है। कार्यक्रम में

स्थानीय विधायक गुरु प्रसाद मौर्य भी मौजूद रहे। उन्होंने प्रदेश सरकार द्वारा श्रृंगवेरपुर धाम के विकास के लिए कराए जा रहे कार्यों की चर्चा करते हुए कहा कि सरकार इस ऐतिहासिक एवं धार्मिक स्थल को विश्वस्तरीय पहचान दिलाने के लिए निरंतर प्रयासरत है।

नगर पंचायत लालगोपालगंज की अधिशासी अधिकारी पद्मजा मिश्रा ने ऊर्जा एवं नगर विकास मंत्री ए.के. शर्मा का पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया तथा कार्यक्रम के सफल आयोजन में नगर पंचायत की ओर से की गई व्यवस्थाओं की जानकारी दी। कार्यक्रम के दौरान बड़ी संख्या में संत-महात्मा, श्रद्धालु, जनप्रतिनिधि, तथा विभिन्न विभागों के कर्मचारी उपस्थित रहे। पूरे आयोजन के दौरान श्रद्धालुओं में उत्साह का माहौल देखने को मिला। कार्यक्रम सम्पन्न होने के बाद मंत्री ए.के. शर्मा लखनऊ के लिए रवाना हो गए। उनके साथ मानिक पुर नगर पंचायत के अध्यक्ष भी मौजूद रहे।

श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट से महासचिव चंपत राय और सदस्य अनिल मिश्रा का इस्तीफा

अयोध्या। रामनगरी अयोध्या स्थित श्रीराम जन्मभूमि मंदिर के दान में कथित चोरी के मामले की जांच के बीच श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय और ट्रस्ट के सदस्य अनिल मिश्रा ने शुक्रवार को अपने-अपने पद से इस्तीफा दे दिया। श्रीराम मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्र ने दोनों के इस्तीफे की पुष्टि की है। जांच की निष्पक्षता और पारदर्शिता बनाए रखने के उद्देश्य से यह निर्णय लिया गया है। जानकारी के अनुसार, चंपत राय और अनिल मिश्रा ने अपने त्यागपत्र ट्रस्ट के अध्यक्ष महंत नृत्य गोपाल दास को सौंप दिए हैं।

दोनों ने ऐसे समय में इस्तीफा दिया है, जब दान में कथित अनियमितताओं की जांच कर रही विशेष जांच दल (एसआईटी) की कार्रवाई तेज हो गई है।

एसआईटी की प्रारंभिक जांच रिपोर्ट के आधार पर गुरुवार को इस मामले में आठ लोगों के खिलाफ प्राथमिकी (एफआईआर) दर्ज की गई थी। इसके बाद सभी आरोपितों को हिरासत में ले लिया गया। जांच में तेजी आने के साथ ही ट्रस्ट के दोनों पदाधिकारियों के इस्तीफे को महत्वपूर्ण घटनाक्रम माना जा रहा है। उल्लेखनीय है कि श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में चढ़ावे से संबंधित कथित अनियमितताओं और चोरी की शिकायतें मिलने के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर राज्य सरकार ने उच्चस्तरीय जांच के लिए विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया था। एसआईटी अपनी प्रारंभिक रिपोर्ट शासन को सौंप चुकी है, जिसके आधार पर मामले में आगे की कार्रवाई शुरू की गई है।

फिलहाल एसआईटी पूरे प्रकरण की विस्तृत जांच कर रही है। जांच एजेंसी से जुड़े अधिकारियों का कहना है कि सभी पहलुओं की गहन पड़ताल की जा रही है और जांच पूरी होने के बाद तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

ऊर्जा एवं विकास कार्यों की समीक्षा, मंत्री ने अधिकारियों को दिए सख्त निर्देश

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री ए.के. शर्मा ने शुक्रवार को प्रयागराज सर्किट हाउस सभागार में ऊर्जा विभाग, नगर विकास विभाग एवं विकास प्राधिकरण के कार्यों की समीक्षा की। इस दौरान अधिकारियों को जनहित से जुड़े सभी कार्यों को सर्वोच्च प्राथमिकता पर समयबद्ध ढंग से पूरा करने के निर्देश दिए।

ऊर्जा विभाग की समीक्षा के दौरान श्री शर्मा ने प्रदेशवासियों को निर्बाध एवं गुणवत्तापूर्ण विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश देते हुए कहा कि बिजली से संबंधित किसी भी समस्या अथवा शिकायत का तत्काल निस्तारण किया जाए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि आम जनता को किसी प्रकार की असुविधा नहीं होनी चाहिए। जनप्रतिनिधियों की मांग पर स्वीकृत अथवा निमार्णाधीन विद्युत परियोजनाओं को युद्धस्तर पर पूरा किया जाए। उन्होंने कार्यों में शिथिलता बरतने वाले अधिकारियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की चेतावनी भी दी। नगर विकास एवं विकास प्राधिकरण की समीक्षा में मंत्री श्री शर्मा ने निर्देश दिए कि सभी निमार्णाधीन परियोजनाओं में तेजी लाकर उन्हें आगामी माघ मेले से पूर्व हर हाल में पूर्ण कराया जाए। उन्होंने सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) के कार्यों में भी गति लाने के निर्देश दिए। श्री शर्मा

ने कहा कि महाकुंभ के पूर्व शहर के जिन प्रमुख चौराहों का सौंदर्यीकरण किया गया है, उनका पुनः निरीक्षण कर आवश्यक सुधार सुनिश्चित किए जाएं। वर्षाकाल को देखते हुए सभी नालों की समयबद्ध सफाई कर जलभराव की समस्या से नागरिकों को राहत दिलाई जाए। उन्होंने हनुमान मंदिर कॉरिडोर के शेष कार्यों को भी प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए, साथ ही मेला क्षेत्र के किनारे स्थापित स्ट्रीट लाइटों के संबंध में निर्देशित किया कि जहां उनकी आवश्यकता अभी भी बनी हुई है, वहां उन्हें हटाया न जाए, ताकि क्षेत्र में पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था बनी रहे। उन्होंने प्रयागराज विकास प्राधिकरण के द्वारा माननीय हाईकोर्ट के सामने फ्लाईओवर के नीचे बनायी जा रही सड़क के कार्य को गुणवत्ता के साथ तेजी से पूर्ण कराने के निर्देश दिए हैं। इस अवसर पर महापौर उमेश चंद्र गणेश केसरवानी, विधायक फाफामऊ गुरु प्रसाद मौर्य, विधान परिषद सदस्य सुरेन्द्र चौधरी, महानगर अध्यक्ष भाजपा संजय गुप्ता, भाजपा गंगापार अध्यक्ष निर्मला पासवान, भाजपा अध्यक्ष यमुनापार राजेश शुक्ला, नगर आयुक्त साईं तेजा, विद्युत विभाग के चीफ इंजीनियर ट्रांसमिशन सुरेंद्र प्रताप सिंह, चीफ इंजीनियर जोन फर्स्ट राजेश कुमार, चीफ इंजीनियर जोन-टू अशोक कुमार, सचिव प्रयागराज विकास प्राधिकरण विनीत सिंह, उप ज़िलाधिकारी मेला विवेक कुमार शुक्ला, अधीक्षण अभियंता पीडब्लूडी एवं अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

संपादकीय

मोबाइल की लत में खोती यादाश्त : एक गंभीर चेतावनी

वर्तमान डिजिटल युग में मोबाइल फोन मानव जीवन का अभिन्न अंग बन चुका है। संचार, शिक्षा, मनोरंजन, बैंकिंग, खरीदारी और सामाजिक संपर्क जैसे लगभग सभी कार्य अब मोबाइल के माध्यम से संपन्न होने लगे हैं। तकनीक ने जीवन को सुविधाजनक अवश्य बनाया है, किंतु इसके अंधाधुंध उपयोग ने अनेक नई समस्याओं को भी जन्म दिया है। इनमें सबसे चिंताजनक समस्या है—मोबाइल की बढ़ती लत और उससे प्रभावित होती मानव स्मरण शक्ति अर्थात याददाश्त।

आज का दृश्य अत्यंत सामान्य हो गया है कि लोग अपने परिवार के सदस्यों, मित्रों अथवा सहकर्मियों के मोबाइल नंबर तक याद नहीं रखते। जन्मदिन, महत्वपूर्ण तिथियां, आवश्यक सूचनाएं और यहां तक कि दैनिक कार्यों की सूची भी मोबाइल पर निर्भर हो गई है। परिणामस्वरूप मस्तिष्क की स्वाभाविक स्मरण क्षमता का उपयोग लगातार कम होता जा रहा है। जिस कार्य के लिए पहले व्यक्ति अपने मस्तिष्क का प्रयोग करता था, अब वही कार्य मोबाइल फोन कर रहा है।

विशेषज्ञों का मानना है कि जब हम किसी जानकारी को स्वयं याद रखने के बजाय मोबाइल में सुरक्षित कर देते हैं, तो हमारा मस्तिष्क उस जानकारी को लंबे समय तक संग्रहित करने का प्रयास नहीं करता। धीरे-धीरे यह आदत स्मृति क्षमता को कमजोर करने लगती है। मोबाइल पर अत्यधिक निर्भरता के कारण व्यक्ति छोटी-छोटी बातों को भूलने लगता है और उसकी एकाग्रता भी प्रभावित होती है।

मोबाइल की लत का सबसे अधिक दुष्प्रभाव बच्चों और युवाओं पर पड़ रहा है। घंटों तक सोशल मीडिया, वीडियो गेम, शॉर्ट वीडियो और मनोरंजन सामग्री देखने के कारण उनका ध्यान पढ़ाई से भटक रहा है। निरंतर स्क्रीन देखने से मस्तिष्क को पर्याप्त विश्राम नहीं मिल पाता। परिणामस्वरूप पढ़ी हुई बातें जल्दी भूल जाना, ध्यान केंद्रित न कर पाना और मानसिक थकान जैसी समस्याएं बढ़ती जा रही हैं।

शिक्षा के क्षेत्र में भी इसका प्रभाव स्पष्ट दिखाई देता है। विद्यार्थी किसी तथ्य को समझने या याद रखने के बजाय तुरंत इंटरनेट पर खोज लेते हैं। इससे उनकी विश्लेषणात्मक क्षमता तथा स्मरण शक्ति का विकास बाधित होता है। परीक्षा के समय ऐसे विद्यार्थियों को विषयवस्तु याद रखने में अधिक कठिनाई का सामना करना पड़ता है।

मोबाइल की अत्यधिक लत केवल याददाश्त को ही नहीं, बल्कि मानसिक स्वास्थ्य को भी प्रभावित करती है। लगातार आने वाले नोटिफिकेशन, संदेश और सोशल मीडिया अपडेट मस्तिष्क को हर समय सक्रिय रखते हैं। इससे तनाव, चिंता, चिड़चिड़ापन और नींद की समस्याएं बढ़ने लगती हैं। पर्याप्त और गुणवत्तापूर्ण नींद न मिलने से स्मरण शक्ति और अधिक कमजोर हो जाती है।

पारिवारिक जीवन पर भी इसका प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। पहले परिवार के सदस्य आपस में संवाद करते थे, अनुभव साझा करते थे और विभिन्न विषयों पर चर्चा करते थे। यह प्रक्रिया मस्तिष्क के विकास और स्मरण शक्ति को मजबूत बनाने में सहायक होती थी। आज परिवार के अनेक सदस्य एक ही कमरे में बैठकर भी अपने-अपने मोबाइल में व्यस्त रहते हैं। संवादहीनता का यह वातावरण मानसिक विकास के लिए चिंता का विषय है।मोबाइल की लत से बचने के लिए संतुलित और विवेकपूर्ण उपयोग आवश्यक है। प्रतिदिन कुछ समय मोबाइल-मुक्त गतिविधियों के लिए निर्धारित करना चाहिए। पुस्तक पढ़ना, लेखन करना, पहेलियां हल करना, गणितीय अभ्यास करना, कविता याद करना, शारीरिक व्यायाम और ध्यान-योग जैसी गतिविधियां स्मरण शक्ति को सुदृढ़ बनाती हैं। बच्चों के स्क्रीन टाइम पर विशेष निगरानी रखी जानी चाहिए तथा उन्हें रचनात्मक और बौद्धिक गतिविधियों की ओर प्रेरित करना चाहिए।

विद्यालयों और अभिभावकों की भी महत्वपूर्ण भूमिका है। बच्चों को तकनीक के लाभों के साथ-साथ उसके दुष्परिणामों से भी अवगत कराया जाना चाहिए। डिजिटल साक्षरता के साथ डिजिटल अनुशासन की शिक्षा समय की मांग है।निष्कर्षतः मोबाइल फोन आधुनिक जीवन की आवश्यकता है, किंतु आवश्यकता और निर्भरता के बीच की सीमा को पहचानना भी उतना ही आवश्यक है। यदि हम तकनीक के स्वामी बनने के बजाय उसके गुलाम बन जाएंगे, तो हमारी स्मरण शक्ति, एकाग्रता और मानसिक स्वास्थ्य गंभीर रूप से प्रभावित होंगे। इसलिए आवश्यक है कि मोबाइल का उपयोग विवेकपूर्ण ढंग से किया जाए, ताकि तकनीक हमारे विकास का साधन बने, हमारी क्षमताओं के ह्रास का कारण नहीं।

ईरान, होर्मुज और बदलती विश्व व्यवस्था

महेन्द्र तिवारी

विश्व राजनीति में शक्ति का अर्थ समय के साथ निरंतर बदलता रहा है। इतिहास के विभिन्न कालखंडों में शक्ति के मानक बदलते रहे हैं। कभी विशाल और अजेय सेनाएँ किसी साम्राज्य या देश की ताकत का सबसे बड़ा प्रतीक मानी जाती थीं, तो कभी औद्योगिक क्रांति के बाद औद्योगिक उत्पादन और आर्थिक क्षमता को वैश्विक शक्ति का मुख्य आधार समझा गया। 20वीं शताब्दी के उत्तरार्ध में, विशेषकर शीतयुद्ध के दौर में, परमाणु हथियारों को सर्वोच्च शक्ति और संप्रभुता का प्रतीक माना जाने लगा। ऐसा माना जाता था कि परमाणु क्षमता से संपन्न देश ही वैश्विक व्यवस्था की दिशा तय कर सकते हैं। किंतु 21वीं शताब्दी के आगमन ने इन सभी पारंपरिक धारणाओं को पीछे छोड़ दिया है। आज के दौर में वैश्विक व्यापार, ऊर्जा आपूर्ति, तकनीकी नेटवर्क और समुद्री मार्गों ने शक्ति की परिभाषा को एक बिल्कुल नया और बहुआयामी स्वरूप प्रदान किया है। हाल के वर्षों में ईरान और पश्चिमी देशों के बीच बढ़े तनाव तथा होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर उभरी परिस्थितियों ने यह पूरी तरह स्पष्ट कर दिया है कि आधुनिक दुनिया में केवल सैन्य सामर्थ्य ही निर्णायक नहीं है। किसी महत्वपूर्ण भौगोलिक मार्ग, संसाधन अथवा वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला पर नियंत्रण भी उतना ही प्रभावशाली और रणनीतिक साधन बन सकता है। यही वह महत्वपूर्ण संदेश है जो ईरान की वर्तमान रणनीति के माध्यम से पूरी दुनिया के सामने उभरकर आया है।

होर्मुज जलडमरूमध्य पश्चिम एशिया का एक अत्यंत महत्वपूर्ण और संवेदनशील समुद्री मार्ग है। भौगोलिक दृष्टि से यह फारस की खाड़ी को अरब सागर और हिंद महासागर से जोड़ता है। इस संकरे मार्ग का महत्व इस बात से समझा जा सकता है कि सऊदी अरब, इराक, कुवैत, कतर, बहरीन और संयुक्त अरब अमीरात जैसे दुनिया के सबसे प्रमुख तेल उत्पादक देशों का समुद्री निर्यात इसी मार्ग से होकर गुजरता है। वैश्विक कच्चे तेल की कुल आपूर्ति का लगभग 20 प्रतिशत हिस्सा रोजाना इस संकरे जलमार्ग से दुनिया के विभिन्न हिस्सों तक पहुँचता है। इसके अलावा, तरल प्राकृतिक गैस के वैश्विक समुद्री व्यापार का भी एक बहुत बड़ा भाग इसी रास्ते से तय होता है। इसलिए होर्मुज केवल एक साधारण जलमार्ग नहीं है, बल्कि यह वैश्विक अर्थव्यवस्था की धड़कन है। यदि इस मार्ग में किसी भी प्रकार की बाधा उत्पन्न होती है या तनाव बढ़ता है, तो उसका सीधा और तात्कालिक प्रभाव अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ऊर्जा की कीमतों, समुद्री परिवहन लागत, औद्योगिक उत्पादन और दुनिया भर के उपभोक्ता बाजारों पर दिखाई देने लगता है।

इस पूरे परिदृश्य में ईरान की भौगोलिक स्थिति उसे इस क्षेत्र में एक विशिष्ट सामरिक महत्व प्रदान करती है। इस जलडमरूमध्य के उत्तरी तट पर ईरान का सीधा भौगोलिक प्रभाव है और इसी कारण वह लंबे समय से इस मार्ग को अपनी सबसे बड़ी रणनीतिक शक्ति के रूप में देखता रहा है। जब भी पश्चिमी देशों द्वारा ईरान पर कड़े आर्थिक प्रतिबंध लगाए गए या उसकी सुरक्षा संबंधी चिंताओं की अनदेखी की गई, तब उसने बार-बार यह संकेत दिया कि वह होर्मुज में जहाजों के आवागमन को प्रभावित करने की क्षमता रखता है। कई अवसरों पर ईरान ने प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से यह चेतावनी भी दी है कि यदि उसके राष्ट्रीय हितों को गंभीर नुकसान पहुँचाया गया, तो वह इस मार्ग को पूरी तरह बंद करने अथवा यहाँ अतिरिक्त नियंत्रण स्थापित करने पर विचार कर सकता है। यहीं से दुनिया के लिए एक नया भू-राजनीतिक संदेश निकलता है कि आधुनिक अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था में भूगोल स्वयं एक बहुत बड़ी शक्ति है। यदि किसी देश के पास कोई ऐसा विशिष्ट स्थान है जो वैश्विक व्यापार, ऊर्जा आपूर्ति या सामरिक गतिविधियों के लिए अनिवार्य है, तो वह देश अपनी सीमित सैन्य या आर्थिक क्षमताओं के बावजूद वैश्विक मंच पर अत्यंत महत्वपूर्ण प्रभाव रख सकता है। ईरान दशकों से भारी आर्थिक प्रतिबंधों और राजनीतिक दबावों का सामना कर रहा है, लेकिन होर्मुज पर उसकी सामरिक स्थिति उसे विश्व राजनीति में लगातार प्रासंगिक और शक्तिशाली बनाए रखती है।

यह स्थिति पारंपरिक शक्ति संतुलन को भी गंभीर चुनौती देती है। लंबे समय तक वैश्विक राजनीति में यह माना जाता रहा कि बड़ी सैन्य और परमाणु शक्ति रखने वाले देश किसी भी क्षेत्रीय संकट का समाधान अपने पक्ष में करने में सक्षम होते हैं। लेकिन होर्मुज का उदाहरण दिखाता है कि कठोर भौगोलिक वास्तविकताएँ कई बार विशाल सैन्य शक्ति को भी सीमित कर देती हैं। यदि इस समुद्री मार्ग पर थोड़ा भी तनाव बढ़ता है तो उसका असर केवल एक क्षेत्र पर नहीं बल्कि पूरी दुनिया पर पड़ता है। इसलिए दुनिया के सबसे शक्तिशाली देशों को भी यहाँ किसी भी प्रकार की सैन्य कार्रवाई करने से पहले कूटनीति, समझौतों और क्षेत्रीय संतुलन का सहारा लेना पड़ता है। इसके साथ ही, ईरान की इस रणनीति ने वैश्विक ऊर्जा सुरक्षा के प्रश्न को एक बार फिर केंद्र में ला दिया है। ऊर्जा आधुनिक अर्थव्यवस्था की आधारशिला है जिसके बिना उद्योग, परिवहन, कृषि और संचार जैसे लगभग सभी क्षेत्र ठप हो सकते हैं। जब किसी ऐसे महत्वपूर्ण मार्ग पर संकट की मामूली आशंका भी उत्पन्न होती है, तब अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल और गैस की कीमतों में तेजी से उतार-चढ़ाव शुरू हो जाता है। इससे दुनिया भर के निवेशकों में चिंता बढ़ती है और सरकारें वैकल्पिक व्यवस्थाओं की तलाश करने के लिए मजबूर हो जाती हैं। इस प्रकार एक सीमित क्षेत्रीय तनाव भी व्यापक वैश्विक आर्थिक अस्थिरता का कारण बन सकता है।इस परिस्थिति का प्रभाव केवल तेल उत्पादक या पश्चिमी देशों तक सीमित नहीं रहता है। जापान, दक्षिण कोरिया, भारत और यूरोप के अनेक प्रमुख देश अपनी ऊर्जा आवश्यकताओं के लिए पूरी तरह से पश्चिम एशिया के इसी मार्ग पर निर्भर हैं। यदि होर्मुज में कोई बाधा आती है तो इन विकासशील और विकसित देशों की ऊर्जा सुरक्षा सीधे प्रभावित होती है। यही कारण है कि दुनिया के तमाम राष्ट्र इस मार्ग को हमेशा खुला और सुरक्षित बनाए रखने के पक्षधर हैं। वे अच्छी तरह समझते हैं कि यहाँ उत्पन्न होने वाला कोई भी संकट उनके घरेलू आर्थिक हितों को सीधे चोट पहुँचाएगा। ईरान के इस व्यवहार से यह भी स्पष्ट होता है कि भविष्य की प्रतिस्पर्धा केवल हथियारों के संचय की नहीं होगी। बीते दशकों में परमाणु हथियारों के प्रसार को लेकर व्यापक चिंताएँ व्यक्त की जाती रही हैं, लेकिन आज एक नई प्रवृत्ति उभरती दिखाई दे रही है जिसमें देश उन स्थानों, संसाधनों और मार्गों पर नियंत्रण की तलाश कर रहे हैं जिनके माध्यम से वे संपूर्ण वैश्विक व्यवस्था को प्रभावित कर सकें। इन्हें भू-राजनीति की भाषा में चोक प्वाइंट कहा जाता है, जहाँ से होकर व्यापार, ऊर्जा या संचार का बड़ा भाग गुजरता है।

दुनिया में होर्मुज अकेला ऐसा मार्ग नहीं है। मलक्का जलडमरूमध्य पूर्वी एशिया और हिंद महासागर के बीच व्यापार का अत्यंत महत्वपूर्ण मार्ग है, जहाँ से वैश्विक समुद्री व्यापार का लगभग एक तिहाई हिस्सा गुजरता है। इसी तरह बाब-अल-मंदेब लाल सागर को अरब सागर से जोड़ता है जो यूरोप तथा एशिया के बीच व्यापार के लिए महत्वपूर्ण है, और स्वेज नहर को वैश्विक परिवहन की जीवनरेखा माना ही जाता है। यदि इन सभी मार्गों में कहीं भी रुकावट आती है तो उसका प्रभाव पूरी दुनिया पर पड़ता है। विश्लेषकों को चिंता है कि ईरान का यह सफल उदाहरण अन्य क्षेत्रीय देशों को भी इसी प्रकार की रणनीति अपनाने के लिए प्रेरित कर सकता है, जिससे वैश्विक व्यापार अधिक अनिश्चित और अस्थिर हो सकता है। अंतरराष्ट्रीय सहयोग के स्थान पर प्रतिस्पर्धा और दबाव की राजनीति बढ़ सकती है। इस संदर्भ में चीन जैसी महाशक्ति की भूमिका भी महत्वपूर्ण हो जाती है, जिसने तकनीकी आपूर्ति श्रृंखलाओं, दुर्लभ खनिजों और नवीकरणीय ऊर्जा उपकरणों के क्षेत्र में अपना प्रभाव अत्यधिक बढ़ा लिया है। यदि ऊर्जा मार्गों की असुरक्षा बढ़ती है, तो कई देश जीवाश्म ईंधनों पर निर्भरता कम करके नवीकरणीय ऊर्जा तकनीकों की ओर बढ़ेंगे, जिससे उन तकनीकों पर नियंत्रण रखने वाले देशों का महत्व और अधिक बढ़ जाएगा। इस प्रकार एक प्रकार की निर्भरता समाप्त होते ही दूसरी निर्भरता जन्म ले लेगी।

महिला: व्यक्तित्व या बाजार की वस्तु?

डॉ. विजय गर्ग

मानव सभ्यता के विकास में महिला की भूमिका सदैव केंद्रीय रही है। वह केवल परिवार की आधारशिला ही नहीं, बल्कि समाज, संस्कृति, शिक्षा, राजनीति और अर्थव्यवस्था की भी महत्वपूर्ण वाहक रही है। भारतीय संस्कृति में नारी को शक्ति, ज्ञान और समृद्धि का प्रतीक माना गया है। ह्लयत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते, रमन्ते तत्र देवताह्व जैसी उक्ति इस बात का प्रमाण है कि हमारे समाज ने नारी को सम्मान का उच्च स्थान दिया है। लेकिन आधुनिक उपभोक्तावादी और बाजारवादी युग में यह प्रश्न गंभीरता से उठने लगा है कि क्या महिला आज भी एक स्वतंत्र व्यक्तित्व के रूप में देखी जाती है या फिर उसे बाजार की वस्तु बनाकर प्रस्तुत किया जा रहा है?

यह प्रश्न केवल महिलाओं की गरिमा से जुड़ा नहीं है, बल्कि समाज के नैतिक और सांस्कृतिक मूल्यों से भी संबंधित है। वैश्वीकरण, तकनीकी विकास और मीडिया विस्तार के इस दौर में महिला की छवि लगातार बदल रही है। एक ओर महिलाएं शिक्षा, विज्ञान, राजनीति, खेल और व्यवसाय में नई ऊंचाइयों को छू रही हैं, वहीं दूसरी ओर बाजार उनकी पहचान को अपने व्यावसायिक हितों के अनुसार गढ़ने का प्रयास कर रहा है।

बाजारवाद और महिला की बदलती छवि

बाजारवाद का मूल उद्देश्य लाभ कमाना है। इस व्यवस्था में हर वस्तु, विचार और व्यक्ति को उपभोक्ता दृष्टि से देखा जाता है। जब लाभ सर्वोपरि हो जाता है, तब मानवीय संवेदनाएं और नैतिक मूल्य पीछे छूटने लगते हैं।

आज विज्ञापन उद्योग, मनोरंजन जगत, फैशन उद्योग और सोशल मीडिया में महिला की उपस्थिति अत्यधिक बढ़ गई है। यह बढ़ती उपस्थिति अपने आप में समस्या नहीं है, बल्कि समस्या तब उत्पन्न होती है जब महिला की पहचान को केवल उसकी शारीरिक सुंदरता और आकर्षण तक सीमित कर दिया जाता है।

कार, मोबाइल फोन, कपड़े, सौंदर्य प्रसाधन, घर, होटल और यहां तक कि ऐसे उत्पाद जिनका महिलाओं से कोई प्रत्यक्ष संबंध नहीं होता, उनके प्रचार में भी महिला की छवि का उपयोग किया जाता है। इससे यह संदेश जाता है कि महिला एक व्यक्ति नहीं, बल्कि उत्पाद बेचने का माध्यम है।

विज्ञापनों में महिला का वस्तुकरण

विज्ञापन आधुनिक समाज के सबसे प्रभावशाली माध्यमों में से एक हैं। वे केवल उत्पाद नहीं बेचते, बल्कि जीवनशैली और सोच भी निर्मित करते हैं।

कई विज्ञापनों में महिला को इस प्रकार प्रस्तुत किया जाता है कि उसकी बुद्धिमत्ता, क्षमता और व्यक्तित्व गौण हो जाते हैं तथा केवल उसकी बाहरी सुंदरता को महत्व दिया जाता है। इस प्रकार की प्रस्तुति महिला को एक उपभोग की वस्तु के रूप में स्थापित करती है। विज्ञापन जगत यह तर्क देता है कि वह केवल उपभोक्ताओं की पसंद के अनुसार सामग्री प्रस्तुत करता है, लेकिन यह भी सत्य है कि वही उद्योग लोगों की पसंद और मानसिकता को आकार देने का काम भी करता है।

जब लगातार महिला को आकर्षण के प्रतीक के रूप में दिखाया जाता है, तो समाज में उसके प्रति दृष्टिकोण भी प्रभावित होता है।

लखनऊ कोचिंग अग्निकांड: क्या हमारे बच्चों की सुरक्षा सिर्फ खबर बनकर रह जाएगी?

डॉ. सत्यवान सौरभ

लखनऊ में हुए हालिया कोचिंग अग्निकांड ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया है। धुएँ से घिरी इमारतें, चीखते-बिलखते विद्यार्थी, घबराए हुए अभिभावक और राहत-बचाव दलों की भागदौड़—ये दृश्य केवल एक दुर्घटना की तस्वीर नहीं हैं, बल्कि हमारी व्यवस्था की उन कमजोरियों का आईना हैं जिन्हें हम वर्षों से अनदेखा करते आ रहे हैं। हर बार किसी बड़े हादसे के बाद कुछ दिनों तक शोक, संवेदना और आक्रोश दिखाई देता है, फिर सब कुछ सामान्य हो जाता है। लेकिन सवाल यह है कि क्या हमारे बच्चों की सुरक्षा केवल कुछ दिनों की खबर बनकर रह जाएगी? क्या हम तब तक जागेंगे नहीं, जब तक अगली त्रासदी किसी और शहर में, किसी और कोचिंग संस्थान या हॉस्टल में घटित नहीं हो जाती?

आज भारत में लाखों विद्यार्थी अपने घरों से दूर रहकर प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे हैं। कोटा, दिल्ली, लखनऊ, प्रयागराज, पटना, जयपुर और चंडीगढ़ जैसे शहर शिक्षा के बड़े केंद्र बन चुके हैं। अभिभावक अपने बच्चों के बेहतर भविष्य के लिए बड़ी उम्मीदों के साथ उन्हें इन संस्थानों में भेजते हैं। वे फीस भरते हैं, हॉस्टल का खर्च उठाते हैं और यह भरोसा करते हैं कि जहां उनका बच्चा पढ़ रहा है, वहां उसकी सुरक्षा का पूरा ध्यान रखा जाएगा। दुर्भाग्य से यह भरोसा कई बार टूट जाता है।

ऐसे हादसे अचानक नहीं होते। इनके पीछे वर्षों की लापरवाही, नियमों की अनदेखी और जवाबदेही की कमी होती है। जब किसी इमारत में पर्याप्त आपातकालीन निकास नहीं होते, जब बिजली की वायरिंग मानकों के अनुरूप नहीं होती, जब फायर एक्सटिंग्विशर केवल दिखावे के लिए लगाए जाते हैं, जब भवन निर्माण नियमों को ताक पर रखकर व्यावसायिक गतिविधियां चलाई जाती हैं, तब किसी भी दिन एक छोटी-सी चिंगारी बड़ी त्रासदी का रूप ले सकती है।

इस घटना के बाद सबसे पहला प्रश्न अभिभावकों को स्वयं से पूछना चाहिए कि क्या उन्होंने कभी अपने बच्चे के कोचिंग संस्थान, हॉस्टल या पीजी की सुरक्षा व्यवस्था की वास्तविक जांच की है? अक्सर हम संस्थान की प्रतिष्ठा, परिणाम और सुविधाओं के बारे में पूछते हैं, लेकिन सुरक्षा संबंधी प्रश्नों को नजरअंदाज कर देते हैं। यह प्रवृत्ति बदलनी होगी। बच्चे के भविष्य जितना महत्वपूर्ण है, उसका जीवन और सुरक्षा उससे कहीं अधिक महत्वपूर्ण है।

अभिभावकों को सबसे पहले आपातकालीन निकास की स्थिति की जांच करनी चाहिए। किसी भी भवन में आग लगने की स्थिति में सुरक्षित निकास जीवन और मृत्यु के बीच का अंतर साबित हो सकता है। कई संस्थानों में आपातकालीन सीढ़ियां या तो बंद रहती हैं या उनमें सामान भरा रहता है। कुछ जगहों पर सुरक्षा द्वारों पर ताले लगे होते हैं। ऐसी स्थिति में भगदड़ और अफरा-तफरी के दौरान बाहर निकलना लगभग असंभव हो जाता है। यदि किसी भवन में आपातकालीन निकास स्पष्ट रूप से चिन्हित नहीं हैं या उनके उपयोग में कोई बाधा है, तो उसे गंभीर चेतावनी समझना चाहिए।

दूसरा महत्वपूर्ण पहलू अग्निशमन उपकरणों की उपलब्धता और कार्यशीलता है। फायर एक्सटिंग्विशर केवल दीवारों पर टांग देने से सुरक्षा सुनिश्चित नहीं हो जाती। उनकी नियमित जांच, रखरखाव और समय-समय पर रिफिलिंग आवश्यक है। अभिभावकों को यह जानने का अधिकार है कि संस्थान में कितने अग्निशमन यंत्र हैं, उनकी वैधता क्या है और क्या स्टाफ को उनके उपयोग का प्रशिक्षण दिया गया है। यदि कोई संस्थान इन सवालों के स्पष्ट उत्तर नहीं देता, तो उसकी सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर संदेह होना चाहिए।

तीसरा मुद्दा फायर एनओसी यानी अग्नि सुरक्षा अनापत्ति प्रमाणपत्र का है। हमारे देश में अक्सर देखा गया है कि कागजों पर सभी नियम पूरे दिखाई देते हैं, लेकिन वास्तविक स्थिति अलग होती है। कई बार निरीक्षण केवल औपचारिकता बनकर रह जाता है। इसलिए केवल एनओसी की प्रति देखना पर्याप्त नहीं है। उसकी वैधता, निरीक्षण रिपोर्ट और सुरक्षा मानकों की वास्तविक स्थिति की भी जांच आवश्यक है। प्रशासन को भी यह सुनिश्चित करना होगा कि फायर एनओसी केवल कागजी प्रक्रिया न रह जाए, बल्कि वास्तविक सुरक्षा का प्रमाण बने।

इमारत की संरचना भी सुरक्षा का एक महत्वपूर्ण पहलू है। कई कोचिंग संस्थान संकरी गलियों में स्थित बहुमंजिला इमारतों में संचालित होते हैं।

इनमें पर्याप्त वेंटिलेशन नहीं होता, खिड़कियां सीमित होती हैं और भीड़ क्षमता से कहीं अधिक होती है। ऐसी इमारतें दुर्घटना की स्थिति में मौत के जाल में बदल सकती हैं। इसलिए भवन निर्माण मानकों का पालन सुनिश्चित करना अत्यंत आवश्यक है।

सुरक्षा केवल उपकरणों से नहीं आती, बल्कि तैयारी से भी आती है। क्या संस्थान नियमित फायर ड्रिल आयोजित करता है? क्या विद्यार्थियों को बताया जाता है कि आपातकाल की स्थिति में क्या करना है? क्या स्टाफ को प्राथमिक आपदा प्रबंधन का प्रशिक्षण दिया गया है? इन प्रश्नों के उत्तर अक्सर नकारात्मक होते हैं। जबकि विकसित देशों में स्कूलों और शैक्षणिक संस्थानों में नियमित सुरक्षा अभ्यास अनिवार्य होता है। भारत में भी यह व्यवस्था लागू की जानी चाहिए।

यह समस्या केवल कोचिंग संस्थानों तक सीमित नहीं है। हॉस्टल, पीजी, छात्रावास और निजी आवासीय व्यवस्थाएं भी अक्सर सुरक्षा मानकों की अनदेखी करती हैं। अनेक स्थानों पर क्षमता से अधिक विद्यार्थियों को रखा जाता है। संकरी सीढ़ियां, बंद खिड़कियां और खराब विद्युत व्यवस्था जोखिम को कई गुना बढ़ा देती हैं। इसलिए सुरक्षा का दायरा व्यापक रूप से देखा जाना चाहिए।

प्रशासन की भूमिका भी इस संदर्भ में अत्यंत महत्वपूर्ण है। दुर्घटना के बाद जांच समिति गठित करना और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की घोषणा करना पर्याप्त नहीं है। आवश्यकता इस बात की है कि नियमित निरीक्षण और कठोर निगरानी की व्यवस्था विकसित की जाए। प्रत्येक शहर में कोचिंग संस्थानों और छात्रावासों का वार्षिक सुरक्षा ऑडिट अनिवार्य होना चाहिए। जिन संस्थानों में गंभीर खामियां पाई जाएं, उन्हें सुधार तक संचालन की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए।

इसके साथ ही स्थानीय निकायों और अग्निशमन विभाग को तकनीकी संसाधनों और मानवबल से मजबूत बनाना होगा। कई बार दुर्घटना के दौरान फायर ब्रिगेड समय पर नहीं पहुंच पाती। संकरी गलियां, ट्रैफिक और अपर्याप्त संसाधन राहत कार्यों को प्रभावित करते हैं। यदि हम वास्तव में ऐसी घटनाओं को रोकना चाहते हैं, तो आपातकालीन सेवाओं को अधिक सक्षम बनाना होगा।

समाज और मीडिया की भूमिका भी कम महत्वपूर्ण नहीं है। मीडिया को केवल सनसनीखेज तस्वीरें दिखाने तक सीमित नहीं रहना चाहिए। उसे उन कारणों की गहराई से पड़ताल करनी चाहिए जो ऐसी घटनाओं को जन्म देते हैं। वहीं समाज को भी सोशल मीडिया पर शोक व्यक्त करने से आगे बढ़कर सक्रिय भागीदारी करनी होगी।

अभिभावक संगठनों, नागरिक समूहों और सामाजिक संस्थाओं को सुरक्षा मानकों की निगरानी और जागरूकता अभियान में भाग लेना चाहिए।

आज आवश्यकता एक सामूहिक आंदोलन की है। जिस प्रकार स्वच्छता, शिक्षा और स्वास्थ्य को लेकर जन-जागरूकता अभियान चलाए गए, उसी प्रकार शैक्षणिक संस्थानों की सुरक्षा को लेकर भी व्यापक अभियान की जरूरत है। प्रत्येक अभिभावक, प्रत्येक छात्र और प्रत्येक नागरिक को यह समझना होगा कि सुरक्षा कोई अतिरिक्त सुविधा नहीं, बल्कि मौलिक अधिकार है।

सबसे बड़ी विडंबना यह है कि हम अक्सर हादसों से सीखते नहीं हैं।

मानसून बिगड़ा तो देश की आर्थिक स्थिति और महंगाई पर असर संभव

अशोक भाटिया

भारतीय रिजर्व बैंक के जून बुलेटिन में प्रकाशित स्टेट ऑफ द इकोनॉमी लेख में कहा गया है कि यदि दक्षिण-पश्चिम मानसून उम्मीद के मुताबिक नहीं रहता, तो इसका असर देश की आर्थिक वृद्धि और महंगाई पर पड़ सकता है. भारत की अर्थव्यवस्था फिलहाल मजबूत स्थिति में है, लेकिन कृषि और ग्रामीण मांग काफी हद तक मानसून पर निर्भर करती है. ऐसे में कमजोर बारिश खाद्य उत्पादन को प्रभावित कर सकती है, जिससे महंगाई बढ़ने और उपभोक्ताओं की क्रय शक्ति पर असर पड़ने की आशंका पैदा हो सकती है.

लेख में कहा गया है कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आर्थिक माहौल अभी पूरी तरह स्थिर नहीं हुआ है. पश्चिम एशिया में हाल के अंतरिम शांति समझौते से कुछ राहत जरूर मिली है, लेकिन भू-राजनीतिक तनाव और व्यापार से जुड़ी अनिश्चितताएं अभी भी बनी हुई हैं. रिपोर्ट के अनुसार दुनिया भर में आर्थिक जोखिम ऊंचे स्तर पर बने हुए हैं और यदि मौजूदा समझौते कमजोर पड़ते हैं या तनाव फिर बढ़ता है, तो इसका असर वैश्विक बाजारों और निवेश गतिविधियों पर दिखाई दे सकता है.

इस समय मानसून का इंतजार कर रहे किसानों के साथ-साथ मानसून की राह देख रहे उत्तर भारत के लोगों के लिए अच्छी खबर नहीं है क्योंकि मानसून अपने समय से लेट हो चुका है। मौसम विभाग के मुताबिक मानसून एक सप्ताह की देरी से आ सकता है। स्काईमेट का दावा है कि उत्तर भारत में मानसून आने में देर हो सकती है। मौसम विभाग के अनुसार इस बार वह कमजोर रहने वाला है, जबकि प्री-मानसून में भी बारिश बहुत कम हुई है। इसके साथ ही आधिकारिक तौर पर चार माह के लिए बारिश के मौसम की शुरूआत होती है। लेकिन इस बार आठ जून को मानसून के केरल तट पहुंचते की संभावना जताई गई थी।

गौरतलब है कि पिछले कुछ सालों से भारतीय मानसून को अल-नीनो ने कमजोर करते आ रहा था। कृषि, भारतीय अर्थव्यवस्था की रीढ़ होने के कारण मानसून यहां की कृषि और अर्थव्यवस्था, दोनों को समान रूप से प्रभावित करता है। वास्तव में, मानसून के आसपास भारतीय अर्थव्यवस्था घूमती है। मानसून असफल रहता है तो देश के विकास और अर्थव्यवस्था पर विपरित प्रभाव पडेगा। दरअसल, एक खराब मानसून न केवल तेजी से बढ़ती उपभोक्ता वस्तुओं की मांग को कमजोर करता है, बल्कि आवश्यक खाद्य वस्तुओं के आयात को भी बढ़ावा देता है, और सरकार को कृषि ऋण छूट जैसे उपाय करने को भी मजबूर करता है। जिससे सरकार पर वित्त का दबाव बढ़ जाता है।

वातावरण में आ रहे बदलावों ने बीते कुछ दशकों के दौरान मानसून के मिजाज को बदल डाला है। विशेषज्ञों को लग रहा है कि हमें अपनी खेती में बड़े बदलाव लाने की जरूरत है। उनका मानना है कि अगर जल्द ही हमारी खेती ने मानसून के बदले मिजाज के साथ तालमेल नहीं बिठाया तो एक अरब से ज्यादा आबादी वाले हमारे देश में अभूतपूर्व खाद्यान्न संकट पैदा हो सकता है। जाहिर है, जिस तरह से सिंचाई भगवान भरोसे है और ग्लोबल वार्मिंग से बारिश का चक्र बदल रहा है। उसका सीधा असर कृषि पर पड़ रहा है।

इससे राष्ट्रीय आय में गिरावट के चलते सरकार का राजस्व तेजी से गिरावट आ सकती है। इसलिए कह सकते हैं कि राज्य का राजस्व और आय हर साल मॉनसून पर निर्भर करती है। इन्हीं वजहों से कहा जाता है कि मॉनसून का भारतीय अर्थव्यवस्था से गहरा नाता है। यदि मानसून कमजोर रहा तो देश के सामने कई मुश्किलें खड़ी हो सकती हैं। कृषि उत्पाद पर असर पड़ सकता है। पैदावार पूरी तरह प्रभावित होने से महंगाई का बढ़ना निश्चित है। इतना ही नहीं, अर्थव्यवस्था में प्राण फूंकने की कोशिशों को करारा झटका लग सकता है।

वहीं ग्रामीण आमदनी और उपभोक्ता के खर्च के लिए मौसमी बारिश अहम कारक है। देश की दो-तिहाई भाग ग्रामीण क्षेत्रों में है, जहां कृषि ही आय का मुख्य स्त्रोत है। मानसून को लेकर जो खबरें आ रही हैं, उनसे लग रहा है कि परिस्थितियां डराने वाली होंगी।

वास्तव में किसानों के लिए गर्मी के मौसम की बारिश बड़ी अहमियत रखते है क्योंकि देश के केवल 40 फीसद कृषि क्षेत्र के बारे में कहा जा सकता है कि वहां सिंचाई की सुविधाएं हैं और एकाध मानसून में वह गड़बड़ी बर्दाश्त कर सकता है। लेकिन शेष 60 फीसद इलाका मानसून पर ही निर्भर होता है। ऐसे में बारिश सामान्य से कम हुई तो मुश्किल होना स्वाभाविक है। यों कहें बारिश और खाद्यान्न उत्पादन का कीमतों से सीधा संबंध है। कम बारिश और उच्च महंगाई का रिश्ता स्पष्ट दिखाई देता है। चूंकि देश के 14 करोड़ से अधिक परिवार खेती पर निर्भर है, इसलिए कम बारिश की स्थिति में खेती-किसानी से जुड़े अधिकांश छोटे किसानों का जीवन सर्वाधिक प्रभावित होता है। तो कहा जा सकता है कि अभी भी भारतीय कृषि बहुत हद तक मानसून पर निर्भर है।

जीसीसी के लिए प्रचुर टैलेंट उपलब्ध कराएगा इन्वेस्ट यूपी व टीमलीज का समझौता

लखनऊ/बेंगलुरु।
उत्तर प्रदेश में स्थापित किए जा रहे नए ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर्स (जीसीसी) को कुशल वर्कफोर्स उपलब्ध कराने के लिए 'इन्वेस्ट यूपी' ने टीमलीज ग्रुप के साथ समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। बेंगलुरु में गत दिवस ह्लउत्तर प्रदेश ग्लोबल ग्रोथ डायलॉग 2026ह्व आयोजन के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की उपस्थिति में इन्वेस्ट यूपी के सीईओ विजय किरण आनंद तथा टीमलीज सर्विसेज की एमडी एवं ग्रुप सीईओ सुपर्णा मित्रा व टीमलीज डिजिटल की सीईओ नीति शर्मा ने इस एमओयू पर हस्ताक्षर किए।

यह साझेदारी उत्तर प्रदेश को जीसीसी सेक्टर में निवेश के लिए प्रतिस्पर्धी और भरपूर टैलेंट की उपलब्धता वाला हब बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। अब ग्लोबल कंपनियां पारंपरिक मेट्रो शहरों से आगे बढ़कर नए शहरों में जीसीसी स्थापित कर रही हैं। उभरते जीसीसी शहरों में नौकरियों की वृद्धि 40-45 प्रतिशत है, जबकि मेट्रो हब में यह 19 प्रतिशत ही है। ऐसे में इन्वेस्ट यूपी व टीमलीज का यह समझौता नए जीसीसी के लिए नियुक्तियों में लगने वाला समय कम करेगा और शुरूआती चरण की टैलेंट भर्ती को आसान बनाएगा।

यूपी का जीसीसी विजन 2031

जीसीसी पॉलिसी-2024 के तहत यूपी ने वर्ष 2031 तक 500 ग्लोबल कैपेसिटी सेंटर्स स्थापित करने का लक्ष्य रखा है। इसके लिए अब नोएडा-ग्रेटर नोएडा से आगे बढ़कर लखनऊ, कानपुर जैसे टियर-2 व टियर-3 शहरों पर फोकस किया जा रहा है। इस साझेदारी के तहत टीमलीज ग्रुप नए जीसीसी के लिए 'स्टार्टर पैकेज' देगा। इसमें किसी भी जीसीसी को सेटअप के लिए 90 दिनों तक वर्कफोर्स और एआई (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) परामर्श निःशुल्क मिलेगा। गौरतलब है कि हर चरण की भर्तियों, इंडक्शन/ऑनबोर्डिंग, एआई/मशीन लर्निंग जैसी विशिष्ट जरूरतों वाली नियुक्तियों, एआई रणनीति व उसके क्रियान्वयन में टीमलीज को विशेषज्ञता हासिल है।

इस असर पर इन्वेस्ट यूपी के सीईओ विजय किरण आनंद ने कहा कि हम यूपी को भारत के अग्रणी जीसीसी डेस्टिनेशन के रूप में विकसित करने की नींव रख रहे हैं। जब कंपनियां पारंपरिक स्थानों से आगे बढ़ रही हैं, तो यह जरूरी है कि टैलेंट के अवसर भी राज्य के उभरते केंद्रों तक पहुंचें। टीमलीज के साथ यह साझेदारी वर्कफोर्स की तैयारी मजबूत करेगी तथा उद्योग व कौशल विकास के संबंधों को नई गति देगी। नए उभरते क्षेत्रों में स्किल्ड मैनपावर से राज्य की विकास यात्रा तेजी से आगे बढ़ेगी।

टीमलीज की एमडी एवं ग्रुप सीईओ सुपर्णा मित्रा ने कहा कि किसी नए जीसीसी का प्रदर्शन इस बात पर निर्भर करता है कि उसे कुशल मैनपावर कितनी जल्दी और कितनी बड़ी संख्या में उपलब्ध होता है। देशभर में 110 से अधिक जीसीसी पार्टनरशिप और यूपी में 1,470 से अधिक सक्रिय जीसीसी कर्मियों के साथ हम योजना स्तर पर ही कंपनियों को स्किल्ड वर्कफोर्स समेत तमाम तकनीकी आवश्यकताओं में मदद देने की स्थिति में हैं। इन्वेस्ट यूपी के साथ यह साझेदारी से यूपी में टैलेंट व स्किलिंग इकोसिस्टम और मजबूत होगा। टीमलीज ग्रुप 4,000 से अधिक नियोक्ताओं को हायरिंग, उत्पादकता और एंड-टू-एंड वर्कफोर्स समाधान उपलब्ध कराती है। कंपनी ने 25 साल में 24 लाख से अधिक पेशेवरों की प्लेसमेंट की है और दुबई व सिंगापुर तक अपनी उपस्थिति दर्ज करा चुकी है।

भगोड़े नेताओं को पार्टी में पद बांट रही भाजपा : शिवपाल यादव

इटावा।
समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव शिवपाल सिंह यादव मुहर्रम के जुलूस में शामिल होने इटावा पहुंचे, शिवपाल सिंह यादव ने पत्रकारों से बात करते हुए भारतीय जनता पार्टी पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि भगोड़े नेताओं को भाजपा पार्टी में पद दे रही है। इन भगोड़ों को पार्टी से निकाला नहीं गया यह भाग गए हैं, इन्हें पहले पार्टी से इस्तीफा देना चाहिए। प्रदेश कार्यकारिणी में ओबीसी नेताओं को ज्यादा पद दिए जाने पर कहा कि भाजपा समाजवादी पार्टी के पीडीए फामूर्ला से डरी हुई है।

गुरुवार शाम को इटावा में मुहर्रम के जुलूस में शामिल होने पहुंचे समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव शिवपाल सिंह यादव ने पत्रकारों से बात करते हुए भारतीय जनता पार्टी पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी भगोड़े नेताओं को पद बांट रही है इन भगोड़े नेताओं को पार्टी से निकाला नहीं गया यह भाग गए है, इन्हें पहले समाजवादी पार्टी से इस्तीफा देना चाहिए। प्रदेश कार्यकारिणी में ओबीसी नेताओं को ज्यादा पद दिए जाने पर उन्होंने कहा कि भाजपा पीडीए के फामूर्ला से डरी हुई है। पार्टी में बड़े नेताओं के बेटों को पद दिए जाने के सवाल पर उन्होंने कहा कि हम लोगों को जनता जिताती है हमें पार्टी के पद से कोई मतलब नहीं रहता। राम मंदिर चंदा चोरी पर उन्होंने कहा कि इतनी बड़ी चोरी हो गई इसकी जांच होनी चाहिए और चोरों को कड़ी सजा मिलनी चाहिए ।

मजदूर की हत्या के दो दोषियों को आजीवन कारावास

फिरोजाबाद।
न्यायालय ने बृहस्पतिवार को मजदूर की हत्या के दो दोषियों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। उन पर अर्थ दंड लगाया है। अर्थ दंड न देने पर उन्हें अतिरिक्त सजा भुगतनी होगी।

जनपद मैनपुरी थाना बरनाहल के गांव कसौली निवासी शिवराम सिंह अपने परिवार के साथ जनपद के थाना सिरसागंज के क्षेत्र शंकरपुर कालोनी कुंजपुरा में किराए के मकान में रहता था। वह ईंट भट्टे पर मजदूरी करता था। वहां काम नहीं होता था तो कहीं भी मजदूरी कर लेता था। वह 17 अगस्त 2015 को करहल चुंगी के पास काम कर रहा था। उसी दौरान वहाँ मलखान सिंह पुत्र हरदयाल निवासी सराय शेख सिरसागंज तथा दलवीर सिंह पुत्र राम सेवक निवासी लखनपुरा आए। उनके साथ एक व्यक्ति और था। वह शिवराम सिंह को यह कहकर ले गए कि शिकोहाबाद में काम दिला देंगे तथा कुछ पैसा एडवांस भी दिला देंगे। इसके बाद वह वापस नहीं लौटा। पत्नी के फोन करने पर फोन मलखान ने उठाया। उसने पत्नी से कहा वह रात 9 बजे तक घर पहुंच जाएगा। वह देर रात तक नहीं पहुंचा तो उसकी पत्नी उसके घर पहुंची। वहां मलखान ने उसके साथ गाली गलौज की तथा कहा कि उसे नहीं मालूम। परिवार वालों में उसकी तलाश की। शिवराज सिंह का शव 19 अगस्त को जनपद इटावा के बकेबर के समीप सिरसा नहर में मिला। उसके हाथ पर नाम लिखा था। गले में रस्सी बांधी थी। उसके भाई जयराम सिंह ने बकेवर में मुकदमा दर्ज कराया।

बकेवर पुलिस ने निल पर मुकदमा दर्ज कर थाना सिरसा गंज भेज दिया। सिरसागंज पुलिस ने विवेचना कर न्यायालय में मलखान व दलवीर के खिलाफ आरोप पत्र दाखिल कर दिया।

मुकदमा अपर सत्र न्यायधीश, फास्ट ट्रैक कोर्ट संख्या 2 विमल वर्मा की अदालत में चला। अभियोजन पक्ष की तरफ से मुकदमे की पैरवी एडीजीसी अजय कुमार यादव ने की।

मुकदमे के दौरान कई गवाहों ने गवाही दी।

जीआरपी ने एक लाख रुपये की कोडीन सिरप के साथ तस्कर को किया गिरफ्तार, 477 शीशियां बरामद

प्रयागराज।
जीआरपी प्रयागराज और आरपीएफ की संयुक्त टीम ने रेलवे स्टेशन प्रयागराज छिवकी पर बड़ी कार्रवाई करते हुए अवैध कोडीन सिरप की तस्करी करने वाले एक शातिर तस्कर को गिरफ्तार किया है। आरोपित के कब्जे से दो सूटकेसों में रखी 477 शीशी कोडीन युक्त कफ सिरप बरामद की गई है, जिसकी कीमत लगभग एक लाख रुपये आंकी गई है।

पुलिस के अनुसार, 25 जून 2026 को पुलिस महानिदेशक रेलवे, पुलिस महानिरीक्षक रेलवे प्रयागराज तथा पुलिस अधीक्षक रेलवे प्रयागराज के निर्देशन में रेलवे स्टेशनों एवं ट्रेनों में अपराध नियंत्रण और अवैध तस्करी के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत यह कार्रवाई की गई। क्षेत्राधिकारी रेलवे प्रयागराज अरुण कुमार पाठक के निकट पर्यवेक्षण में प्रभारी निरीक्षक जीआरपी प्रयागराज अकलेश कुमार सिंह को मुखबिर से सूचना मिली थी कि एक व्यक्ति दो सूटकेसों में अवैध कोडीन सिरप लेकर जा रहा है।

सूचना के आधार पर जीआरपी और आरपीएफ की संयुक्त टीम ने रेलवे स्टेशन छिवकी के प्लेटफार्म संख्या-1 पर दिल्ली एंड साइड एस्केलेटर के नीचे स्थित बेंच के पास घेराबंदी कर आरोपित मोहम्मद फाहद (26) पुत्र मेहराजुद्दीन खान निवासी अमृत नगर, ठाणे (महाराष्ट्र) को गिरफ्तार कर लिया।

तलाशी के दौरान आरोपित के दो सूटकेसों से WINGS BIOTECH LLP द्वारा निर्मित डठएफए COUGH SYRUP की कुल 477 शीशियां (प्रत्येक 100 एमएल) बरामद हुईं।

पूछताछ में सामने आया कि आरोपित मुंबई से अवैध कोडीन सिरप लाकर प्रयागराज में सप्लाई करता था और ऊंचे दामों पर बेचकर अवैध लाभ कमाता था।

स्वर्गद्वारी से लौट रहे श्रद्धालुओं की बोलेरो नेपाल में खाई में गिरी, 11 घायल

बलरामपुर।
नेपाल के प्रसिद्ध स्वर्गद्वारी स्थित प्रभुनाथ मंदिर के दर्शन कर लौट रहे भारतीय श्रद्धालुओं की बोलेरो गुरुवार को नेपाल के कोयलावास क्षेत्र के पास अनियंत्रित होकर पहाड़ी खाई में पलट कर टकरा गई। हादसे में छोटे बच्चों सहित 11 लोग घायल हो गए।

स्थानीय लोगों की मदद से सभी घायलों को नेपाली एंबुलेंस के माध्यम से भारत में जनपद के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र तुलसीपुर लाया गया, जहां उनका उपचार किया गया। घायलों में सात लोगों की हालत गंभीर होने पर प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया, जबकि चार लोगों का इलाज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र तुलसीपुर में चल रहा है। वहीं कुछ अन्य लोगों को मामूली चोटें आने पर उपचार के बाद घर भेज दिया गया।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र तुलसीपुर के प्रभारी चिकित्साधिकारी डॉ. सुजीत कुमार ने बताया कि घायल राधेश्याम (30 वर्ष), रविंद्र कुमार (45 वर्ष), उषा देवी (35 वर्ष), लीलावती (55 वर्ष), रेणु देवी (25 वर्ष), सुनीता (40 वर्ष) तथा हुलजा देवी (55 वर्ष) की गंभीर स्थिति को देखते हुए जिला अस्पताल रेफर किया गया है।वहीं अक्षय (7 वर्ष), शुभम (5 वर्ष) तथा सहज राम (38 वर्ष) सहित अन्य घायलों का उपचार सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र तुलसीपुर में किया जा रहा है।

घायल राधेश्याम ने बताया कि वे बुधवार को हरैया थाना क्षेत्र के महबूबनगर भयापुरवा गांव से अन्य ग्रामीणों के साथ स्वर्गद्वारी स्थित प्रभुनाथ मंदिर के दर्शन के लिए गए थे। गुरुवार को वापस लौटते समय नेपाल के कोयलावास क्षेत्र के पास उनकी बोलेरो दुर्घटनाग्रस्त होकर खाई में गिर गई, जिससे सभी लोग घायल हो गए।

फर्जी नियुक्ति पत्र देकर नौकरी दिलाने के नाम पर ठगी, अभियुक्त गिरफ्तार

गोरखपुर।
नौकरी दिलाने के नाम पर ठगी करने वाले गिरोह के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना एम्स पुलिस को बड़ी सफलता मिली है।

पुलिस ने गुरुवार को फर्जी नियुक्ति पत्र देकर धोखाधड़ी करने वाले एक वांछित अभियुक्त को गिरफ्तार किया है।

पुलिस अधीक्षक नगर के मार्गदर्शन एवं क्षेत्राधिकारी कैण्ट के पर्यवेक्षण में प्रभारी निरीक्षक एम्स के नेतृत्व में पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए अभियुक्त जयसिंह पुत्र हरि प्रताप सिंह निवासी अहिरौली सरदार नगर, थाना चौरी चौरा को गिरफ्तार किया। वह काफी समय से वांछित चल रहा था।

प्रकरण के अनुसार, अभियुक्त ने एक महिला को एम्स गोरखपुर में वार्ड बॉय की नौकरी दिलाने का झांसा दिया। इसके एवज में उसने महिला से 1,30,000 रुपये की धनराशि ले ली और बाद में उसे फर्जी नियुक्ति पत्र थमा दिया।

जब पीड़िता को ठगी का एहसास हुआ, तो उसने थाना एम्स में तहरीर देकर मुकदमा दर्ज कराया।

मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने जांच शुरू की और साक्ष्यों के आधार पर अभियुक्त की तलाश की जा रही थी। अंततः पुलिस टीम ने उसे गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के आधार पर थाना एम्स में मु0अ0सं0 433/2025 के तहत धारा 318(4), 338, 336(3), 340(2), 351(2) भा0न्या0सं0 में मुकदमा पंजीकृत है।

पुलिस ने बताया कि अभियुक्त से पूछताछ की जा रही है और यह भी पता लगाया जा रहा है कि उसने अन्य लोगों के साथ भी इसी तरह की ठगी तो नहीं की है। इस तरह के मामलों में संलिप्त अन्य व्यक्तियों की भी जांच की जा रही है।

पुलिस अधिकारियों ने आमजन से अपील की है कि नौकरी के नाम पर किसी भी प्रकार के लालच या झांसे में न आएं और किसी भी संस्था में नियुक्ति के लिए केवल आधिकारिक प्रक्रिया का ही पालन करें।

विवाद की पैरवी में वृद्ध ठेकेदार की कुल्हाड़ी से हत्या, दो भाइयों के खिलाफ मुकदमा दर्ज

हमीरपुर।
उत्तर प्रदेश के हमीरपुर जिले मे जरिया थाना क्षेत्र के विकासखंड गोहण्ड में जमीन विवाद की पैरवी कर रहे 64 वर्षीय वृद्ध की कुल्हाड़ी से हमला कर हत्या कर दी गई। यह घटना जरिया थाना क्षेत्र के गोहांड-बागीपुरा मार्ग पर हुई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

मृतक की पहचान गोहांड कस्बा निवासी देशराज पुत्र परमलाल के रूप में हुई है।

उपलब्धि : बीएचयू को मिला कम लागत वाले पर्यावरणीय सिमुलेशन उपकरण का भारतीय पेटेंटउपलब्धि : बीएचयू को मिला कम लागत वाले पर्यावरणीय सिमुलेशन उपकरण का भारतीय पेटेंट

वाराणसी।
काशी हिंदू विश्वविद्यालय (बीएचयू) को छोटे प्रयोगात्मक पशुओं पर विभिन्न पर्यावरणीय परिस्थितियों के प्रभाव का अध्ययन करने वाले एक कम लागत एवं पोर्टेबल उपकरण तैयार करने के लिए भारतीय पेटेंट प्राप्त हुआ है। इस आविष्कार का शीर्षक है अ लो-कोस्ट एंड पोर्टेबल, स्मॉल एनिमल्स डिवाइस फॉर सिम्युलेशन ऑफ डिफरिंग एनवायरनमेंटल कंडीशन्स। यह आविष्कार बीएचयू चिकित्सा विज्ञान संस्थान, शरीर क्रिया विज्ञान विभाग में डॉ अनिल कुमार यादव ने डॉ. कुमार सर्वोत्तम के मार्गदर्शन में पीएच.डी. शोध कार्य के दौरान विकसित किया है। यह उपकरण छोटे प्रयोगात्मक पशुओं के लिए कृत्रिम रूप से अलग-अलग पर्यावरणीय परिस्थितियाँ तैयार कर सकता है। इसके माध्यम से ऑक्सीजन की मात्रा, वायुदाब, तापमान, आर्द्रता (नमी), वायु की गुणवत्ता तथा प्रकाश जैसी परिस्थितियों को नियंत्रित किया जा सकता है। इससे वैज्ञानिकों को समझने में मदद मिलेगी कि बदलती पर्यावरणीय परिस्थितियों का जीवों के शरीर क्रिया और व्यवहार पर क्या प्रभाव पड़ता है। अब तक इस प्रकार के अधिकांश उपकरण या तो बहुत महंगे थे और एक समय में केवल एक-दो पर्यावरणीय स्थितियों का ही अध्ययन कर सकते थे। उपकरण से देश के सीमित संसाधनों वाले शैक्षणिक एवं अनुसंधान प्रयोगशालाओं को भी कम खर्च में आधुनिक शोध सुविधाएँ उपलब्ध हो सकेंगी। इस उपकरण का उपयोग उच्च पर्वतीय क्षेत्रों में कम ऑक्सीजन की स्थिति, वायु प्रदूषण, जलवायु परिवर्तन, श्वसन संबंधी रोगों, अंतरिक्ष एवं विमानन चिकित्सा तथा अन्य जैव-चिकित्सकीय अनुसंधानों में किया जा सकेगा। वैज्ञानिकों का मानना है कि यह उपकरण भविष्य में नई दवाओं के परीक्षण और मानव स्वास्थ्य से जुड़े विभिन्न शोधों में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। इस आविष्कार के लिए काशी हिंदू विश्वविद्यालय को भारतीय पेटेंट प्रदान किया गया है।

100 शैय्या युक्त अस्पताल निर्माण की धीमी प्रगति पर डीएम नाराज, गुणवत्ता सुधारने के दिए निर्देश

जौनपुर।
यूपी के जौनपुर में जिलाधिकारी सैमुअल पॉल एन. ने गुरुवार को जिले की दो महत्वपूर्ण निर्माण परियोजनाओं का स्थलीय निरीक्षण कर प्रगति और गुणवत्ता का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने सिकरारा में निमार्णाधीन 100 शैय्यायुक्त चिकित्सालय की धीमी प्रगति और गुणवत्ता को लेकर नाराजगी जताते हुए संबंधित अधिकारियों एवं कार्यदायी संस्था को आवश्यक निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने सबसे पहले जफराबाद-सुल्तानपुर-लखनऊ रेलखंड पर राष्ट्रीय राजमार्ग-231 स्थित समपार संख्या 09-बी पर निमार्णाधीन चार लेन रेल उपरिगामी सेतु (आरओबी) का निरीक्षण किया। उन्होंने निर्माण कार्य की प्रगति पर संतोष व्यक्त करते हुए उत्तर प्रदेश राज्य सेतु निगम लिमिटेड के अधिकारियों को श्रमिकों की संख्या बढ़ाने तथा सुरक्षा मानकों का पालन करते हुए जून 2027 तक परियोजना को गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सेतु के निर्माण से क्षेत्र में जाम की समस्या कम होगी और आवागमन अधिक सुरक्षित एवं सुगम बनेगा।इसके बाद जिलाधिकारी ने मुख्यमंत्री घोषणा के तहत प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र सिकरारा को उच्चीकृत कर बनाए जा रहे 100 शैय्यायुक्त चिकित्सालय के निर्माण कार्य का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान निर्माण कार्य की भौतिक प्रगति अपेक्षाकृत धीमी तथा गुणवत्ता मानकों के अनुरूप न पाए जाने पर उन्होंने संबंधित अधिकारियों और कार्यदायी संस्था के प्रति नाराजगी व्यक्त की।उन्होंने स्पष्ट कहा कि निर्माण कार्य की गुणवत्ता से किसी प्रकार का समझौता स्वीकार नहीं किया जाएगा।

सभी कार्य निर्धारित तकनीकी मानकों के अनुरूप कराए जाएं तथा परियोजना को समयबद्ध ढंग से पूरा किया जाए। जिलाधिकारी ने अस्पताल परिसर के सामने परियोजना की लागत, कार्यदायी संस्था, प्रगति और पूर्णता की समयसीमा दशार्ने वाला सूचना बोर्ड लगाने के भी निर्देश दिए।

मानव कंकाल बरामदगी में हत्यारा प्रेमी गिरफ्तार

सोनभद्र।
बीजपुर थाना क्षेत्र में कुछ दिन पहले मिले एक महिला के नर कंकाल मामले में पुलिस ने हत्यारे प्रेमी को घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल के साथ गिरफ्तार कर लिया है।

पुलिस क्षेत्राधिकारी दुद्धी राजेश कुमार राय ने गुरुवार को बताया की दिनांक 30 मई को मोटकी मुकुट पहाड़ी धरतीडाड़ के पास एक मानव कंकाल व उसके पास पड़ी साड़ी, चप्पल व पायल बरामद हुआ था जिसके संबंध में थाना बीजपुर पर अभियोग पंजीकृत कर विवेचना की जा रही थी। जांच के दौरान महिला की पहचान उसकी मां ने पार्वती निवासी म्योरपुर के रूप में किया था व मृतक महिला भी शादी शुदा थी। पुलिस टीम ने इस हत्या मामले में एक सह अभियुक्त सुरेश कुमार को पूर्व में ही गिरफ्तार कर लिया था और मुख्य अभियुक्त लाला भैया के गिरफ्तारी के लिए लगी थी। पुलिस टीम ने आज सुबह नौ बजे चेतवा मोड़ के पास से मुख्य अभियुक्त लाला भैया उर्फ लाले पनिका पुत्र बाल गोविन्द निवासी सिसवा झापर, थाना बभनी को गिरफ्तार कर लिया है। पुछताछ में गिरफ्तार मुख्य अभियुक्त ने बताया की वह भी शादी शुदा है और मृतक महिला जिससे उसका प्रेम प्रसंग चल रहा था वह भी शादी शुदा थी।

इधर बीच महिला शादी करने के लिए दबाव बना रही थी जिसे रास्ते से हटाने के लिए हत्या करने का मन बनाया।

पीटीईटी-2026 को नकलविहीन और पारदर्शी ढंग से कराने के निर्देश, 23 केंद्रों पर होगी परीक्षा

जौनपुर।
जिलाधिकारी सैमुअल पॉल एन. की अध्यक्षता में गुरुवार देर शाम कलेक्ट्रेट सभागार में उत्तर प्रदेश शिक्षक पात्रता परीक्षा (यूपीटीईटी)-2026 के शांतिपूर्ण, निष्पक्ष एवं नकलविहीन आयोजन को लेकर बैठक आयोजित की गई। बैठक में परीक्षा से संबंधित तैयारियों की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने सभी अधिकारियों को आयोग के दिशा-निर्देशों का शत-प्रतिशत अनुपालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।जिलाधिकारी ने कहा कि परीक्षा की शुचिता और पारदर्शिता बनाए रखना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने परीक्षा केंद्रों पर सुरक्षा व्यवस्था, सीसीटीवी निगरानी, निर्बाध विद्युत आपूर्ति, पेयजल, स्वच्छता तथा अन्य आवश्यक सुविधाएं समय से उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। साथ ही सेक्टर और स्टैटिक मजिस्ट्रेटों को नियमित निरीक्षण कर व्यवस्थाओं की निगरानी करने को कहा।

बैठक में बताया गया कि यूपीटीईटी-2026 का आयोजन 2 एवं 3 जुलाई को दो-दो पालियों तथा 4 जुलाई को प्रथम पाली में किया जाएगा। जनपद में कुल 23 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। परीक्षा के सफल संचालन के लिए 23 सेक्टर मजिस्ट्रेट, 23 स्टैटिक मजिस्ट्रेट, पांच आरक्षित सेक्टर मजिस्ट्रेट और आठ आरक्षित स्टैटिक मजिस्ट्रेट तैनात किए गए हैं।जिलाधिकारी ने केंद्राध्यक्षों को उनके दायित्वों की जानकारी देते हुए कहा कि परीक्षा की गोपनीयता और पारदर्शिता बनाए रखने के साथ अभ्यर्थियों को आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराना उनकी प्राथमिक जिम्मेदारी होगी।

केरल सरकार जूट उद्योग को देगी नई संजीवनी, 157 करोड़ का बजट आवंटित

श्रमिकों के वेतन संशोधन, निर्यात वृद्धि और आधुनिकीकरण पर रहेगा जोर

अलप्पुझा।

केरल सरकार ने जूट उद्योग के पुनरुद्धार और व्यापक सुधारों के लिए अपनी प्रतिबद्धता जताई है। गृह मंत्री रमेश चेन्निथला ने घोषणा की कि राज्य बजट में इस क्षेत्र के लिए आवंटित 157 करोड़ रुपये इसकी पुनर्बहाली में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। उन्होंने जोर दिया कि सरकार पारंपरिक उद्योगों की समस्याओं के समाधान को लेकर गंभीर है, जिनमें अलप्पुझा की अर्थव्यवस्था की रीढ़ रहा जूट उद्योग भी शामिल है। चेन्निथला ने बताया कि पदभार ग्रहण करने के तुरंत बाद, सरकार ने जूट क्षेत्र से जुड़ी समस्याओं के प्रबंध निदेशकों की बैठक बुलाई थी। श्रमिकों के वेतन संशोधन, कल्याणकारी लाभों, निर्यात बढ़ाने और नए अंतरराष्ट्रीय बाजारों की पहचान जैसे मुद्दों पर एक व्यावहारिक दृष्टिकोण के साथ काम किया जा रहा है। उद्योग के आधुनिकीकरण और उसे वैश्विक बाजार में अधिक प्रतिस्पर्धी बनाने के लिए आवश्यक कदम तय करने हेतु 4 जुलाई को अलप्पुझा में जूट उत्पादों के निर्यातकों की एक विशेष बैठक आयोजित की जाएगी।

इस हफ्ते 4 दिन बैंक बंद रहेंगे, जरूरी काम निपटाने से पहले जानें पूरी लिस्ट

मुहर्रम और साप्ताहिक छुट्टियों के कारण देश के कई हिस्सों में नहीं होगा कामकाज

मुंबई।

अगर अगले हफ्ते बैंक से जुड़े कामकाज निपटाने की योजना बना रहे हैं, तो यह खबर आपके लिए बेहद जरूरी है। दरअसल, 22 से 28 जून के बीच चार दिनों के लिए बैंक बंद रहेंगे। भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) ने जून महीने के लिए कुल 11 छुट्टियों की लिस्ट जारी की है, जिसमें राष्ट्रीय, क्षेत्रीय और धार्मिक अवकाश शामिल हैं। हालांकि, कुछ छुट्टियां राज्यों या क्षेत्रों के हिसाब से अलग होती हैं, लेकिन राष्ट्रीय छुट्टियों पर देश भर में बैंक शाखाएं बंद रहेंगी। आरबीआई के हॉलीडे कैलेंडर के अनुसार, अगले सप्ताह 25, 26, 27 और 28 जून 2026 को बैंकों में कामकाज नहीं होगा। 25 और 26 जून को मुहर्रम के कारण देश के कई इलाकों में बैंक बंद रहेंगे। 25 जून को विजयवाड़ा में अवकाश रहेगा, जबकि 26 जून को अगरतला, बेंगलुरु, भोपाल, चेन्नई, हैदराबाद, जम्मू, कानपुर, कोलकाता, लखनऊ, मुंबई, नागपुर, नई दिल्ली, पटना, रायपुर, रांची और श्रीनगर सहित कई प्रमुख शहरों में बैंक बंद रहेंगे। इसके बाद, 27 जून को चौथा शनिवार होने के कारण पूरे देश में बैंक बंद रहेंगे, जबकि 28 जून को रविवार का साप्ताहिक अवकाश रहेगा। यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि आरबीआई दिशानिर्देशों के अनुसार हर दूसरे और चौथे शनिवार के साथ-साथ सभी रविवार को बैंक अनिवार्य रूप से बंद रहते हैं। जून 2026 में कुल चार रविवार और दो शनिवार (13 और 27 जून) अवकाश हैं। अतः, बैंक जाने से पहले अपनी योजना सुनिश्चित कर लें।

एचआरवी फार्मा ने बिना प्लांट बनाया 400 करोड़ का एपीआई कारोबार

कंपनी 50 से अधिक यूएसएफडीए-अनुमोदित साझेदारों के साथ काम करती है

नई दिल्ली।

हैदराबाद की एचआरवी फार्मा ने फार्मा उद्योग के पारंपरिक मॉडल को चुनौती देते हुए बिना किसी विनिर्माण कारखाने के एक्टिव फार्मास्युटिकल इनग्रेडिएंट (एपीआई) कारोबार में अपनी पहचान बनाई है। कंपनी ने नियामकीय मंजूरी प्राप्त 50 से अधिक विनिर्माण साझेदारों के साथ मिलकर एक वर्चुअल एपीआई प्लेटफॉर्म तैयार किया है, जिसके दम पर उसने वित्त वर्ष 2025 में 400 करोड़ रुपये का राजस्व हासिल किया है। एचआरवी फार्मा के एक प्रमुख अधिकारी के अनुसार, यह मॉडल विनिर्माण परिसंपत्तियों के बजाय नियामकीय खुलासे और ग्राहक संबंधों पर केंद्रित है, जिसे उन्होंने दुनिया का पहला वर्चुअल एपीआई प्लेटफॉर्म बताया है। कंपनी ने पिछले पांच वर्षों में 60-65 फीसदी सालाना वृद्धि दर्ज की है और 700 से अधिक वैश्विक ग्राहकों को सेवाएं देती है। इसका लक्ष्य अगले कुछ वर्षों में 1,000 करोड़ रुपये की आय तक पहुंचना है, जबकि वित्त वर्ष 2027 तक 550 करोड़ रुपये का राजस्व अनुमानित है। 1 लाख रुपए के शुरुआती निवेश से शुरू हुआ यह एसेट-लाइट ढांचा कंपनी को बिना बाहरी पूंजी के विस्तार करने में सक्षम बनाता है।

शेयर बाजार बढ़त के साथ बंद

सेंसेक्स 291, निफ्टी 89 अंक ऊपर आया

मुंबई।

भारतीय शेयर बाजार सोमवार को तेजी के साथ बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन बाजार में ये उछाल दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीददारी हावी रहने से आया है। इसी कारण दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 291.17 अंक बढ़कर 77,094.07 और 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 89.80 अंक उछलकर प्रतिशत 24,102.90 पर बंद हुआ। आजज लार्जकैप के साथ ही मिडकैप और स्मॉलकैप में भी बढ़त रही। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 211.80 अंक बढ़कर 62,729.10 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 112.55 अंक उछलकर 18,897.00 पर बंद हुआ था। बाजार में डिफेंस और मीडिया शेयरों में सबसे अधिक तेजी रही। सूचकांकों में निफ्टी इंडिया डिफेंस और निफ्टी मीडिया मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे। वहीं निफ्टी फार्मा,

निफ्टी हेल्थकेयर, निफ्टी ऑयल एंड गैस, निफ्टी आईटी, निफ्टी कमोडिटीज, निफ्टी पीएसई, निफ्टी इंडिया मैन्युफैक्चरिंग, निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज और निफ्टी एनर्जी के शेयर भी तेजी के साथ बंद हुए। दूसरी ओर निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, निफ्टी एफएमसीजी के शेयरों में गिरावट रही।

रुपया बढ़त पर बंद

मुंबई।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले सोमवार को भारतीय रुपया 26 पैसे की तेजी के साथ ही 94.60 पर बंद हुआ। इससे पहले आज सुबह यह पिछले बंद के स्तर से 4 पैसे कमजोर रहा। हालांकि, यह पिछले सप्ताह की मजबूती के बाद हुआ है, जब रुपये ने 0.8 फीसदी की शानदार वापसी की थी। यह लगभग 3 महीनों में उसका सबसे बेहतरीन प्रदर्शन था। उस दौरान रुपया 94.18 के कई महीनों के उच्चतम स्तर पर भी पहुंच गया था और मई के रिकॉर्ड निचले स्तर 97 से संभल गया था।

भ्रामक विज्ञापनों को लेकर स्टोरिया और इंग्लिश ओवन पर एक-एक लाख का जुर्माना

स्टोरिया के 100 फीसदी जूस और इंग्लिश ओवन के 100 फीसदी आटा ब्रेड के दावे झूठे पाए गए

नई दिल्ली।

केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (सीसीपीए) ने खाद्य उत्पादों के भ्रामक विज्ञापनों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करते हुए स्टोरिया फूड्स एंड बेवरेजेज प्राइवेट लिमिटेड और इंग्लिश ओवन ब्रेड बनाने वाली मिसेज बेक्टर्स फूड स्पेशलिटीज लिमिटेड पर एक-एक लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। प्राधिकरण ने दोनों कंपनियों को अपने उत्पादों की पैकेजिंग, वेबसाइट और सभी डिजिटल मंचों से इन गुमराह करने वाले दावों को तुरंत हटाने का निर्देश दिया है। सीसीपीए ने स्टोरिया फूड्स के उन विज्ञापनों का स्वतः संज्ञान लिया, जिनमें उत्पादों को 100 प्रतिशत नारियल पानी, 100 प्रतिशत अनार या अन्य जूस बताया गया था। विभिन्न ई-कॉमर्स मंचों पर प्रचारित इन उत्पादों की जांच में पाया गया कि उनमें पानी और केवल 9.6 प्रतिशत नारियल पानी का सांद्रण था, जो दावों के विपरीत था। इसी तरह, प्राधिकरण ने इंग्लिश ओवन ब्रेड के विज्ञापनों की भी जांच की, जिनमें ''100 प्रतिशत आटा ब्रेड'' जैसे दावे किए गए थे। कंपनी ने स्वयं स्वीकार किया कि उसके ब्रेड में सिर्फ 87 प्रतिशत गेहूं का आटा था। पैकेजिंग पर '100 प्रतिशत गेहूं का आटा' और जीरो मैदा जैसे दावे उपभोक्ताओं को यह आभास कराते थे कि उत्पाद पूरी तरह आटे से बना है, जो कि भ्रामक था। सीसीपीए ने स्पष्ट किया कि कंपनियों द्वारा किए गए दावे उत्पाद की वास्तविक सामग्री से मेल खाने चाहिए।

विदेशी मुद्रा आवक पर आरबीआई की पैनी नजर, बैंकों से मांगा दैनिक ब्योरा

बाजार को आंकड़ों के सार्वजनिक होने की उम्मीद

नई दिल्ली।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए बैंकों को विदेशी मुद्रा अनिवासी बैंक-खाता (एफसीएनआर-बी) जमा, बाह्य वाणिज्यिक उधारी और विदेशी मुद्रा में उधारी से संबंधित आंकड़े रोजाना साझा करने का निर्देश दिया है। यह कदम विशेष रियायती योजना के तहत विदेशी मुद्रा आवक पर करीब से नज़र रखने के उद्देश्य से उठाया गया है।

बैंकों को 22 जून, 2026 से हर दिन शाम 6 बजे तक वित्तीय बाजार परिचालन विभाग को यह डेटा जमा करना होगा। बाजार विशेषज्ञों का मानना है कि आरबीआई इन आंकड़ों को नियमित अंतराल पर, संभवतः साप्ताहिक रूप से सार्वजनिक करेगा। विशेष योजना और आरबीआई का उद्देश्य- इस साल 8 जून से 30 सितंबर के बीच जमा किए गए एफसीएनआर (बी) जमा आरबीआई की स्वैप सुविधा के लिए पात्र होंगे, जिसमें केंद्रीय बैंक हेजिंग (जोखिम प्रबंधन) से जुड़ी लागत का वहन करेगा।

एक सरकारी बैंक के वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार, आरबीआई इस आमद पर करीबी नजर रखकर यह पता लगाना चाहता है कि क्या उसके नीतिगत उपाय बड़ी मात्रा में विदेशी मुद्रा आकर्षित कर पा रहे हैं और निर्धारित लक्ष्य हासिल हो रहे हैं या नहीं। आंकड़ों के सार्वजनिक होने से बाजार को इस उपाय के प्रभाव का सटीक आकलन करने में मदद मिलेगी।

पिछली योजनाओं से तुलना और भविष्य की संभावनाएं- अतीत में, 2013 की ऐसी ही एक योजना के दौरान आरबीआई ने केवल चार बार एफसीएनआर (बी) आमद के आंकड़े जारी किए थे, जिससे 26 अरब की आवक हुई थी।

2016 में भी इस योजना के जरिये 26 अरब डॉलर की आमद हुई थी, जिसकी अवधि तीन महीने से थोड़ी कम थी।

हालांकि, वर्तमान योजना की अवधि लगभग चार महीने है और विशेषज्ञ अधिक बार रिपोर्टिंग की उम्मीद कर रहे हैं।

नोमुरा की एक रिपोर्ट के अनुसार, 2013 के बाद से विदेश में रहने वाले भारतीय मूल के लोगों की आबादी में 70 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि भारतीय मूल के निवेशक आमतौर पर कम 'कंट्री रिस्क प्रीमियम' की मांग करते हैं, जिससे यह योजना अधिक आकर्षक बन जाती है। नोमुरा का अनुमान है कि 2026 की एफसीएनआर (बी) योजना से 55 अरब की रिकॉर्ड आवक हो सकती है।

जिसका अधिकांश हिस्सा अगस्त-सितंबर में आने की संभावना है।

नोमुरा नोट में कहा गया है कि भले ही डॉलर महंगा हो गया है, फिर भी यह योजना निवेशकों को बड़े अवसर देगी जिससे बेहतर रिटर्न प्राप्त होंगे।

वित्त वर्ष 2025-26 में एफसीएनआर (बी) आमद में गिरावट दर्ज की गई थी, जो 7.08 अरब डॉलर से घटकर 94.6 करोड़ डॉलर रह गई थी, जबकि 31 मार्च 2026 तक कुल बकाया एफसीएनआर (बी) जमा 33.8

स्टील बर्ड हाई-टेक की आय में प्रीमियम हेलमेट की हिस्सेदारी में बढ़ेगी

अगले 5 साल में 2.5 करोड़ हेलमेट उत्पादन और 2,500 करोड़ टर्नओवर का लक्ष्य

मुंबई।

प्रमुख हेलमेट निर्माता स्टीलबर्ड हाई-टेक इंडिया ने अपने प्रीमियम खंड की हिस्सेदारी को 2032 तक 20 प्रतिशत तक पहुंचाने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य रखा है। कंपनी ने बढ़ती मांग के मद्देनजर अगले पांच वर्षों में 500 करोड़ रुपए का निवेश कर अपनी उत्पादन क्षमता बढ़ाने और 2,500 करोड़ रुपए के कुल कारोबार का लक्ष्य भी निर्धारित किया है। कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने जानकारी दी कि पिछले वित्त वर्ष में स्टीलबर्ड की कुल आय 869 करोड़ रुपए थी, जिसमें प्रीमियम खंड का योगदान पांच प्रतिशत से भी कम रहा। कपूर ने बताया, प्रीमियम खंड अभी कुल बाजार का पांच प्रतिशत भी नहीं है, लेकिन यह तेजी से बढ़ रहा है और आने वाले वर्षों में (2032 तक) प्रीमियम हेलमेट बाजार की हिस्सेदारी लगभग 20 प्रतिशत हो जाएगी। कंपनी का प्रीमियम ब्रांड 'इग्नाइट' है, जिसके हेलमेट 3,000 रुपए से शुरू होते हैं। इस वृद्धि को

भुनाने के लिए, स्टीलबर्ड अगले पांच वर्षों में 500 करोड़ रुपए का निवेश करेगी। इस निवेश से कंपनी अपनी निर्माण क्षमता को बढ़ाकर 2.5 करोड़ हेलमेट प्रति वर्ष करेगी और 2,500 करोड़ रुपए के कुल कारोबार का लक्ष्य रखा है। स्टीलबर्ड के वर्तमान में हिमाचल प्रदेश में सात और नोएडा में तीन विनिर्माण संयंत्र हैं, साथ ही एक अनुसंधान एवं विकास केंद्र भी है।

घटती एफडी दरों के बीच चमकते यूएलआईपी, बैंक कर रहे ग्राहकों को आकर्षित

नई दिल्ली।

बैंक फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी) पर घटती ब्याज दरों के बीच, देश के प्रमुख बैंक अपने ग्राहकों को यूनिट लिंक्ड इंश्योरेंस प्लान (यूएलआईपी) की ओर तेजी से आकर्षित कर रहे हैं।

बाजार से जुड़े बेहतर रिटर्न और बीमा सुरक्षा के संयोजन के कारण यूएलआईपी को एक समग्र वित्तीय समाधान के रूप में प्रस्तुत किया जा रहा है।

हाल के वर्षों में यूएलआईपी की बिक्री में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई है, जहां निजी जीवन बीमा कंपनियों के कुल प्रीमियम संग्रह में इनकी हिस्सेदारी 50 फीसदी से अधिक हो चुकी है। कभी भारी-भरकम शुल्क और कम रिटर्न के कारण इसकी छवि खराब थी, लेकिन आईआरडीए के सख्त नियमों ने इसमें कई सुधार किए हैं। विशेषज्ञों के अनुसार, लंबी अवधि में इक्विटी आधारित यूएलपी ने औसतन 10-13 फीसदी तक का रिटर्न दिया है, जो पारंपरिक बीमा योजनाओं से बेहतर माना जाता है।

रांची में नाबार्ड के आम महोत्सव में 100 टन से ज़्यादा आम बिके

तीन दिवसीय आयोजन ने जनजातीय किसानों को सीधा बाजार उपलब्ध कराया

रांची।

झारखंड में राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) द्वारा आयोजित तीन दिवसीय आम महोत्सव रविवार को सफलतापूर्वक संपन्न हो गया। इस महोत्सव में विभिन्न किस्मों के 100 टन से अधिक आमों की बिक्री हुई, जिससे 60 लाख रुपये से अधिक का कुल कारोबार दर्ज किया गया। 19 जून को शुरू हुए इस महोत्सव का मुख्य उद्देश्य जनजातीय किसानों को उनके उत्पादों के लिए सीधा बाजार उपलब्ध कराना और उपभोक्ताओं को उच्च गुणवत्ता वाले आम खरीदने का अवसर प्रदान करना था। आमों की बिक्री औसतन 55-60 रुपये प्रति किलोग्राम की दर से हुई। नाबार्ड झारखंड की मुख्य महाप्रबंधक दीपमाला घोष ने महोत्सव को उपभोक्ताओं और संस्थानों से मिली जबरदस्त प्रतिक्रिया पर खुशी व्यक्त की। उन्होंने कहा कि यह सफलता नाबार्ड की जनजातीय विकास और किसान उत्पादक संगठन (एफपीओ) प्रोत्साहन पहलों के प्रभाव को दर्शाती है। घोष ने उम्मीद जताई कि निर्यातक

और खाद्य प्रसंस्करण कंपनियां अब राज्य के जनजातीय किसानों द्वारा उत्पादित आमों पर ध्यान देंगे और उनके संग्रहण, प्रसंस्करण, ब्रांडिंग व निर्यात की संभावनाएं तलाशेंगे।

विदेशी निवेश आकर्षित करने को सेबी का बड़ा कदम, एफपीआई नियमों की होगी समीक्षा

एक शेयर में निवेश की अनुमति और यूबीओ नियमों में ढील संभव

नई दिल्ली।

भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) देश में सुस्त विदेशी पोर्टफोलियो निवेश (एफपीआई) को बढ़ावा देने के उद्देश्य से अपने मौजूदा नियमों की समीक्षा कर रहा है। अगस्त 2023 में लागू हुए अंतिम लाभकारी स्वामित्व (यूबीओ) के विस्तृत खुलासा प्रावधानों और एफपीआई के लिए निवेश से संबंधित अन्य शर्तों पर पुनर्विचार किया जा रहा है। सूत्रों के अनुसार सेबी एफपीआई को एक ही शेयर में निवेश करने की अनुमति देने पर विचार कर सकता है। मौजूदा नियम के तहत एफपीआई को कम से कम तीन शेयरों में निवेश करना अनिवार्य है, जिससे कुछ विदेशी निवेशक असहज महसूस कर रहे थे। इसके अलावा, नियमित यूबीओ की पहचान के लिए स्वामित्व सीमा में बदलाव पर भी बातचीत हो रही है। सेबी ने पहले यह अनिवार्य किया था कि जो एफपीआई अपने भारतीय प्रबंधनाधीन परिसंपत्तियों (एयूएम) का 50 फीसदी से अधिक हिस्सा किसी एक कॉरपोरेट समूह में रखते हैं, उन्हें अतिरिक्त जानकारियां देनी होंगी। इस प्रावधान ने भी फंड प्रबंधकों के लिए चुनौती खड़ी कर दी थी, हालांकि पिछले साल एयूएम सीमा 25,000 करोड़ रुपये से बढ़ाकर 50,000 करोड़ रुपये कर नियमों में कुछ ढील दी गई थी। धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत अंतिम लाभकारी स्वामित्व की पहचान की भी समीक्षा की जा सकती है। पीएमएलए के तहत, किसी कंपनी में 10 फीसदी से अधिक शेयर रखने वाले किसी भी व्यक्ति की गहन पहचान अनिवार्य है, जिसे 2023 में 20 फीसदी से घटाकर 10 फीसदी किया गया था। चूंकि दुनिया भर में यह सीमा 20 फीसदी है, इसे वैश्विक मानकों के अनुरूप करने के सुझाव दिए जा रहे हैं। यह कदम विदेशी निवेशकों की लगातार बिकवाली के बीच अहम है, जिन्होंने मई और जून में भारी बिकवाली जारी रखी है।

भारत का डेटा सेंटर बूम, 30 अरब डॉलर का निवेश, भविष्य की नींव

भारत में डेटा सेंटर क्षमता 2030 तक 8 गीगावाट तक पहुंचेगी

नई दिल्ली।

वैश्विक आर्थिक उथल-पुथल और ऊर्जा आपूर्ति बाधाओं के बावजूद, भारत का डेटा सेंटर क्षेत्र एक अभूतपूर्व उछाल देख रहा है। स्मार्टफोन उपयोगकर्ताओं की बढ़ती संख्या, विश्व की सबसे अधिक डेटा खपत और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की महत्वाकांक्षी मांगों से प्रेरित होकर, भारत 2030 तक अपनी डेटा सेंटर क्षमता को आठ गुना बढ़ाकर 8 गीगावाट तक पहुंचाने की राह पर है, जिसमें 30 अरब डॉलर से अधिक का पूंजीगत व्यय अपेक्षित है। भारत में फिलहाल 1 गीगावाट डेटा सेंटर क्षमता है, जो इस वित्त वर्ष में दोगुनी हो जाएगी और 2030 तक 8 गीगावाट तक पहुंच जाएगी। गूगल, मेटा, माइक्रोसॉफ्ट जैसी वैश्विक दिग्गज और अदाणी, रिलायंस, भारती, टाटा जैसे भारतीय समूह इस विस्तार में अग्रणी हैं। इस तेजी के पीछे कई कारण हैं- भारत में वैश्विक जनसंख्या का 17 फीसदी हिस्सा है, लेकिन यह वैश्विक डेटा का 20 फीसदी उत्पन्न करता है, जबकि इसके पास वैश्विक डीसी क्षमता का केवल 3 फीसदी है। डेटा संप्रभुता और एआई में अग्रणी बनने की सरकारी महत्वाकांक्षाएं भी इस विस्तार को बल दे रही हैं। यह बूम विनिर्माण क्षेत्र (टर्बाइन, केबल, ट्रांसफॉर्मर निर्माता) और निर्माण क्षेत्र के लिए भी अपार संभावनाएं खोल रहा है। कमिंस जैसे डीजल जेनसेट निर्माता पहले से ही डीसी से 30-35 फीसदी घरेलू राजस्व कमा रहे हैं। सबसे महत्वपूर्ण, डेटा सेंटर इंजीनियर, साइबर सुरक्षा विशेषज्ञों और डीसीआईएम ऑपरेटरों सहित हजारों कुशल रोजगार पैदा करेंगे, जिससे बेरोजगारी संकट को कम करने में मदद मिलेगी। राज्य इन केंद्रों को आकर्षित करने के लिए होड़ कर रहे हैं, जो डिजिटल इंडिया के भविष्य की मजबूत नींव रखेंगे।

अमेरिका-ईरान वार्ता और कच्चे तेल के भाव तय करेंगे सोने-चांदी की दिशा

नई दिल्ली।

इस सप्ताह वैश्विक भू-राजनीतिक और आर्थिक घटनाक्रम, विशेषकर अमेरिका-ईरान वार्ता और कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव, सोने और चांदी की कीमतों की दिशा तय करेंगे। विश्लेषकों ने यह राय जताई है, जिसके अनुसार निवेशकों की जोखिम लेने की क्षमता और ऊर्जा बाजारों पर इन वार्ताओं का सीधा असर पड़ेगा। स्विट्जरलैंड में होने वाली अमेरिका-ईरान वार्ता पर बाजार की पैनी नजर रहेगी। अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ईरान के अधिकारियों के साथ तनाव कम करने के प्रयास से बातचीत का नेतृत्व करेंगे। जानकारों का कहना है कि इन वार्ताओं का परिणाम निवेशकों के जोखिम लेने के रवैये और वैश्विक ऊर्जा बाजारों पर गहरा असर डालेगा, जिसका सीधा प्रभाव बहुमूल्य धातुओं पर दिखेगा। पिछले सप्ताह घरेलू जिंस बाजार में मजबूत रुपये और घटती मांग के कारण सोने और चांदी की कीमतों में गिरावट दर्ज की गई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर सोना 2.2 फीसदी गिरकर 1.47 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ, जबकि चांदी 5.3 फीसदी की गिरावट के साथ 2.33 लाख रुपये प्रति किलोग्राम पर आ गई। बाजार के`` विश्लेषकों ने कहा कि गिरती ऊर्जा कीमतें, मजबूत रुपया और अमेरिकी फेडरल रिजर्व की सख्त नीतिगत रुख ने सोने पर दबाव डाला। वैश्विक बाजारों में डॉलर के मजबूत होने के कारण सोने-चांदी पर दबाव बना रहा, हालांकि रूस-यूक्रेन संघर्ष ने कुछ हद तक सोने को सहारा दिया। उनका कहना है `` कि बहुमूल्य धातुओं का रुझान फिलहाल सीमित दायरे में है, क्योंकि बाजार विशेष रूप से होर्मुज जलडमरूमध्य के रास्ते कच्चे तेल और एलएनजी की आपूर्ति सहित अमेरिका-ईरान वार्ता के घटनाक्रम पर केंद्रित है।

आज होगा वैभव का डेब्यू!

अभिषेक-सैमसन में कौन होगा बाहर? टीम इंडिया की प्लेइंग-11 पर बड़ा सस्पेंस

02 मैचों की टी-20 सीरीज खेलेंगे भारत व आयरलैंड

लंदन, एजेंसी। टी20 विश्व कप 2026 के सफल अभियान के बाद भारतीय टीम अब आयरलैंड के खिलाफ बेलफास्ट में दो मैचों की टी20 सीरीज खेलने उतरेगी। इस सीरीज के साथ श्रेयस अय्यर के नेतृत्व में टीम एक नए अध्याय की शुरुआत करेगी। हालांकि, कप्तानी से ज्यादा चर्चा इस बात की है कि क्या 15 वर्षीय वैभव सूर्यवंशी को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में डेब्यू का मौका मिलेगा। भारत-आयरलैंड के बीच पहला टी20 26 जून को और दूसरा टी20 28 जून को खेला जाएगा। दोनों मैच शाम छह बजे से शुरू होंगे।

वैभव सूर्यवंशी पर पूरे देशभर की टिकी हैं निगाहें...

वैभव सूर्यवंशी ने आईपीएल 2026 में अपने बल्ले से धमाका करते हुए टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा रन बनाए थे। इसके बाद हाल ही में श्रीलंका में हुई इंडिया-ए त्रिकोणीय सीरीज में भी उन्होंने शानदार प्रदर्शन किया। इस टूर्नामेंट में उन्होंने सिर्फ 29 गेंदों में 94 रन की पारी खेली और लिस्ट-ए क्रिकेट का सबसे तेज अर्धशतक जड़ दिया। यही वजह है कि उनके भारतीय टीम में डेब्यू को लेकर उत्सुकता लगातार बढ़ रही है।

जगह बनाना आसान नहीं

वैभव को सीधे प्लेइंग-11 में शामिल करना टीम प्रबंधन के लिए आसान फैसला नहीं होगा। भारत के पास पहले से ही संजू सैमसन और अभिषेक शर्मा जैसी सफल ओपनिंग जोड़ी मौजूद है। टी20 विश्व कप में सैमसन ने शुरुआत में बेंच पर बैठने के बाद वापसी की और टूर्नामेंट के अंत में तीन यादगार पारियां खेलकर 'प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट' बने। दूसरी ओर अभिषेक शर्मा का विश्व कप अभियान उतार-चढ़ाव भरा रहा। उन्होंने लगातार तीन शून्य से शुरुआत की, लेकिन अंत में 21 गेंदों पर 52 रन की तेज पारी खेलकर लय हासिल कर ली। 2024 में टी20 अंतरराष्ट्रीय डेब्यू के बाद से वह फुल मेंबर देशों के खिलाड़ियों में दूसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं।

किसकी जगह खेलेंगे

अगर सूर्यवंशी को मौका दिया जाता है तो भारत को अपनी बैटिंग ऑर्डर में बदलाव करना पड़ सकता है। टीम में ईशान किशन भी मौजूद हैं, जबकि श्रेयस अय्यर के नंबर-चार पर बल्लेबाजी करने की उम्मीद है। ऐसे में सूर्यवंशी के आने पर सैमसन, अभिषेक शर्मा और ईशान किशन में से केवल दो खिलाड़ियों के लिए ही जगह बच सकती है इसका मतलब यह हो सकता है कि किसी मौजूदा खिलाड़ी को अपनी बल्लेबाजी स्थिति बदलनी पड़े या फिर प्लेइंग-11 से बाहर बैठना पड़े। टी20 विश्व कप जीतने के तुरंत बाद ऐसा बदलाव कठोर लग सकता है, लेकिन टीम में जगह के लिए प्रतिस्पर्धा का स्तर यही दिखाता है। सूर्यकुमार यादव का कप्तानी और टीम दोनों से बाहर होना भी यह संकेत देता है कि चयनकर्ता कठिन फैसले लेने से पीछे नहीं हट रहे हैं।

क्या सैमसन को लोअर ऑर्डर में खेलना पड़ेगा?

कागज पर देखें तो संजू सैमसन को नंबर-छह पर उतारना सबसे आसान समाधान नजर आता है। सैमसन पहले भी टी20 क्रिकेट में नंबर-चार और नंबर-पांच पर बल्लेबाजी कर चुके हैं, लेकिन मौजूदा भारतीय टीम में ये दोनों स्थान लगभग तय माने जा रहे हैं। कप्तान श्रेयस अय्यर के नंबर-चार और उपकप्तान तिलक वर्मा के नंबर-पांच पर खेलने की संभावना सबसे अधिक है। ऐसी स्थिति में सैमसन के लिए नंबर-छह का विकल्प बचता है। हालांकि यहां एक नई चुनौती सामने आती है। टी20 क्रिकेट में यह स्थान आमतौर पर ऐसे खिलाड़ी के लिए रखा जाता है जो बल्लेबाजी के साथ गेंदबाजी में भी योगदान दे सके। शिवम दुबे, अक्षर पटेल, वॉशिंगटन सुंदर और सूर्यांश शेडगे जैसे खिलाड़ी इसी भूमिका के प्रमुख दावेदार हैं। अगर भारत सैमसन को नंबर-छह पर खिलाने का फैसला करता है, तो टीम संयोजन पर उसका असर पड़ सकता है। ऐसे में टीम को एक अतिरिक्त गेंदबाजी विकल्प की कमी महसूस हो सकती है, जिसका असर संतुलन पर पड़ सकता है। यह भी हो सकता है कि एक टी20 में वैभव को बैठाया जाए।

न्यूजीलैंड के बड़े खिलाड़ी इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे टेस्ट से बाहर

नॉटिंघम। इंग्लैंड के खिलाफ शुरू होने वाले तीसरे टेस्ट से पहले न्यूजीलैंड को चोट के कारण दो बड़े झटके लगे हैं। स्ट्राइक बॉलर मैट हेनरी और मिडिल-ऑर्डर बल्लेबाज ग्लेन फिलिप्स टीम से बाहर हो गए हैं।

टीम ने बताया कि पिछले हफ्ते ओवल में न्यूजीलैंड की दूसरे टेस्ट में जीत के दौरान 11 विकेट लेने वाले हेनरी को उस मैच के दौरान पिंडली (ष्ड्डद्यद्ध) में खिंचाव आ गया था और वे अभी तक ठीक नहीं हो पाए हैं। ओवल में पहली पारी में अहम शतक लगाने वाले फिलिप्स साइड स्ट्रेन (पसलियों के पास की मांसपेशियों में खिंचाव) के कारण बाहर हो गए हैं।

यूएस ओपन बैडमिंटन

किदांबी श्रीकांत दूसरे दौर में

नई दिल्ली। पूर्व विश्व नंबर-1 भारतीय शटलर किदांबी श्रीकांत ने यूएस ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट में शानदार शुरुआत करते हुए दूसरे दौर में प्रवेश कर लिया है। दुनिया के 38वें नंबर के खिलाड़ी श्रीकांत ने पहले दौर में भारत के ही दयानंद सनीथ को सीधे गेमों में 21-14, 21-12 से हराकर मुकाबला अपने नाम किया। महज 30 मिनट में मिली इस जीत के साथ 33 वर्षीय श्रीकांत ने अगले दौर का टिकट कटाया, जहां उनका सामना मलेशिया के स्टार खिलाड़ी ली जी जिया से होगा।

लक्ष्य सेन के टूर्नामेंट से ऐन वक्त पर हटने के बाद किदांबी श्रीकांत भारतीय एकल खिलाड़ियों में सबसे मजबूत दावेदार बनकर उभरे हैं। ऐसे में उनसे टूर्नामेंट में अच्छे प्रदर्शन की उम्मीदें बढ़ गई हैं।पुरुष एकल में रौनक चौहान ने भी अपनी बेहतरीन फॉर्म जारी रखते हुए दूसरे दौर में जगह बना ली। उन्होंने हमवतन शंकर सुब्रमण्यम को 23-21, 21-16 से हराया। रौनक ने मुख्य ड्रॉ में पहुंचने के लिए पहले दो क्वालिफाइंग मुकाबले भी जीते थे और अब उनका आत्मविश्वास सातवें आसमान पर है।

साई सुदर्शन ने श्रीलंका-ए के खिलाफ शतक बनाया

गॉल। इंडिया-ए के ओपनर साई सुदर्शन ने गॉल में श्रीलंका-ए के खिलाफ खेले जा रहे पहले अनऑफिशियल टेस्ट में शतक जड़ दिया। उन्होंने 19 चौके की मदद से 175 गेंद पर 132 रन बनाए। यह उनके फर्स्ट क्लास करियर का नौवां शतक है।साई के शतक की बदौलत भारत ने पहली पारी में 4 विकेट खोकर 218 रन बना लिए हैं। कप्तान ध्रुव जुरेल और शेख रशीद क्रीज पर हैं। आयुष पांडे 25, देवदत्त पडिक्कल 12 और ऋतुराज गायकवाड ने 22 रन बनाए। इस समय पहले दिन का दूसरा सेशन चल रहा है। इस मैच से पहले तक साई सुदर्शन ने 40 फर्स्ट क्लास मैचों की 68 पारियों में 2672 रन बनाए थे। उन्होंने 8 शतक और 10 अर्धशतकों लगाए थे। उनका औसत 39.29 का रहा है। उनका बेस्ट स्कोर 213 रन रहा है।इंडिया-ए के कप्तान और विकेटकीपर बल्लेबाज ध्रुव जुरेल ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया। टॉस के दौरान उन्होंने कहा कि हम बड़ा स्कोर बनाकर श्रीलंका-ए पर दबाव बनाना चाहते हैं। इंडिया-ए को साई सुदर्शन और आयुष पांडे ने अच्छी शुरुआत दिलाई। दोनों ने पहले विकेट के लिए 138 गेंद में 78 रन जोड़े। इसके बाद साई ने ऋतुराज गायकवाड़ के साथ तीसरे विकेट के लिए 90 रन की साझेदारी की। इससे टीम का स्कोर 150 रन के पार पहुंचा।

स्विट्ज़रलैंड-कनाडा अंतिम-32 में पहुंचे

वैंकूवर/सिएटल। एजेंसी। फीफा विश्व कप 2026 में ग्रुप बी के अंतिम मुकाबलों के बाद नॉकआउट चरण की तस्वीर लगभग साफ हो गई है। वैंकूवर में खेले गए मुकाबले में स्विट्जरलैंड ने कनाडा को 2-1 से हराकर ग्रुप में शीर्ष स्थान हासिल किया, जबकि सिएटल में बोस्निया-हर्जेगोविना ने कतर को 3-1 से मात देकर अगले दौर में पहुंचने की अपनी उम्मीदों को मजबूत कर लिया। तीन मैचों के बाद स्विट्जरलैंड सात अंकों के साथ ग्रुप बी में पहले स्थान पर रहा, कनाडा चार अंकों के साथ दूसरे स्थान पर रहा और दोनों टीमों ने सीधे अंतिम-32 में जगह बना ली। वहीं, बोस्निया भी चार अंक लेकर तीसरे स्थान पर रहा और अब सर्वश्रेष्ठ तीसरे स्थान वाली टीमों में शामिल होकर आगे बढ़ने की उम्मीद लगाए हुए है। कतर सिर्फ एक अंक के साथ चौथे स्थान पर रहा और टूर्नामेंट से बाहर हो गया।

बोस्निया ने जीत से जीवित रखीं नॉकआउट की उम्मीद

स्विट्ज़रलैंड ने कनाडा को हराकर ग्रुप में मारी बाजी

वैंकूवर के बीसी प्लेस स्टेडियम में खेले गए ग्रुप बी के निर्णायक मुकाबले में स्विट्ज़रलैंड ने कनाडा को 2-1 से हराकर ग्रुप विजेता बनने का गौरव हासिल किया। पहले हाफ में दोनों टीमों के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिली और 45 मिनट का खेल गोलरहित बराबरी पर समाप्त हुआ। कनाडा और स्विट्ज़रलैंड दोनों ने मौके बनाए, लेकिन किसी भी टीम को सफलता नहीं मिली।

दूसरे हाफ की शुरुआत होते ही स्विट्ज़रलैंड ने मैच का रुख बदल दिया। 46वें मिनट में रूबेन वर्गास ने गोल दागकर अपनी टीम को बढ़त दिलाई। इसके बाद 57वें मिनट में 20 वर्षीय जोहान मंजाम्बी ने शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए दूसरा गोल कर स्कोर 2-0 कर दिया। मंजाम्बी ने पूरे मैच में अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया और स्विस आक्रमण की धुरी बने रहे। कनाडा ने हार नहीं मानी और 76वें मिनट में स्थानापन्न खिलाड़ी प्रॉमिस डेविड ने गोल कर मुकाबले को रोमांचक बना दिया। अंतिम मिनटों में कनाडा ने बराबरी के लिए लगातार दबाव बनाया, लेकिन स्विस रक्षा पंक्ति ने कोई और मौका नहीं दिया। आखिरकार स्विट्ज़रलैंड ने 2-1 की जीत दर्ज कर सात अंकों के साथ ग्रुप बी में पहला स्थान हासिल कर लिया। कनाडा चार अंकों के साथ दूसरे स्थान पर रहकर नॉकआउट चरण में पहुंच गया।

बोस्निया ने कतर को हराकर जिंदा रखीं नॉकआउट की उम्मीदें

सिएटल स्टेडियम में खेले गए दूसरे मुकाबले में बोस्निया-हर्जेगोविना ने क़तर को 3-1 से हराकर टूर्नामेंट में अपनी दावेदारी मजबूत कर दी। मैच के पहले हाफ में बोस्निया ने आक्रामक शुरुआत की और 29वें मिनट में 18 वर्षीय केरिम अलाजबेगोविच ने बॉक्स के बाहर से शानदार गोल कर टीम को बढ़त दिलाई। बोस्निया की बढ़त 34वें मिनट में दोगुनी हो गई जब कतर के सुल्तान अलब्राके ने एडिन जेको के क्रॉस को क्लियर करने के प्रयास में अपनी ही टीम के गोलपोस्ट में गेंद पहुंचा दी। हालांकि कतर ने वापसी की कोशिश की और 42वें मिनट में अनुभवी हसन अलहायदोस ने गोल कर अंतर 2-1 कर दिया। इसी स्कोर के साथ पहला हाफ समाप्त हुआ। दूसरे हाफ में कतर ने बराबरी के लिए जोर लगाया और कुछ अच्छे मौके भी बनाए, लेकिन बोस्निया ने संयम बनाए रखा। मैच के 80वें मिनट में स्थानापन्न खिलाड़ी एरमिन माहमिक के डिफ्लेक्टेड शॉट ने कतर की उम्मीदों पर पानी फेर दिया। इस गोल के साथ बोस्निया ने 3-1 की निर्णायक जीत सुनिश्चित कर ली। इस जीत के साथ बोस्निया के भी चार अंक हो गए, लेकिन गोल अंतर और अन्य मानकों के कारण टीम तीसरे स्थान पर रही। अब उसकी निगाहें अन्य समूहों के परिणामों पर टिकी रहेंगी, क्योंकि वह सर्वश्रेष्ठ तीसरे स्थान वाली टीमों में शामिल होकर अंतिम-32 में जगह बना सकती है।

ग्रुप-बी का हाल

ग्रुप बी से स्विट्जरलैंड ने सात अंकों के साथ शीर्ष स्थान हासिल कर सीधे अंतिम-32 में प्रवेश किया। कनाडा चार अंकों के साथ दूसरे स्थान पर रहकर नॉकआउट चरण में पहुंच गया। बोस्निया-हर्जेगोविना ने अंतिम मैच जीतकर अपनी उम्मीदों को जीवित रखा है और अब वह सर्वश्रेष्ठ तीसरे स्थान वाली टीमों की सूची में जगह बनाने की कोशिश करेगा। वहीं कतर का अभियान एक अंक के साथ समाप्त हो गया।

फीफा विश्वकप के बीच नेपाल फुटबॉल एसोसिएशन पर गिरी गाज!

लॉजेन। इंटरनेशनल फेडरेशन ऑफ एसोसिएशन फुटबॉल (फीफा) ने तीसरे पक्ष के दखल से जुड़े फीफा नियमों के उल्लंघन के कारण ऑल नेपाल फुटबॉल एसोसिएशन (एएनएफए) को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। यह फैसला नेपाली फुटबॉल के गवर्नेंस को लेकर लंबे समय से चल रहे विवाद के बाद आया है। इससे पहले, नेपाल की नेशनल स्पोर्ट्स काउंसिल ने एएनएफए को तीन महीने के लिए निलंबित कर दिया था। हालांकि बाद में उस फैसले को वापस ले लिया गया था। फीफा ने अपने बयान में कहा कि काउंसिल के ब्यूरो ने फीफा नियमों के आर्टिकल 14 पैराग्राफ 1(आई) और 3 के तहत तीसरे पक्ष के दखल से जुड़े नियमों के उल्लंघन के कारण ऑल नेपाल फुटबॉल एसोसिएशन (एएनएफए) को तत्काल प्रभाव से निलंबित करने का फैसला किया है।

फीफा के सर्कुलर के मुताबिक, 24 जून 2026 से एएनएफए ने फीफा नियमों के आर्टिकल 13 में दिए गए सभी सदस्यता अधिकार अगले आदेश तक खो दिए हैं। इसके चलते अब एएनएफए के प्रतिनिधि और क्लब टीमें तब तक किसी भी अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में हिस्सा नहीं ले सकेंगी, जब तक उनका निलंबन वापस नहीं लिया जाता।

इस निलंबन का मतलब है कि नेपाल की राष्ट्रीय टीमें और क्लब अब फीफा और एशियन फुटबॉल कन्फेडरेशन (एएफसी) द्वारा आयोजित किसी भी प्रतियोगिता में हिस्सा नहीं ले सकेंगे। इसके साथ ही ऑल नेपाल फुटबॉल एसोसिएशन (एएनएफए), उसके सदस्य संगठनों और अधिकारियों को फीफा औरएएफसी की वित्तीय सहायता भी नहीं मिलेगी।

फीफा ने यह भी स्पष्ट किया है कि निलंबन के दौरान एएनएफए और इसके किसी भी सदस्य या अधिकारी को फीफा और एएफसी के किसी भी विकास कार्यक्रम, कोर्स या प्रशिक्षण में भाग लेने की अनुमति नहीं होगी। इसके अलावा, सभी संबंधित पक्षों को यह भी निर्देश दिया गया है कि जब तक एएनएफए पर निलंबन लागू है, तब तक उनके साथ या उनकी टीमों के साथ किसी भी प्रकार का खेल संबंध (स्पोर्टिंग कॉन्टैक्ट) न रखा जाए।

नेमार की वापसी अफ्रीका ने रचा इतिहास

मोरक्को-ब्राजील नॉकआउट में

न्यूयॉर्क, एजेंसी। फीफा विश्वकप 2026 का 14वां दिन रोमांच से भरपूर रहा। ब्राजील ने स्कॉटलैंड को 3-0 से हराकर नॉकआउट में जगह बनाई, जबकि नेमार ने चोट से वापसी करते हुए टूर्नामेंट में अपना पहला मैच खेला। मोरक्को ने हैती के खिलाफ शानदार वापसी करते हुए 4-2 से जीत दर्ज की। दूसरी ओर स्विट्जरलैंड ने कनाडा को हराकर ग्रुप-बी में शीर्ष स्थान हासिल किया, जबकि बोस्निया-हर्जेगोविना ने कतर को 3-1 से हराकर अगले दौर की उम्मीदें मजबूत कर लीं। वहीं, ग्रुप-ए में दक्षिण अफ्रीका ने दक्षिण कोरिया को हराकर इतिहास रच दिया और विश्वकप के इतिहास में पहली बार नॉकआउट में जगह बनाई। वहीं, मेक्सिको से हारकर चेकिया विश्वकप से बाहर हो चुका है।

ग्रुप चरण के आखिरी दौर में एक साथ हो रहे मुकाबले

फीफा विश्वकप 2026 के ग्रुप चरण के अंतिम दौर में अब एक ही समय पर दो मुकाबले खेले जा रहे हैं। फीफा ने ग्रुप स्टेज के आखिरी दौर में एक ग्रुप के दोनों मुकाबलों को एक साथ शुरू कराया है ताकि कोई भी टीम दूसरे मैच के परिणाम का फायदा न उठा सके।पांच बार की विश्व चैंपियन ब्राजील ने स्कॉटलैंड को 3-0 से हराकर नॉकआउट चरण में प्रवेश कर लिया। स्टार विंगर विनीशियस जूनियर ने दो गोल दागकर टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई। विनीशियस ने मैच के सातवें मिनट में पहला गोल किया और फिर हाफ टाइम से ठीक पहले दूसरा गोल दाग दिया। उनके साथ मैथियस कुन्हा ने भी एक गोल किया। इस मुकाबले की सबसे बड़ी खबर नेमार की वापसी रही। पिंडली की चोट के कारण शुरुआती दो मैच नहीं खेल पाने वाले नेमार 76वें मिनट में मैदान पर उतरे। स्टेडियम में मौजूद ब्राजीलियाई प्रशंसकों ने उनका जोरदार स्वागत किया। ब्राजील ने ग्रुप-सी में शीर्ष स्थान हासिल किया, जबकि स्कॉटलैंड एक बार फिर ग्रुप चरण से आगे बढ़ने में नाकाम रहा।

मोरक्को से हारकर हैती के सपनों पर फेरा पानी

मोरक्को ने हैती को 4-2 से हराकर ग्रुप-सी में दूसरे स्थान के साथ नॉकआउट दौर में जगह बना ली। हैती ने मुकाबले में दो बार बढ़त हासिल की थी। लेनी जोसेफ ने 10वें मिनट में गोल कर अपनी टीम को आगे कर दिया। इसके बाद अचरफ हाकिमी ने 39वें मिनट में बराबरी दिलाई, लेकिन कुछ ही मिनट बाद विल्सन इसिडोर ने फिर हैती को बढ़त दिला दी। हालांकि मोरक्को ने हार नहीं मानी। इस्माइल सैबारी ने हाफ टाइम से पहले स्कोर 2-2 कर दिया। इसके बाद स्थानापन्न खिलाड़ी सूफियान रहीमी ने 78वें मिनट में निर्णायक गोल किया और 89वें मिनट में गेस्सीम यासीन ने चौथा गोल दागकर हैती की उम्मीदें समाप्त कर दीं। कतर विश्वकप 2022 की सेमीफाइनलिस्ट मोरक्को टीम ने एक बार फिर साबित किया कि वह इस बार भी लंबी दौड़ तय करने की क्षमता रखती है।

जानकारी

क्या आप भी चेहरे पर वैक्सिंग कराती हैं? जानें कितना सुरक्षित है फेस वैक्सिंग

कई महिलाएं चेहरे पर वैक्सिंग कराती हैं। जिन महिलाओं के चेहरे पर ज्यादा बाल होते हैं, वो चेहरे पर ब्लीच, थ्रेडिंग या वैक्सिंग कराती हैं। लेकिन जो महिलाएं चेहरे पर वैक्सिंग कराती हैं, उन्हें चेहरे पर वैक्सिंग कराने के साइड इफेक्ट्स के बारे में भी मालूम होना चाहिए। चेहरे पर वैक्सिंग कराते समय आपको कुछ बातों का ध्यान रखना चाहिए। यहां पर हम आपको बता रहे हैं कि चेहरे पर वैक्सिंग कराते समय किन बातों का ध्यान जरूर रखें।

चेहरे पर वैक्सिंग कराते समय इन बातों का ध्यान रखें

- चेहरे पर वैक्सिंग कराते समय जरा सी गलती होने पर चेहरे की खूबसूरती बिगड़ सकती है इसलिए चेहरे पर वैक्सिंग बहुत सोच-समझकर कराएं।
- चेहरे की त्वचा बहुत सॉफ्ट होती है और चेहरे पर वैक्सिंग कराने से चेहरे पर बहुत जल्दी झुर्रियां यानी रिंकल्स हो सकते हैं, इसलिए बहुत जरूरी हो तो ही चेहरे पर वैक्सिंग कराएं।
- वैक्सिंग से हेयर फॉलिकल्स को नुकसान पहुंचता है, जिससे चेहरे पर सूजन, दाग पड़ जाना, इंफेक्शन जैसी समस्याएं हो सकती हैं।
- यदि आपके चेहरे पर बाल कम हैं, तो वैक्सिंग की बजाय चेहरे पर ब्लीच कर लें।
- यदि आपके चेहरे पर बहुत मोटे बाल हैं, तो आपके लिए लेजर हेयर रिमूवल ट्रीटमेंट बेस्ट है।
- यदि आप अपने हाथ-पैर की वैक्सिंग खुद घर पर ही करती हैं, तो भी चेहरे की वैक्सिंग खुद न करें, क्योंकि चेहरे की वैक्सिंग मुश्किल होती है। चेहरे की वैक्सिंग करते समय वैक्स का टेम्प्रेचर, वैक्सिंग स्ट्रिप की क्वालिटी आदि का ध्यान रखना बहुत जरूरी होता है इसलिए हमेशा एक्सपर्ट से ही चेहरे की वैक्सिंग कराएं।
- वैक्सिंग कराते समय अपने स्किन टाइप का भी जरूर ध्यान रखें। यदि आपकी स्किन सेंसिटिव है, तो एक्सपर्ट से इस बारे में पहले ही डिस्कस कर लें, वरना चेहरे पर इंफेक्शन हो सकता है।
- चेहरे की वैक्सिंग कराते समय हाइजीन का विशेष ध्यान रखें, वरना चेहरे पर इंफेक्शन होने की संभावना बढ़ सकती है।
- चेहरे पर वैक्सिंग कराने के तुरंत पहले या बाद में ब्लीच न करें, इससे आपके चेहरे को नुकसान हो सकता है। चेहरे पर ब्लीच करना है या नहीं इसके बारे में एक्सपर्ट से सलाह लें।
- वैक्सिंग कराने के बाद चेहरे पर वैक्सिंग लोशन या फेस सीरम लगाना न भुलें, वरना चेहरे पर रैशेज हो सकते हैं।
- वैक्सिंग कराने के तुरंत बाद धूप में न जाएं और न ही किचन में गैस के सामने खड़े होकर काम करें।
- जब तक जरूरत न हो, चेहरे पर वैक्सिंग न कराएं, जल्दी-जल्दी वैक्सिंग कराने से चेहरे की त्वचा को नुकसान हो सकता है।

थोरेसिक स्पाइन के इलाज में एक नया आयाम वैट सर्जरी

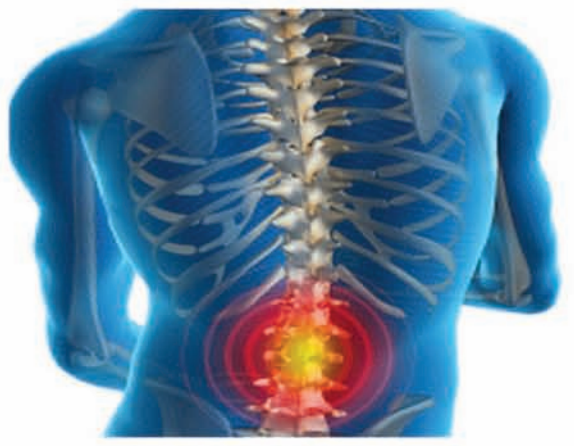

महानगरों की भागदौड़ और तनाव भरी जिंदगी, सोने तथा चलने के तौर तरीकों में बदलाव की बदौलत पीठ तथा गर्दन दर्द के रोगियों की संख्या दिन-प्रतिदिन बढ़ती ही जा रही है। एक मोटे तौर के अनुसार देश में हर सातवां व्यक्ति पीठ तथा गर्दन दर्द से परेशान है। पीठ तथा गर्दन दर्द के रोगियों में महिलाओं की संख्या काफी तादात में है। कमर दर्द के अनेक कारण हैं, लेकिन लगातार झुककर बैठना, रोजाना देर तक स्कूटर व मोटरसाइकिल चलाना, दफ्तर में झुककर काम करना और देर तक कंप्यूटर या टाइपराइटर पर काम करने वाले लोगों में यह दर्द ज्यादा होता है।

वर्तमान समय में कंप्यूटर के बढ़ते इस्तेमाल के कारण गर्दन दर्द का प्रकोप तेजी से बढ़ रहा है। अनेक अध्ययनों से पता चला है कि देश के बड़े शहरों एवं महानगरों में कंप्यूटर के बढ़ते इस्तेमाल के कारण कमर दर्द से ग्रस्त लोगों की संख्या में तेजी से इजाफा हो रहा है। यूं तो बच्चों से लेकर बुजुर्ग सभी कमर दर्द से प्रभावित हो सकते हैं। बढ़ती उम्र, भारी शारीरिक कार्य, लंबी अवधि तक एक ही स्थिति में काम करने वाले लोग (जैसे सेक्रेटरी, रिसेप्शनिस्ट, काल सेंटर के कार्मिक) भारी सामान उठाने वाले, वाइब्रेटर टूल आपरेटर आदि अधिक प्रभावित होते हैं। यदि इस के उपचार की बात की जाए तो कई प्रकार के उपचार भी मौजूद हैं। जैसे- बेड रेस्ट, इंजेक्शन, शल्य-चिकित्सा, स्पाइनल फ्यूजन, डिस्क प्रत्यारोपण, वर्टिब्रोप्लास्टी, पिन होल सर्जरी और मिनिमल इंवेसिव सर्जरी आदि। लेकिन हर उपचार की अपनी कुछ सीमाएं हैं। मगर अब वैट सर्जरी (वीडियो एसिस्टिेड थोरोस्कोपी) नामक एक नई सर्जरी की शुरुआत की गई है।

थोरेसिक स्पाइन की आम बीमारियां क्या हैं?

थोरेसिक स्पाइन में गर्दन व कमर की तरह कई सारी बीमारियां हो सकती हैं जैसे कि स्लिप्ड डिस्क, ट्यूमर, संक्रमण जैसे टी.बी., फेक्चर, कूबड़ इत्यादि। इन बीमारियों में सीने के पीछे कमर में दर्द व सीने में खिंचाव रहता है और ये दर्द कभी कभी नीचे पैरों तक भी जा सकता है। इसके साथ पैरों का सुन्न होना, चलने में मुश्किल व दैनिक क्रिया करम में दिक्कत पैदा हो सकती है। इन सभी कष्टों का कारण होता है नसों पर दबाव। अब वैट सर्जरी के द्वारा इस दबाव को आसानी से कम किया जा सकता है। इसके साथ-साथ कूबड़ के मरीजों की कमर का टेढ़ापन आसानी से दूर किया जा सकता है।

वैट सर्जरी के क्या फायदे हैं?

वैट सर्जरी में एक पतली सी दूरबीन द्वारा सीने की रीढ़ की हड्डी तक पहुंचकर टीवी स्क्रीन पर देखते हुए, वो सारे आपरेशन संभव हो गए हैं जो कि पहले सीने को खोलकर संभव हो पाते थे। इसमें एक विशेष किस्म की बेहोशी करके मरीज के एक फेफड़े को पिचका दिया जाता है, जिससे कि बिना किसी रुकावट के ट्यूमर या डिस्क को आसानी से निकाला जा सकता है। यह पूरी सर्जरी केवल एक या दो घंटे में पूरी हो जाती है। इसका मुख्य फायदा यह है कि मरीज अगले दिन से चल फिर सकता है। खून बहने व संक्रमण का रिस्क नहीं होता और मरीज को तीन दिनों में अस्पताल से छुट्टी मिल जाती है, जिससे कि दवाईयां व अस्पताल का खर्च बच जाता है। वास्तव में यह सर्जरी बहुत ही उपयोगी व मरीजों के लिए एक वरदान के समान है।

डॉ. सतनाम सिंह छाबड़ा, सर गंगाराम अस्पताल, नई दिल्ली

स्लिप्ड डिस्क किस उम्र में खतरा ज्यादा होता है

- आमतौर पर 30 से 50 वर्ष की उम्र में कमर के निचले हिस्से में स्लिप्ड डिस्क की समस्या हो सकती है।
- 40 से 60 वर्ष की आयु तक गर्दन के पास सर्वाइकल वर्टिब्रा में समस्या होती है।
- विशेषज्ञों के अनुसार अब 20-25 वर्ष के युवाओं में भी स्लिप डिस्क के लक्षण तेजी से देखे जा रहे हैं। देर तक बैठ कर कार्य करने के अलावा स्पीड में बाइक चलाने या सीट बेल्ट बांधे बिना ड्राइविंग करने से भी यह समस्या बढ रही है। अचानक ब्रेक लगाने से शरीर को झटका लगता है और डिस्क को नुक्सान हो सकता है।

सामान्य लक्षण

- नसों पर दबाव के कारण कमर दर्द, पैरों में दर्द या पैरों, एडी या पैर की अंगुलियों का सुन्न होना।
- पैर के अंगूठे या पंजे में कमजोरी।
- स्पाइनल कॉर्ड के बीच में दबाव पडने से कई बार हिप या थाईज के आसपास सुन्न महसूस करना।
- समस्या बढने पर यूरिन-स्टूल पास करने में परेशानी।
- रीढ के निचले हिस्से में असहनीय दर्द।
- चलने-फिरने, झुकने या सामान्य काम करने में भी दर्द का अनुभव। झुकने या खांसने पर शरीर में करंट सा अनुभव होना।

जांच और उपचार

दर्द लगातार बना रहना, एक्स-रे या एमआरआइ, लक्षणों और शारीरिक जांच से डॉक्टर को पता चलता है कि कमर या पीठ दर्द का सही कारण क्या है और क्या यह स्लिप्ड डिस्क है।जांच के दौरान स्पॉन्डलाइटिस, डिजेनरेशन, ट्यूमर, मेटास्टेज जैसे लक्षण भी पता लग सकते हैं।

सेहत

मेथी के 16 फायदे

मेथी हर रसोई में मिल जाएगी, खाने का फ्लेवर बढ़ाने के साथ ही ये कई बीमारियों को भी दूर रखती है। ठंड के मौसम में मिलने वाले मेथी के पत्तों की सब्जी बनाकर खाएं। स्वाद में भले ही ये थोड़ी कड़वी होती है, मगर सेहत के लिए बहुत फायदेमंद है। खासकर महिलाओं के लिए। वैसे सिर्फ मेथी के पत्ते ही नहीं, मेथी दाना भी सेहत का खजाना है। मेथी में कैलोरी की मात्रा बहुत कम होती है।

- डिलीवरी के बाद महिलाओं को मेथी के लड्डू खाने को कहा जाता है। इससे प्रेग्नेंसी के बाद शरीर मजबूत बनता है और कमजोरी महसूस नहीं होती। ब्रेस्टफीड करानेवाली महिलाओं के लिए मेथी के पत्तों की सब्जी बहुत फायदेमंद होती है। मेथी कैल्शियम का भी बेहतरीन स्रोत है।
- पेट में जलन होने पर मेथी की सूखी पत्तियों और शहद को मिलाकर काढ़ा बनाएं। दिन में दो बार इसे पीने से पेट की जलन से राहत मिलती है।
- मेथीदाना को पीस लें और गुड़ में मिलाकर लड्डू बनाएं। ठंड के मौसम में रोजाना एक लड्डू खाने से सर्दी-खांसी की समस्या नहीं होगी।
- मेथी की सब्जी बनाकर खाएं। इससे डाइजेशन ठीक रहता है।
- मेथी बैड कोलेस्ट्रॉल को कंट्रोल करके हार्ट डिसीज के खतरे को कम करती है।
- मेथी डायबिटीज पेशेंट के लिए भी रामबाण से कम नहीं है. ये शुगर लेवल को कम करने में मदद करती है।
- यह शरीर से हानिकारक टॉक्सिंस को निकालने में मदद करती है।
- मेथी याददाश्त बढ़ाने में भी मददगार है।
- वजन कम करने में भी मेथी कारगर है। इसमें पाए जाने वाले फाइबर्स पेट के लिए फायदेमंद होते हैं।
- मेथी के दानों को रातभर पानी में भिगोकर रखें और सुबह खाएं, बहुत ज्यादा होगा।
- यदि स्किन प्रॉब्लम्स जैसे- रिंकल्स, ब्लैकहेड्स, पिंपल्स, ड्राईनेस आदि से परेशान हैं, तो मेथी की पत्तियों का पेस्ट बनाकर चेहरे पर लगाएं और करीब 20 मिनट बाद गुनगुने पानी से धो लें।
- हार्मोनल बैलेंस बनाए रखने में भी मेथी बेहद कारगर होती है।
- मेथी एक बेहतरीन घरेलू दवा का काम करती है। ये बुखार और कई अन्य मौसमी बीमारियों को ठीक करने में मदद करती है।
- मेथी के पत्तों से हर्ब टी बनाई जा सकती है, इसे पीने से दिमाग शांत और फ्रेश रहता है।
- मेथी में आयरन भी भरपूर मात्रा में होता है, इससे शारीरिक कमजोरी दूर होती है।
- मेथी के नियमित सेवन से महिलाओं को पीरियड्स और मेनोपात के दौरान होने वाली समस्याओं से राहत मिलती है।

मेथी सलाद

एक गड्डी मेथी को धोकर नमक लगाकर 30 मिनट रखकर पानी निचोड़ लें। फिर मेथी के पत्तों को बारीक काट लें। आधा-आधा कप बारीक कटे प्याज और टमाटर, मेथी, आधा टीस्पून लालमिर्च पाउडर, 1 टीस्पून तेल और नमक डालकर अच्छी तरह मिला लें। तैयार मेथी सलाद का मजा लें।

मेथी टमाटर

एक गड्डी मेथी को साफ करके काट कर उबाल लें। कड़ाही में 1 टेबलस्पून तेल गरम करके हींग, राई और जीरे का छौंक लगाएं। अब 1 टमाटर बारीक कटा हुआ, आधा-आधा टीस्पून धनिया पाउडर व लालमिर्च पाउडर डालकर 2 मिनट तक भूनें। 2-3 टेबलस्पून पानी डालकर एक उबाल आने पर मेथी व नमक डालकर अच्छी तरह मिला लें। धीमी आंच पर 5-7 मिनट पकने के बाद आंच से उतार लें।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): लेन-देन में स्पष्टता बनाये रखें। घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। पदोन्नति की संभावना है। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। शुभांक-7-8-9

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): आज की सुविधा कल नहीं मिल पायेगी, लाभ उठाएं। मित्रों से सावधान रहें तो ज्यादा उत्तम है। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। चल-अचल सम्पति में वृद्धि होगी। शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। स्वास्थ्य पर ध्यान दें। शुभांक-2-5-7

मिथुन (का की कू घ ड छ के को हा): अपना कार्य दूसरों के सहयोग से बना लेंगे। मित्रों की उपेक्षा करना ठीक नहीं रहेगा। नौकरी के क्षेत्र में कुछ उलझनें रहेगी। प्रतिष्ठा में वृद्धि व शिक्षा में परेशानी आ सकती है। स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें। व्यापार में वृद्धि होगी। शत्रुपक्ष पर आप हावी रहेंगे। मेहमानों का आगमन होगा। शुभांक-6-7-9

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): श्रेष्ठजनों की सहानुभूति मिलेगी। कारोबारी यात्रा सफल होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। बुद्धि, बल व पराक्रम सफल होगा। व्यापार में वृद्धि व लाभ मिलेगा। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। शुभांक-1-4-6

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): अपने काम को प्राथमिकता से करें। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। लाभ होगा और पुराने मित्रों से समागम भी होगा। अपने काम पर पैनी नजर रखिए। स्वभाव में सौम्यता आपकी मदद करेगी। जीवन साथी से संबंधों में मिठास बढ़ेगी। परिस्थिति सभी का सहयोग मिलेगा। शुभांक-5-7-9

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। दिमाग में निर्मूल तर्क पैदा होंगे। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। कारोबारी काम में बाधा बनी रहेगी। स्वास्थ नरम रहेगा। शुभांक-5-7-9

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): जो चल रहा है उसे सावधानीपूर्वक संभालें। मायूस न हो समय चक्र है। कारोबारी काम में बाधा उभरने से मानसिक अशांति बनी रहेगी। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। धन के लेन-देन में सतर्क रहें। शुभांक-2-5-7

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): परिवार में मांगलिक कार्यों का आयोजन होगा। वैवाहिक जीवन में प्रेम-प्रीति बढ़ेगी। जीवन साथी से संबंधों में मिठास बढ़ेगी। राजकीय सम्मान प्राप्त होने के योग हैं। शांतिपूर्वक कार्य करें, जान है तो जहान है अत: वाहन आदि चलाने में सावधानी बरतें। अपना कार्य स्वयं करें, किसी के भरोसे न रहें। शुभांक-1-5-9

धनु (ये यो भा भी भू): मेल-मिलाप भविष्य में लाभदायक सिद्ध होगा। स्वयं पर विश्वास कार्यों की सिद्धि है। घर तथा व्यावसाय को एक-दूसरे से दूर ही रखें। व्यापारिक संबंधों में प्रगति के योग हैं। कार्य स्थल पर नियमपूर्वक व्यवहार लाभकारी होगा। कोई प्रिय वस्तु अथवा

संरक्षक: संजय शुक्ला,(सत्यम शिवम शुभम पीजी व लां कॉलेज टिकरी)
सलाहकार संपादक: रिजवान सैफ खान
सह सपांदक: मोहम्मद दानिश फारुकी ,
सह संपादक: राम सिंह यादव उपसंपादक राकेश द्विवेदी
उक्त सभी पद अवैतनिक है

काकुरो पहेली - 3929

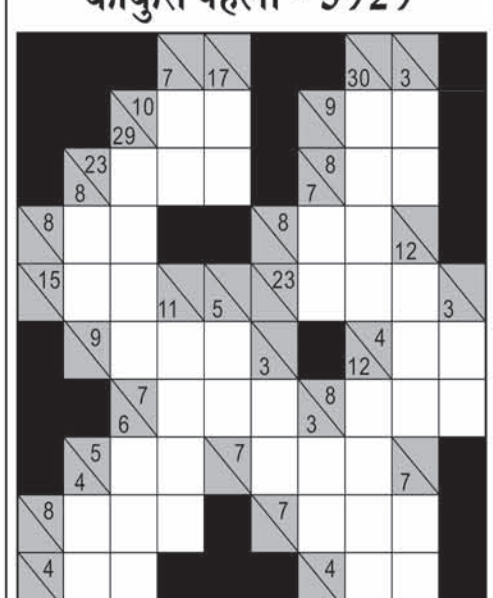

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

5+6+7+8+9=35
4+6+7+8+9=34
5+7+8+9=29
6+7+8+9=30

काकुरो - 3928 का हल

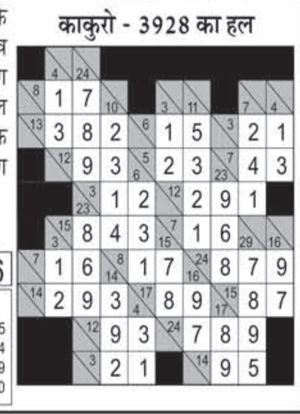

हंसी के फूव्वारें

एक हीरो का जब बुरा समय आया तो एक होटल में बैरागिरी करने लगा. एक दिन उसका दोस्त उस होटल में खाना खाने पहुंचा. जब उसने हीरो को वहां वेटर के रूप में देखा तो उसने आश्चर्य प्रकट करते हुए कहा-'अरे! तुम ऐसे मामूली होटल में बैरागिरी कर रहे हो ?'

'हां !' हीरो शान्त स्वर में बोला-'सब समय की बात है. फिर भी अभी ऐसी हालत नहीं हुई कि इस होटल में खाना खाना पड़े.'

□ □ □

एक अधिकारी ने कागजी कार्यवाही के दौरान अपने पास बैठे एक आदमी से पूछा-'आपकी राष्ट्रीयता तो भारतीय है ना!'

'जी नहीं !'

'फिर ?'

'मेरे मां और बाप दोनों अंग्रेज थे, इसलिए मेरी राष्ट्रीयता अंग्रेजी है.'

'मगर आप पैदा तो भारत में हुए थे.'

'तो क्या हुआ!'वह आदमी कड़क आवाज में बोला-'आपकी कुतिया यदि घुड़साल में जाकर पिल्ला दे तो क्या आप उसे घोड़ा मान लेंगे ?'

□ □ □

बेटा-'पापा मुझे तीन विषयों में एक समान अंक मिले हैं.'

पिता-कितने अंक मिले हैं.

बेटा-'शून्य,शून्य,शून्य !'

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली- 3929

बायें से दायें:-

१. अमिताभ, सलमान, जॉन, हेमा, रानी की फिल्म-३
३. 'हैलो हैलो बोल के' गीत वाली सुनील शेट्टी, शिल्पा शेट्टी की फिल्म-३
५. जैकी, अनिल, शत्रुघ्न, हेमा, टीना मुनीम की फिल्म-२
६. 'मैं लव तुम से' गीत वाली फिल्म-३
७. कंवलजीत, वहीदा की फिल्म-३
९. 'झूठी मूठी मितवा सांवन' गीत वाली फिल्म-३
११. नवीन निश्चल, प्राण, रेखा की 'ना सतरा से ऊपर' गीत वाली फिल्म-२
१३. 'हर इक लब पर है' गीत वाली श्रेयस तलुदे, आयशा टकिया की फिल्म-२
१५. शाहरूख, मनीषा, प्रीति, शिल्पा की फिल्म-२,१
१७. अमिताभ, जया भादुड़ी की फिल्म-२
१९. 'मुझे तुम याद' गीत वाली फिल्म-३
२०. अमिताभ, गोविंदा, रजनीकांत, किमी की फिल्म-२
२२.'दिल में जिगर' गीतवाली फिल्म-२
२३. हिंदी फिल्मोंका पहला 'ही-मैन' किसे कहा गया है-४
२४. जीतेंन्द्र, जयप्रदा की एक पारिवारीक फिल्म-१
२५. 'सौ सवालों का' गीत वाली धर्मेन्द्र, अनिलकपूर, मीनाक्षी की फिल्म-३
२७. अमिताभ, जैकी, जावेद, कैटरीना, मधु, सीमा, जीनत की फिल्म-२
२८. 'जुड़वाँ' में सलमान के साथ करिशमा के अलावा दूसरी नायिका कौन थी-२
२९. राजेश खन्ना, शर्मिला टैगोर की फिल्म-३
३१. फिरोज, संजय, मनीषा की 'आखिर तुम्हें आना है' गीत वाली फिल्म-४
३२. 'मेरा दिल जिस दिल' गीत वाली अनिल, अक्षय, करीना की फिल्म-३

ऊपर से नीचे:-

१. राहुल राय, शीबा की फिल्म-३
२. आमिर खान, ग्रेसी सिंह की 'मधुबन में जो कन्हैया' गीत वाली फिल्म-३
३. 'जिन्हें हम भूलना चाहें वो' गीत वाली दीपक कुमार, रेहाना की फिल्म-३
४. शशिकपूर, राखी की 'आज मदहोश हुआ जाये रे' गीत वाली फिल्म-३
५. 'नाले नाले मैं चली' गीत वाली मिथुन, कबीर बेदी, संगीता की फिल्म-४
८. बॉबी, काजोल, मनीषा कोइराला की 'मेरे ख्वाबों में तू' गीत वाली फिल्म-२
१०. 'अब चाहे सर फूटे या' गीत वाली राजेश खन्ना, राखी, शर्मिला टैगोर की फिल्म-२
१२. कुमार गौरव, माधुरी की 'पहली बारिश में और तू' गीत वाली फिल्म-२
१३. 'सजना साथ निभाना' गीत वाली राजेश खन्ना, बबीता की फिल्म-२
१४. सुनीलदत्त, माला की 'आजा आजा रे तुझको मेरा प्यार' गीत वाली फिल्म-४
१५. 'जान तन से' गीत वाली जैकी श्रॉफ, फरहा की फिल्म-४
१६. प्रशांत, संध्या की 'तुम तो प्यार हो सजना' गीत वाली फिल्म-३
१८. 'खुशी से खुदकुशी' गीत वाली फिल्म-५
२१. सनी, जीतेंन्द्र, फरहा, जयाप्रदा की फिल्म-४
२६. 'आँखों आँखों में हो गए' गीत वाली फिल्म-३
२९. नसीर, अतुल, पूजा भट्ट की फिल्म-२
३०. 'रंग दीन्हीं रंग दीन्हीं' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 3928

सूडोकु -3929

			2				3	
		9		8		2	6	4
1				3	6		9	
4		3						
	8			2			1	
						8		6
	4		7	5				3
3	7	5		4		1		
	2				8			

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3928 का हल

4	6	2	3	5	8	9	1	7
8	1	7	9	2	6	3	5	4
3	5	9	1	7	4	8	2	6
6	4	1	5	3	7	2	8	9
2	7	5	8	4	9	6	3	1
9	3	8	2	6	1	4	7	5
1	2	3	6	9	5	7	4	8
5	9	4	7	8	2	1	6	3
7	8	6	4	1	3	5	9	2

शब्द पहेली - 3929

बाएँ से दाएँ

1.छुट्टी,रजा-4
3.वध,आघात-4
5.दशानन-3
7.अनमोल,अनूठा-3
8.अनाथ,बेसहारा-3
10.खजूर-3
11.रहम करना-2,3
14.गहराई नापना-2,3
17.लगातार,सतत-5
20.संतुष्ट होना-2,3
23.बीच में,दौरान-3
24.खुश,आनंदित-3
25.शिक्षा-3
26.शोक-3
27.जांचना,परखना-4
28.धार्मिक विधि का आयोजन करने वाला-4

ऊपर से नीचे

2.मयखाना,मधुशाला-5
3.प्रेमकहानी-5
4.चापलूसी-4
6.नटना,वचन तोड़ना-4
7.फिजूल,व्यर्थ-3
9.अव्यवस्थित समूह,भीड़-3
12.गुजर करना-3
13.वेग,गति-3
15.खूबसूरत-3
16.पर्वतीय मैदान, समतल पर्वत-3
17.गुजारिश,मांग-4
18.सुअर-3
19.गुस्सा होना-5
20.ममतापूर्ण-5
22.अयोग्य, असंगत-4

शब्द पहेली - 3928 का हल

सबसे तेज प्रयागराज, मुद्रक, प्रकाशक, स्वामी संपादक हनुमान प्रसाद शुक्ल द्वारा विपिन इंटरप्राइजेस 1/6सी/1 मास्टर जरूहुल हसन रोड़, कटरा, प्रयागराज से मुद्रित कराकर, करीमुददीनपुर पोस्ट अटरामपुर नवाबगंज प्रयागराज से प्रकाशित। मो नं. 9452842169। इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आ.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद का निपटारा इलाहाबाद न्यायालय में होगा। आपत्तियां एक सप्ताह के अंदर ही स्वीकार की जाएगी। समाचार पत्र की जिम्मेदारी लेखक व संवाददाता की होगी